शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 151 | गुवाहाटी | सोमवार, 30 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पथ संचलन के साथ आरएसएस बिश्वनाथ जिले का शताब्दी चेतना शिविर संपन्न — पेज 3
मन की बात : संविधान हमारा पथ प्रदर्शक : मोदी — पेज 4
पूर्व प्रधानमंत्री की मृत्यु पर भी राजनीति कर रही कांग्रेस : अनुराग ठाकुर — पेज 5
बहुजन समाज पार्टी के लिए मायूसी भरा रहा वर्ष-2024 — पेज 8

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

दक्षिण कोरिया में प्लेन क्रैश, 179 की मौत

लैंडिंग के दौरान नहीं खुले पहिए, पक्षी टकराने का मिला था अलर्ट

नई दिल्ली। रविवार को दक्षिण कोरिया में एक विमान हादसा हो गया। यहां मुआन हवाई अड्डे पर एक विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसल गया। इस हादसे में कथित तौर पर 179 लोगों के मारे जाने की खबर है। वहीं, बताया गया कि दो लोग इस खौफनाक हादसे में बच गए हैं। जिनको घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हादसे में जिन दो लोगों को बचाया गया है वे दोनों ही विमान चालक दल के सदस्य थे। हादसे के बाद इन्होंने बोइंग 737-800 के पिछले हिस्से से यात्रियों को निकालना जारी रखा। विमान में सवार 181 लोगों में से 175 यात्री थे और छह विमान चालक दल के सदस्य थे। रविवार को मुआन हवाई अड्डे पर पर हुए इस इस हादसे में अब तक 179 लोगों के मारे जाने की खबर सामने आई है। इस बोइंग 737-800 में कुल 181 लोग सवार थे। इसमें दो लोग बच गए हैं, लेकिन 179 लोग काल के गाल में समा गए। इस घटना के बाद दुर्घटना स्थल से कई तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों को देखकर मन में खौफ समा जा रहा है। हादसे के कारण विमान का आधा हिस्सा जलकर पूरी तरीके से खाक हो गया है। वहीं, पीछे का आधा हिस्सा टुकड़ों में बंट गया। विमान के पिछले हिस्से से लोगों को बाहर निकालने का काम किया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार विमान के साथ ये हादसा लैंडिंग के दौरान हुआ। दरअसल, प्लेन ने लैंडिंग का प्रयास किया जिसमें सफल लैंडिंग ना हो सकी। रनवे पर विमान की स्पीड कम नहीं होने के कारण रनवे समाप्त हो गया और विमान दीवार में जा टकराया। विमान हादसा लैंडिग गियर में गड़बड़ी के कारण हुआ। *केबीएस वर्ल्ड* के अनुसार कोरिया एयरपोर्ट कॉर्पोरेशन और दक्षिण जिओला स्टेट के फायरब्रिगेड अधिकारियों ने बताया कि रविवार सुबह सुबह स्थानीय समय 9:07 बजे 175 यात्रियों और छह फ्लाइट अटेंडेंट को लेकर थाईलैंड से आ रही जाजू एयर का फ्लाइट एयरपोर्ट पर लैंडिंग कर रही थी। तभी यह हादसा हुआ। विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद घटनास्थल पर काले धुएं का गुबार देखने को मिला। ऐसा माना गया कि विमान से पक्षी टकरा गए, जिस वजह से लैंडिंग के वक्त गियर में तकनीकी खराबी आ गई और ये बड़ा हादसा हो गया। अधिकारियों के त्वरित प्रयास की वजह से हादसे के बाद लगी आग लगभग बुझा दी गई। इस विमान हादसे के बाद दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति चोई सांग-मोक ने यात्रियों को बचाने के लिए सभी संसाधनों को लाने और जल्द से जल्द रेस्क्यू करने के निर्देश दिए। एक आधिकारिक -शेष पृष्ठ दो पर

बीटीआर कम्यूनीटि विजन डक्यूमेंट : अंतरसांप्रदायिक शांति, सद्भाव और प्रगति

■ प्रमोद बोड़ो

बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) लंबे समय से अस्थिरता और अनिश्चितता के माहौल में है। इसलिए, इस क्षेत्र के जातीय समूह अपनी वर्तमान और भविष्य की सुरक्षा के लिए भयंकर संघर्ष कर रहे हैं। पिछले कुछ दशकों में, क्षेत्र के निवासियों ने ऐसी कई छोटी-बड़ी घटनाएं देखी हैं। इनमें से कई घटनाओं ने सामाजिक और आर्थिक संरचनाओं को भी बाधित किया है। इससे हमारे क्षेत्र के समग्र विकास में बाधा उत्पन्न हुई है और लोगों में अलगाव की भावना पैदा हुई है। बीटीआर क्षेत्र के विभिन्न समुदायों के साथ मेरे दीर्घकालिक संबंधों ने मुझे विभिन्न समयों पर उनकी पहचान और संस्कृति की रक्षा के मुद्दों की समझ दी है। ऐसे अनुभवों के साथ, मैं इन मुद्दों की गहराई से समीक्षा और अवलोकन करने का प्रयास कर रहा हूं।

मुझे लगता है कि यह समय की मांग है कि क्षेत्र के निवासियों के सामने आने वाली चुनौतियों, समुदायों की शिकायतों और उनकी आकांक्षाओं के समाधान के लिए कुछ जरूरी समावेशी नीतियों की जांच की जाए।

> "सांस्कृतिक और सामाजिक विविधता से समृद्ध, भारत एक ऐसा राष्ट्र है जो अपने समुदाय की ताकत और एकता से समृद्धि, शक्ति प्राप्त करता है। समुदायों को प्रोत्साहित करना और मजबूत करना न केवल इस विविधता को संरक्षित करने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि देश के भीतर प्रगति और सद्भाव के निर्माण के लिए भी आवश्यक है। समुदाय भारत की पहचान का आधार बनता है। पारंपरिक प्रथाओं से लेकर आधुनिक सहयोग तक, समुदाय अपने सदस्यों के साझा इतिहास, मूल्यों और आकांक्षाओं को स्पष्ट करते हैं।"

प्राकृतिक कानून और मानवीय परिप्रेक्ष्य की अवधारणा एक मौलिक सिद्धांत के रूप में शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व पर जोर देती है। प्राकृतिक कानून इस विचार पर आधारित है कि अंतर्निहित अधिकार और नैतिक सिद्धांत हैं जो मानव निर्मित कानूनों से स्वतंत्र रूप से मौजूद हैं। ये सिद्धांत मार्गदर्शन करते हैं कि कैसे व्यक्तियों और समुदायों को एक साथ सद्भाव से रहना चाहिए।

बीटीआर के लिए, सामुदायिक विजन दस्तावेज के संदर्भ में शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देना समग्र विकास के लिए आवश्यक है। विचार यह है कि आपसी सम्मान की समझ को अपनाकर और विभिन्न मानवीय अनुभवों में जटिलता को पहचानकर, समुदाय शांतिपूर्ण संबंधों को बढ़ावा दे सकते हैं।

संघर्ष समाधान के लिए सह-अस्तित्व के सिद्धांत को समझना महत्वपूर्ण है। इससे पता चलता है कि सच्ची शांति केवल संघर्ष की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि हमारा सामूहिक लक्ष्य एक सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन है जिसे निरंतर भय से मुक्त, स्वतंत्र सोच और स्वतंत्र दिमाग से जीया जा सकता है।

बीटीआर हिंसा को कड़ी चुनौती देता रहा है। बीटीआर में, ऐसी चुनौतियां अक्सर सामाजिक अशांति और विकास प्रयासों में व्यवधान पैदा करती हैं। गंभीर आरोपों के बीच अंतर्निहित उथल-पुथल की इन घटनाओं ने समुदायों के बीच असुरक्षा और अविश्वास की भावना बढ़ा दी है। इसलिए, समाज का सामान्य विकास बार-बार बाधित हुआ है। इन समूहों को लगता है कि उनके संवैधानिक, सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक अधिकारों को व्यवस्थित रूप से नष्ट कर दिया गया है और उन्हें अस्वीकार कर दिया गया है। मौसी की तरह व्यवहार किए जाने की यह धारणा कई दशकों से जारी है, जिससे असंतोष और अलगाव की भावनाएं बढ़ रही हैं। वे अक्सर अपनी उचित और उचित मांगों के बावजूद असफल मांगें करते हैं, जिससे उनकी हताशा बढ़ती है और वे अपने अधिकारों के पक्ष में आंदोलनों का नेतृत्व करते हैं।

इन समुदायों की विशिष्ट आवश्यकताओं और आकांक्षाओं पर ध्यान न देने के कारण सरकार और उसके विभागों के प्रति गहरा अविश्वास पैदा हुआ है। बीएससी टी.एस. अर के लोगों की आकांक्षाओं ने उन्हें अपने अधिकारों को सुरक्षित करने के -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

पूर्वाग्रह से ग्रसित दंड देना लोक निंदा का कारण बनता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

पॉस्को मामले के 78 वर्षीय आरोपी ने जेल में की खुदकुशी

चिरांग। चिरांग जिले के अमगुरी के 78 वर्षीय कैदी ईशान नारजारी ने रविवार को अभयपुरी जिला जेल में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पोक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) मामले में आरोपी नरजारी ने कथित तौर पर एक नुकीली चिप खाकर अपनी जान ले ली। जेल अधिकारियों ने नियमित निरीक्षण के दौरान उसका शव देखा और तुरंत स्थानीय -शेष पृष्ठ दो पर

कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज उल्टा फहराने पर विवाद

गौरीपुर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के शोक के दौरान गौरीपुर उपखंड (सिंचाई) के सहायक कार्यकारी अभियंता के कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज उल्टा फहराया गया। स्थापित ध्वज प्रोटोकॉल का उल्लंघन करते हुए इस कृत्य ने नागरिकों में व्यापक आक्रोश पैदा कर दिया है। प्रोटोकॉल के अनुसार, दिवंगत नेता के सम्मान में ध्वज को आधा झुकाया जाना चाहिए था। इसके बजाय, -शेष पृष्ठ दो पर

असम साहित्य सभा की बैठक में झड़प, एक घायल

गुवाहाटी। बहुप्रतीक्षित चुनाव परिणामों की घोषणा से पहले असम साहित्य सभा की बैठक के दौरान हिंसा भड़कने से तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। इस घटना में प्रधान संपादक पद के उम्मीदवार अजीत प्रसाद शर्मा ने कथित तौर पर एक कार्यकारी सदस्य पर हमला किया था। सूत्रों के अनुसार, यह विवाद कार्यकारिणी द्वारा लगाए गए इस आरोप से उपजा कि वर्तमान प्रधान संपादक ने कुछ सदस्यों को बैठक में आमंत्रित नहीं किया था। यह बहस तब और बढ़ गई जब सभा के एक अन्य प्रमुख सदस्य सुशील चंद्र डेका की एक कार्यकारी सदस्य के साथ गरमागरम बहस हो गई। स्थिति तब और बिगड़ गई जब महासचिव पद के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

2025 के पंचायत चुनावों के लिए 27 जिलों में अंतिम मतदाता सूची जारी

गुवाहाटी। असम के राज्य चुनाव आयोग ने छठी अनुसूची और नगरपालिका क्षेत्रों को छोड़कर 27 जिलों में होने वाले आगामी पंचायत चुनावों के लिए मतदाता सूची को अंतिम रूप दे दिया है। आयोग ने रविवार को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की है, जिसमें 1,80,14,913 मतदाता शामिल हैं, जिनमें 90,60,640 पुरुष मतदाता, 89,53,865 महिला मतदाता और 408 मतदाता तीसरे लिंग के हैं। चुनाव छठी अनुसूची क्षेत्रों और नगरपालिका क्षेत्रों को छोड़कर 27 जिलों में 397 जिला परिषद निर्वाचन क्षेत्रों (जेडपीसी) को कवर करेंगे। असम सरकार द्वारा 2024 में गांव पंचायतों, आंचलिक पंचायतों और जिला परिषद निर्वाचन क्षेत्रों के नए परिसीमन के बाद ये नामावलियां तैयार की गई हैं। अंतिम रूप से तैयार नामावलियां गांव पंचायतों, खंड विकास अधिकारियों, जिला परिषदों, जिला आयुक्तों के कार्यालयों और जिला प्रशासन और राज्य चुनाव आयोग की आधिकारिक वेबसाइटों पर उपलब्ध हैं। मतदाता अपने -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा को जनवरी के अंत में मिल सकता है नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली। भाजपा को नए साल में जनवरी क्ले अंत में नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है। भाजपा नेता पीटी कुंजांग ने कहा कि 15 जनवरी तक राज्य और जिला अध्यक्षों के चुनाव पूरे होंगे। इसके बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी और जनवरी के अंत या फरवरी के पहले हफ्ते में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा की जाएगी। भाजपा की नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में रविवार को संगठन चुनाव को लेकर अहम बैठक हुई। इसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष -शेष पृष्ठ दो पर

संभल में मिली एक और सुरंग तहसीलदार के उड़े होश

चंदौसी। बनियाठेर थाना क्षेत्र के ग्राम खेतापुर में खेड़ा के पास एक सुरंग होने की जानकारी मिलते ही चंदौसी तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। हालांकि झाड़ियां होने के कारण इसकी खोदाई का काम शुरू नहीं कराया जा सका। इसके लिए बुलडोजर ले जाकर खोदाई कराई जाएगी। बताया जा रहा है कि उक्त सुरंग संभल के हरिहर मंदिर तक जाती थी। गांव के कुछ लोगों ने यह भी बताया कि करीब एक किमी दूर तक तो वह लोग इस सुरंग में जा चुके हैं। जिले भर में प्राचीन स्थलों की तलाश की जा रही है, इसमें बावड़ी, कूप व अन्य ऐतिहासिक स्थलों की खोदाई कर उन्हें अस्तित्व में लाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को एक तहसील क्षेत्र के ग्राम खेतापुर के पास सुरंग होने की जानकारी मिलते ही तहसीलदार -शेष पृष्ठ दो पर

नए साल पर पेट्रोल डीजल की कीमतों में होगी कटौती

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने बजट सुझावों में ईंधन पर उत्पाद शुल्क कम करने की सिफारिश की है, जिससे खपत को बढ़ावा दिया जा सके। उद्योग संगठन ने कहा कि खपत बढ़ाने के लिए खासकर निम्न आय स्तर पर यह छूट दी जानी चाहिए, क्योंकि ईंधन की कीमतें मुद्रास्फीति को काफी बढ़ाती हैं। बजट में 20 लाख रुपए प्रतिवर्ष तक की व्यक्तिगत आय के लिए सीमांत दरों -शेष पृष्ठ दो पर

भारत का रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में 21,083 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली (हि.स.)। वित्तीय वर्ष 2023-24 में रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 21,083 करोड़ रुपए (लगभग 2.63 बिलियन अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 32.5 फीसदी की वृद्धि है। पिछले वित्तीय वर्ष में यह आंकड़ा 15,920 करोड़ रुपए था। हालिया आंकड़े बताते हैं कि पिछले 10 वर्षों में देश का रक्षा निर्यात 31 गुना बढ़ गया है। अब तक का उच्चतम रक्षा निर्यात हासिल करने में निजी क्षेत्र और डीपीएसयू ने क्रमश: 60 फीसदी और 40 फीसदी का योगदान दिया है। भारत फिलहाल 85 से ज्यादा देशों को हथियार प्रणालियों का निर्यात कर रहा है। रक्षा मंत्रालय ने अपनी वर्षांत समीक्षा में कहा है कि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान रक्षा निर्यातकों को जारी किए गए निर्यात प्राधिकरणों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में 1,414 निर्यात प्राधिकरणों के मुकाबले वित्त वर्ष 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 1,507 हो गई। दो दशकों यानी 2004-24 तक के तुलनात्मक आंकड़ों से पता चलता है कि रक्षा -शेष पृष्ठ दो पर

पीओके में मीटिंग, कश्मीर में अलर्ट, एलओसी पर भारत ने बढ़ाई चौकसी

नई दिल्ली। एक तरफ पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच लगातार हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं वहीं दूसरी तरफ पीओके में भी पाकिस्तान के खिलाफ लगातार बगावती सुर देखने को मिल रहे हैं। ऐसे में पाकिस्तान को चिंता है कहीं उनके हाथ से पीओके ना चल जाए। पीओके में हाल ही में ही आतंकी संगठन और आईएसआई के बीच एक बैठक हुई थी। इस बैठक का मुद्दा यह था कि कश्मीर मुद्दे को फिर से कैसे हवा दी जाए। आतंकियों को कैसे पहुंचाया जाए और हथियारों की डिलीवरी कैसे हो। लाइन ऑफ कंट्रोल के इलाके में बर्फबारी हो चुकी है घुसपैठ के तमाम रास्ते लगभग बंद है, लेकिन पाकिस्तान में बैठे आतंकी अंतर्राष्ट्रीय सीमा या फिर लाइन ऑफ कंट्रोल के इलाके से घुसपैठ के प्रयास आए दिन करता रहता है। ऐसे में लाइन ऑफ कंट्रोल पर बर्फबारी में सेना के जवान भी हर परिस्थितियों से निपटने के लिए पूरी तरह से मुस्तैद हैं। बर्फबारी के बीच सेना के जवान देश की रक्षा के लिए सीना ताने खड़े हैं। इसमें कई हाईटेक हथियार हैं जो उनकी मदद कर रहे हैं। घाटी में लगातार बर्फबारी हो रही है और सेना के जवान सीमाओं की सुरक्षा में लगे हुए हैं। सेना के जवान 20000 से 30000 फीट की ऊंचाई से लगातार पड़ोसी मुल्क की हर एक गतिविधियों पर न केवल नजर रख रहे हैं बल्कि किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से मुस्तैद भी हैं। पाकिस्तान ऑक्यूपाइड कश्मीर का रावला कोट वो इलाका है जहां पर माना जाता है आतंकियों के कई ट्रेनिंग कैंप और लॉन्च पैड मौजूद है। सूत्र बताते हैं की हाजी पीर सेक्टर, फारवर्ड कहुटा, पढ़ मोहल्ला, रंकडी, सीढ़ियां, समानी, भिम्बर, नीलम वैली, लिपा वैली यह वो इलाके है -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

2047 तक भारत को एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना हमारा लक्ष्य : राजनाथ सिंह

इंदौर (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि 2047 तक भारत को एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाया जाए। इस लक्ष्य की प्राप्ति में सेना की भूमिका बेहद अहम है। आप केवल सीमाओं के रक्षक ही नहीं हैं बल्कि आप इस राष्ट्र के निर्माण के अग्रदूत भी हैं। आपके कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी है। आपको एक तरफ तो हमारी सीमाओं का भार संभालना है और दूसरी तरफ विकसित भारत के निर्माण की नींव भी रखनी है। हमें खुद को हमेशा अलर्ट रहने की आवश्यकता है। रक्षा मंत्री सिंह रविवार को इंदौर जिले के प्रवास के दौरान महू में आर्मी संस्थानों में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महू में एक लंबे समय से आर्मी वॉर कॉलेज, इन्फेंट्री स्कूल और मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलिकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग भी सेवाएं दे रहे हैं। स्थापना के समय से ही ये संस्थान भारतीय सेनाओं के ऑफिसर्स और जवानों को मिलिट्री स्ट्रेटजीस और युद्ध कौशल में पारंगत बना रहे हैं। मैं सेना के प्रति आप सभी की सेवा के लिए भी आभार प्रकट करता हूं। आपका समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा प्रेरणा का काम करती है। आपका अनुशासन साधना से कम नहीं। देश की उत्तरी और पश्चिमी सीमा पर लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हमारे दुश्मन बाहरी हों या आंतरिक, हमें उनकी गतिविधियों पर पैनी नजर रखनी होगी। दरअसल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को मध्य प्रदेश के दो दिवसीय प्रवास पर इंदौर पहुंचे हैं। उनके साथ आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी भी इंदौर आए हैं। वे दोपहर करीब 12 बजे विशेष विमान से इंदौर एयरपोर्ट आए और यहां से सेना की हैलिकॉप्टर द्वारा महू कैंट एरिया पहुंचे। यहां रक्षा मंत्री सिंह ने आर्मी वॉर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में जवानों और अधिकारियों को संबोधित किया। इस दौरान चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ उपेंद्र द्विवेदी भी मौजूद रहे। रक्षा मंत्री ने कहा कि मुझे सबसे ज्यादा जो बात अपील करती है, वह है कर्म के प्रति आपकी निष्ठा। जिस प्रकार से आप, हर चीज से ऊपर उठकर, केवल राष्ट्र सेवा को ही अपना कर्म मानकर, निरंतर लगे हुए हैं, शायद इसी को निष्काम कर्म कहा गया है। आपका यह निष्काम कर्म ही है, जिसने हमारी सेना को एक अलग ही मुकाम पर लाकर खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि यहां मैं युवा जोश, और परिपक्व अनुभव के मिश्रण को भी देख पा रहा हूं। जोश और अनुभव का यह मिश्रण निश्चित रूप से हमारी सेना के लिए और इस देश के लिए भी कई मायनों में महत्वपूर्ण है। वैसे तो आप सभी पूरी दुनिया में चल रही गतिविधियों पर खुद नजर रखते होंगे फिर भी, देश के रक्षा मंत्री होने के नाते, मैं आप सभी से विशेष रूप से यह बात कहना चाहूंगा कि, हमें खुद को हमेशा अलर्ट रखने की जरूरत है। मुझे विश्वास है कि लोहे के समान आपके मजबूत कंधे, इस राष्ट्र के निर्माण का भार बेहद आसानी से वहन करेंगे। मेरी शुभकामनाएं आप सभी के साथ हैं।

विस उपचुनाव में हार के बाद अब बीपीएससी के छात्र आंदोलन में कूदे पीके

पटना। बिहार विधानसभा उपचुनाव में पराजय के बाद अब फिर से राजनीतिक सलाहकार से नेता बने जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर मैदान में हैं। इस बार उन्होंने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर छात्रों के समर्थन में आंदोलन शुरू किया है। प्रशांत किशोर के नेतृत्व में शनिवार को प्रदर्शनकारी छात्रों ने पटना जिला प्रशासन की आयोग की बातचीत के प्रस्ताव को खारिज कर दिया और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने की डिमांड रखी और फिर सोमवार को गांधी मैदान में छात्र संसद बुलाने का आह्वान किया है। वहीं, पटना के जिला प्रशासन ने साफ कह दिया कि प्रशांत किशोर को छात्र संसद की अनुमति नहीं देंगे। इससे बिहार की राजधानी पटना में फिर से इस मुद्दे पर घमासान मचने के आसार हैं। बता दें कि एक साल तक पूरे बिहार की खाक छानने के बावजूद राजनीतिक सलाहकार प्रशांत किशोर को बिहार में हाल में हुए उपचुनाव सफलता नहीं मिली। बिहार राजनीति में एंट्री मारने वाले प्रशांत किशोर ने उपचुनाव के मौके पर पार्टी जनसुराज को मैदान में उतारा था, लेकिन जनता ने उन्हें पूरी तरह से खारिज कर दिया था। अब बीपीएससी में पेपर लीक सहित अन्य मुद्दों पर छात्र लगातार आंदोलन कर रहे हैं, तो प्रशांत किशोर भी छात्रों के साथ मिलकर आंदोलन में शामिल हो गए हैं। इस आंदोलन ने बिहार लोकसेवा आयोग की जगह सीएम नीतीश कुमार को सामने खड़ा कर दिया। पिछले एक पखवारे से छात्र धरना, प्रदर्शन और अनशन कर रहे थे। छात्र लगातार यह कहते रहे हैं कि हमारी लड़ाई आयोग से है ना कि सरकार से।

ओएनजीसी पाइपलाइन फिर फटी, खेतों में फैला जहरीला तेल

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिले के हाहचरा क्षेत्र में ओएनजीसी की डिमुआल जीजीएस-1 से जुड़ी पाइपलाइन फटने से लाटुम और ढेकरी गांव के बीच स्थित कृषि भूमि में जहरीला तेल और गैस फैल गया है। पिछले महीने 25 नवंबर को दरिका नदी में ऐसी ही घटना हुई थी। ग्रामीणों ने इसे लेकर ओएनजीसी अधिकारियों को सूचित किया, लेकिन समय पर कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। घटनास्थल पर पहुंचकर ओएनजीसी के कर्मियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने निरीक्षण किया। पाइपलाइन पुरानी होने की वजह से बार-बार ऐसी घटनाएं हो रही हैं। स्थानीय लोगों ने इस घटना पर चिंता जताई है और इसे क्षेत्र के लिए संभावित खतरे के रूप में देखा जा रहा है।

व्यापारी ने दुकान के अंदर की खुदकुशी

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिला शहर के बीजी रोड इलाके में एक व्यापारी द्वारा आत्महत्या किये जाने का मामला आज सुबह प्रकाश में आया। घटना को लेकर इलाके में सनसनी फैल गई। व्यापारी रोहित गुप्ता नामक व्यक्ति ने दुकान के अंदर आत्महत्या कर ली। खुदकुशी वाले स्थान से रोहित द्वारा लिखा हुआ एक सुसाइड नोट बरामद किया गया है। हालांकि, सुसाइड नोट को पुलिस अपने कब्जे में ले लिया।

मानस नेशनल पार्क में उमड़ी पर्यटकों की भीड़

बाक्सा (हिंस)। साल के आखिरी रविवार को वर्ल्ड हेरिटेज साइट मानस नेशनल पार्क में देसी-विदेशी पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ी। आज वर्ष के अंतिम रविवार को राजधानी गुवाहाटी समेत राज्य के सभी प्रमुख प्रर्यटन स्थलों पर सुबह से ही लोग बड़ी संख्या में पिकनिक मनाने के लिए अपने परिवार के साथ पहुंच गए। यहां लोग प्राकृतिक वातावरण में भोजन बनाने के साथ ही संगीत की धुनों पर थिरकते नजर आए। मानस राष्ट्रीय उद्यान में भी बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे। पर्यटकों ने जीप सफारी के माध्यम से मनाह की प्राकृतिक सुंदरता के बीच बाघ, हाथी, जंगली भैंस, जंगली गाय आदि तमाम जानवरों की मुक्त आवाजाही को देखकर मनोरंजन किया। मानस राष्ट्रीय उद्यान के किनारे स्थित होटल और रिसॉर्ट भी पर्यटकों से भर गए हैं। मानस में पर्यटकों के पहुंचने से स्थानीय दुकानदार से लेकर पर्यटक गतिविधियों से जुड़े लोग बेहद प्रसन्न नजर आए। पर्यटन व्यवसाय से जुड़े गोबिंद कलिता ने कहा कि इस बार पर्यटन के लिहाज से स्थिति बेहद बेहतर है। वन विभाग ने भी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए काफी प्रबंध किए हैं। उम्मीद है कि इस बार सभी की अच्छी कमाई होगी। कुछ इसी तरह की स्थिति राष्ट्रीय उद्यान काजीरंगा, पोबितरा अभयारण्य समेत अन्य उद्यान एवं अभयारण्यों में देखी जा रही है। उल्लेखनीय है कि राज्य में लोग अंग्रेजी नववर्ष के आगमन के साथ ही सैर करने के लिए आकर्षक पर्यटक स्थानों पर जाना पसंद करते हैं। साथ ही वर्ष के अंतिम दिनों में खासकर अवकाश वाले दिन पिकनिक पर जाने को लेकर बेहद उत्साहित रहते हैं।

आवागमन प्रणाली के विकास से प्रगति की ओर अग्रसर असम : सीएम

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री ने रविवार को एक्स पर लिखा कि यातायात व्यवस्था को उन्नत करना राज्य की प्रगति के प्रति उनकी सरकार की अटूट प्रतिबद्धता है। उन्होंने बताया कि असम माला 2.0 योजना के तहत 996 किलोमीटर की नई सड़कों को मंजूरी दी गई है। इनमें से कई सड़कें, जैसे शिंगमारी-शुवालकुची और गोभाली-भकतगांव सड़कें, इसी बीच पूरी होकर जनता के लिए चालू कर दी गई हैं।

पृष्ठ एक का शेष

दक्षिण कोरिया में ...

बयान में उन्होंने कहा कि सभी संबंधित एजेंसियों को कर्मियों को बचाने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों को जुटाना चाहिए। इस हादसे के बाद जेजू एयर ने माफी मांगी है। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि हम जेजू एयर में इस दुर्घटना के जवाब में अपनी पूरी ताकत से काम करेंगे। हम चिंता पैदा करने के लिए ईमानदारी से माफी मांगते हैं। जानकारी दें कि यह जेजू एयर के इतिहास में पहली घातक दुर्घटना है। इस एयरलाइन को साल 2005 में स्थापित किया गया था। अग्निशमन विभाग ने दुर्घटना के संबंध में एक बयान जारी किया जिसमें सैकड़ों लोगों की जान चली गई। विभाग ने कहा कि विमान लगभग पूरी तरह से नष्ट हो गया है और मृतकों की पहचान करना मुश्किल साबित हो रहा है। इस प्रक्रिया में समय लग रहा है क्योंकि हम अवशेषों का पता लगा रहे हैं और उन्हें ढूंढ रहे हैं। इस हादसे की जानकारी होने के बाद मुआन एयरपोर्ट पर पीड़ितों के परिजन जुटने लगे। सभी की आंखों में आंसू और एक उम्मीद थी। हालांकि, धीरे-धीरे ये उम्मीद टूटती गई और परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूटा। यात्रियों के परिजनों ने भारी मन से अधिकारियों से पूछा कि क्या इस हादसे में बचने की कोई संभावना नहीं, इसपर अधिकारियों के चेहरे झुक गए। गौरतलब है कि बुधवार को ही कजाखस्तान में अजरबैजान एयरलाइंस का एक यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में 29 लोगों को बचा लिया गया था। विमान में 62 यात्रियों के साथ 5 क्रू मेंबर सवार थे। यह हादसा कजाकिस्तान के अक्टौ शहर के पास हुआ था। इस विमान ने अजरबैजान से रूस के लिए उड़ान भरी थी।

बीटीआर कम्यूनीटि विजन...

लिए लोकतांत्रिक और गैर-लोकतांत्रिक दोनों आंदोलनों को संगठित करने के लिए प्रेरित किया है। विडम्बना यह है कि ऐसी परिस्थितियों में बी.एस.सी. टी.एस. आर. समुदायों की वास्तविक चिंताओं को समझने में राजनीतिक नेताओं और सरकारों की बार-बार विफलता। पिछले कुछ वर्षों में, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय नीतियां लोगों के संकटों और आकांक्षाओं को संबोधित करने में विफल रही हैं। अक्सर समावेशन और संवेदनशीलता की कमी के कारण, इन नीतियों ने सरकार और उन समुदायों के बीच विभाजन को गहरा कर दिया है जिनकी वह सेवा करना चाहती है।

आगे बढ़ने के रास्ते पर समावेशी नीतियां और सहानुभूतिपूर्ण शासन बीटीआर के लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों के लिए नीति निर्माताओं से सक्रिय और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण की आवश्यकता है। क्षेत्र के लोगों का विश्वास बढ़ाने और स्थायी शांति स्थापित करने के लिए आवश्यक पहलू उनकी शिकायतों और आकांक्षाओं को स्वीकार करना है। इस संबंध में प्रमुख कदमों में सहभागी शासन, न्यायसंगत विकास, संघर्ष समाधान तंत्र, शिक्षा और जागरूकता शामिल हैं।

सांस्कृतिक और सामाजिक विविधता से समृद्ध, भारत एक ऐसा राष्ट्र है जो अपने समुदाय की ताकत और एकता से समृद्धि, शक्ति प्राप्त करता है। समुदायों को प्रोत्साहित करना और मजबूत करना न केवल इस विविधता को संरक्षित करने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि देश के भीतर प्रगति और सद्भाव के निर्माण के लिए भी आवश्यक है। समुदाय भारत की पहचान का आधार बनता है। पारंपरिक प्रथाओं से लेकर आधुनिक सहयोग तक, समुदाय अपने सदस्यों के साझा इतिहास, मूल्यों और आकांक्षाओं को स्पष्ट करते हैं। उनकी सामूहिक भावना भारतीय समाज की जीवंतता और गतिशीलता में योगदान करती है। यह उन्हें देश की प्रगति के लिए आवश्यक बनाता है।

यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि पाषाण युग से लेकर आधुनिक काल तक, लोगों ने खुद को समुदायों के रूप में मजबूती से संगठित किया है। यह समुदायों के बीच रक्त-आधारित और रिश्तेदारी-आधारित संबंधों की स्थापना, प्रवास का समय और स्थान, विभिन्न संस्कृतियों, भाषाओं, रीति-रिवाजों, धर्मों और विश्वदृष्टिकोण के विकास जैसे कारकों की गहन बातचीत से एकजुट था। फिर उन्होंने व्यक्तिगत और सामाजिक कल्याण बनाए रखा; अपने सदस्यों के बीच सहयोग और सुरक्षा प्रदान की। समाज बनाने के लिए एक साथ आने (समूह अस्तित्व) का सिद्धांत अविभाज्य नियम था। इस प्रकार कोई भी समुदाय अपनी भाषा, संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं का सर्वोत्तम प्रचार और प्रसार करता है। पूर्व-आधुनिक संदर्भ में *सामुदायिक* प्रबंधन के विपरीत, आधुनिक समाज आम तौर पर व्यक्तिगत स्वतंत्रता, स्वतंत्रता और गरिमा को बढ़ावा देता है। इन्हें मानवाधिकार कानून के ढांचे के भीतर तैयार किया गया है और ये बड़े पैमाने पर आधुनिक राष्ट्र-राज्य शासन का गठन करते हैं। व्यक्तिगत अधिकारों और कल्याण को प्राथमिकता दी जाती है।

हालांकि समुदाय को *अपना* मानना सभी का उद्यमशील रक्षक और प्रवर्तक है, लेकिन इसे इसकी निर्धारित सीमाओं से बाहर मानना लोगों के लिए मौलिक रूप से प्रतिकूल हो सकता है। इसके कारण हमारे मानव इतिहास में बार-बार विभाजन, संघर्ष, युद्ध और हत्याएं हुई हैं। क्या सह-अस्तित्व हो सकता है? क्या सुलह स्थापित की जा सकती है? ये मूलभूत प्रश्न हैं जिन पर आज पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। हमें *समुदाय* द्वारा प्रस्तावित सामान्य भलाई पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, यह स्पष्ट है कि समुदाय सामाजिक भेदभाव का विरोध कर सकता है और सम्मान के साथ जीने को प्रोत्साहित कर सकता है। समुदाय ने संस्कृति, भाषा, विश्वदृष्टि और ज्ञान के एकमात्र सच्चे संरक्षक के रूप में कार्य किया है। समुदाय संस्थानों, एजेंसियों और संगठनों के गठन के लिए आवश्यक तंत्र प्रदान करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन्हें संरक्षित, कायम और बढ़ावा दिया जा सके।

समुदाय केवल सांस्कृतिक संस्थाएं नहीं हैं; वे सामाजिक और आर्थिक विकास के इंजन हैं। शिक्षा, संसाधनों और अवसरों के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाने से राष्ट्रीय प्रगति में योगदान देने की उनकी क्षमता बढ़ती है। एक मजबूत समुदाय सामाजिक एकता बढ़ाता है, असमानता कम करता है और एक ऐसा वातावरण बनाता है जिसमें प्रत्येक नागरिक अपने पूर्ण अधिकार प्राप्त कर सकता है।

भारत की विशेषता इसकी अविश्वसनीय विविधता, विभिन्न भाषाएं, धर्म, परंपराएं और जीवन शैली हैं, यानी हर जगह मतभेदों के बीच एकता। समुदायों को प्रोत्साहित करके, हम इस बहुलवादी संरचना को संरक्षित करते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि हर संस्कृति, आस्था और पहचान का विकास जारी रहे। यह सांस्कृतिक संरक्षण राष्ट्र की विरासत को समृद्ध करता है और इसकी वैश्विक पहचान को मजबूत करता है।

भारतीय संविधान विभिन्न समुदायों के अभिन्न सदस्यों के रूप में नागरिकों और मतदाताओं के महत्व को स्वीकार करता है। यह विभिन्न समूहों के बीच सद्भाव को बढ़ावा देता है और समानता, स्वतंत्रता और प्रतिनिधित्व के उनके अधिकार को सुनिश्चित करता है। समुदाय प्राथमिक वाहन हैं जिसके माध्यम से लोकतांत्रिक सिद्धांतों को गति दी जाती है, जिससे शासन की अधिक समावेशी और भागीदारी प्रणाली का निर्माण होता है। समुदाय व्यक्ति का नैतिक और दार्शनिक आधार बनता है। वे ऐसे मानक प्रदान करते हैं जो व्यक्तिगत व्यवहार और सामूहिक जीवन का मार्गदर्शन करते हैं। ये साझा मूल्य एकता, सहयोग और लचीलेपन को बढ़ाते हैं, समुदाय के भीतर एकजुटता और पारस्परिक सम्मान की भावना जागृत करते हैं।

समुदायों को प्रोत्साहित और सशक्त बनाना भारत के लिए एक नैतिक जिम्मेदारी के साथ-साथ एक रणनीतिक नीतिगत आवश्यकता भी है। राज्य की रीढ़ के रूप में, समुदाय विविधता, समानता और एकता के सिद्धांतों का समर्थन करता है। उनके विकास और ऊर्जा में निवेश करके, हम न केवल अपने देश की समृद्ध परंपराओं का सम्मान करते हैं, बल्कि एक समृद्ध और सामंजस्यपूर्ण भविष्य की मजबूत नींव भी रखते हैं। भारत अपने समुदायों के बिना आगे नहीं बढ़ सकता है, और उनका सशक्तिकरण एक लचीला और एकजुट राज्य प्राप्त करने की कुंजी है।

यह बी। टी.एस. आर.एस. सामुदायिक विजन दस्तावेज समावेश के सिद्धांत और बोड़ोलैंड में रहने वाले सभी समुदायों की साझा आकांक्षाओं द्वारा निर्देशित है, जहां 23 (तीस) विभिन्न समुदाय बहुसंख्यक बोड़ो आदिवासी आबादी के साथ शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व में हैं। कई दशकों से अनेक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, ये समुदाय क्षेत्र के जीवंत बहुसांस्कृतिक ताने-बाने में गहराई से एकीकृत हैं।

पहली बार, उनकी सामूहिक आकांक्षाओं और विकास को संबोधित करने के लिए एक उचित रोड मैप की परिकल्पना की गई है। हाल के महीनों में, बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) सरकार ने व्यापक परामर्श किया है। सामुदायिक संगठनों से प्रतिनिधित्व प्राप्त किया है और उनकी आवश्यकताओं और अपेक्षाओं के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया है। बीटीआरएस. सामुदायिक विजन दस्तावेज एक व्यावहारिक और दूरदर्शी ढांचे के भीतर इन आकांक्षाओं को दर्शाता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि क्षेत्र एकता और विविधता की भावना को बनाए रखते हुए शांति, प्रगति और समग्र विकास की ओर बढ़े।

हालांकि यह दस्तावेज कार्य योजना के साथ आकांक्षाओं को संतुलित करने के लिए तैयार किया गया है, 30 दिसंबर को गुवाहाटी में असम के महामहिम राज्यपाल द्वारा लॉन्च किए जाने के बाद आप इसे और अधिक गतिशील बनाने और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए हमें अपने सुझाव दे सकते हैं। हम आपके सुझावों का स्वागत करेंगे. अंत में, मैं सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं देता हूं।

2025 के पंचायत ...

ईपीआईसी नंबर के माध्यम से अपना नामांकन सत्यापित कर सकते हैं या आयोग की वेबसाइट के नागरिक कॉर्नर अनुभाग के माध्यम से अपने मतदान केंद्र के लिए मतदाता सूची डाउनलोड कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि नए मतदाताओं को अभी भी मतदाता सूची में जोड़ा जा सकता है, बशर्ते वे 1 जनवरी, 2025 तक पात्रता मानदंडों को पूरा करते हों। मतदाता सूचियों को अंतिम रूप दिया जाना पंचायत चुनावों के सुचारू संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो असम में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करेगा। इससे पहले शनिवार को पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री रंजीत कुमार दास ने धुबरी के अपने दौरे के दौरान आशा व्यक्त की थी कि चुनाव 10 फरवरी तक शुरू हो सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि सरकार 3 जनवरी को गुवाहाटी उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर करने की योजना बना रही है, जिसमें चुनाव कराने की अनुमति मांगी जाएगी, जो पंचायत चुनावों के संबंध में लंबित जनहित याचिका (पीआईएल) पर निर्णय के कारण अस्थायी रूप से रुका हुआ है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार, मामला लंबित रहने तक चुनाव नहीं हो सकते।

असम साहित्य सभा ...

चुनाव लड़ रहे अजीत प्रसाद शर्मा को भी जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ा और हाथापाई के दौरान उन पर शारीरिक हमला किया गया। इस हिंसक घटना का असर असम साहित्य सभा के चुनाव नतीजों पर भी पड़ रहा है, जिनकी घोषणा आज शाम को होने की उम्मीद है। सभा ने अभी तक इस घटना के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। असम साहित्य सभा के चुनाव पूरे राज्य में व्यापक रूप से देखे जा रहे हैं, जिसमें उम्मीदवार असमिया भाषा और साहित्य का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए होड़ में हैं। इस नवीनतम घटनाक्रम ने प्रतिष्ठित संस्था के भीतर आंतरिक कलह को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। चुनाव के परिणाम घोषित होने तथा सभा नेतृत्व द्वारा घटना पर टिप्पणी किए जाने के बाद अधिक विवरण की प्रतीक्षा की जा रही है।

भाजपा को जनवरी ...

जेपी नड्डा, राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, सभी महासचिव, सभी प्रदेश अध्यक्ष और सभी प्रदेश महासचिवों के साथ-साथ संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया के प्रमुख और सह प्रमुख शामिल हुए। बैठक के बाद कुंजांग ने बताया कि बैठक में संगठन की चुनाव प्रक्रिया के सभी पहलुओं पर चर्चा हुई। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर और झारखंड को 15 जनवरी तक नए अध्यक्ष मिल सकते हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल 2023 में खत्म हो चुका है। हालांकि लोकसभा और कई राज्यों के विधानसभा चुनाव को देखते हुए उनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया था। नड्डा जनवरी 2020 में पार्टी के अध्यक्ष बनाए गए थे। भाजपा के संविधान के अनुसार, कोई व्यक्ति अधिकतम दो कार्यकाल तक लगातार अध्यक्ष रह सकता है। साथ ही नड्डा केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी शामिल किए गए हैं, ऐसे में उनका फिर से अध्यक्ष बनने की उम्मीद खत्म हो गई है। कुंजांग ने बताया कि पार्टी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को पूरे एक साल तक मनाने का फैसला किया है। इस साल उन्होंने 100 साल पूरे किए हैं। इस खास मौके को यादगार बनाने के लिए भाजपा उनकी जयंती को पूरे एक साल तक सुशासन पर्व के तौर पर मनाएगी। उन्होंने कहा कि यह भी फैसला लिया गया कि पार्टी कांग्रेस के बीआर आंबेडकर के अपमान के आरोप के जवाब में संविधान पर्व भी मनाएगी।

संभल में मिली ...

धीरेंद्र प्रताप सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। यहां सुरंग तो दिखाई दी, लेकिन बुलडोजर की व्यवस्था न होने के कारण इसकी खोदाई शुरू नहीं कराई जा सकी। बुजुर्ग ग्रामीणों का कहना था कि तीस चालीस साल पहले तक तो लोग सुरंग में एक से डेढ़ किमी तक चले जाते थे, लेकिन आगे जाने की हिम्मत नहीं होती थी। यह भी आशंका जताई कि सुरंग में विषैले सांप व अन्य जीव जंतु भी हो सकते हैं। ग्रामीणों ने यह भी दावा किया है कि यह सुरंग संभल के हरिहर मंदिर तक जाती है। हालांकि अभी तक इस बात को कोई लिखित प्रमाण नहीं मिला है। तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि रववार को उन्होंने मझावली से पवांसा की ओर जाने वाले मार्ग से कुछ अंदर जाकर ग्राम खेतापुर के पास सुरंग का निरीक्षण किया। गांव के कई लोगों से इसके बारे में जानकारी ली। लोगों का कहना था कि यह सुरंग संभल में हरिहर मंदिर तक जाती थी। उन्होंने कहा कि आज बुलडोजर की व्यवस्था न हो पाने के कारण सुरंग की खोदाई शुरू नहीं हो सकी। जल्द ही इसकी खोदाई शुरू करा दी जाएगी।

नए साल पर ...

को कम करने पर भी सरकार से विचार करने की मांग की गई है। सीआईआई ने कहा कि इससे खपत, उच्च विकास और उच्च कर राजस्व के चक्र को गति देने में मदद मिलेगी। सुझावों में यह भी कहा गया कि व्यक्तियों के लिए उच्चतम सीमांत दर 42.74 प्रतिशत और सामान्य कारपोरेट कर दर 25.17 प्रतिशत के बीच का अंतर अधिक है। ऐसे में मुद्रास्फीति ने निम्न और मध्यम आय वालों की क्रय शक्ति को कम कर दिया है।

भारत का रक्षा निर्यात...

निर्यात में 21 गुना की वृद्धि हुई है। 2004-05 से 2013-14 के दौरान कुल रक्षा निर्यात 4,312 करोड़ रुपए था, जो 2014-15 से 2023-24 की अवधि में बढ़कर 88,319 करोड़ रुपए हो गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 21,083 करोड़ रुपए (लगभग 2.63 बिलियन अमेरिकी डॉलर) पर पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 32.5 फीसदी अधिक है। रक्षा मंत्री ने विश्वास जताया है कि 2029 तक 50 हजार करोड़ रुपए के रक्षा उपकरण निर्यात करने का लक्ष्य पूरा हो जाएगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि निजी क्षेत्र और डीपीएसयू सहित हमारे रक्षा उद्योगों ने हाल के वर्षों में सराहनीय प्रदर्शन किया है। रक्षा मंत्रालय ने भारत के रक्षा विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं। उन्होंने रक्षा निर्यात में नया मील का पत्थर पार करने पर सभी हितधारकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतिगत पहलों और रक्षा उद्योग के सहयोग से भारत ने वित्त वर्ष 2022-23 में रक्षा निर्यात में अहम उपलब्धि हासिल की थी। पिछले वित्त वर्ष में भारत का रक्षा निर्यात लगभग 16 हजार करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था, जो वित्त वर्ष 2021-22 की तुलना में लगभग 3,000 करोड़ रुपए ज्यादा है। भारत का रक्षा निर्यात 2016-17 के बाद से 10 गुना से ज्यादा बड़ा है। भारत फिलहाल 85 से ज्यादा देशों को हथियार प्रणालियों का निर्यात कर रहा है। अब पिछले साल के मुकाबले रक्षा निर्यात ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 32.5 फीसदी की छलांग लगाई है। इस वर्ष रक्षा निर्यात 21,083 करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय उद्योग ने वर्तमान में रक्षा उत्पादों का निर्यात करने वाली 100 कंपनियों के साथ डिजाइन और विकास की अपनी क्षमता दुनिया को दिखाई है। पिछले पांच साल के दौरान इस क्षेत्र में हुए सुधारों के अच्छे नतीजे मिल रहे हैं।

पीओके में मीटिंग...

जो पीओके में आते हैं और यहां पर भी कई आतंकियों के लॉन्च पैड हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 150-200 आतंकी पाकिस्तान ऑक्यूपाइड कश्मीर में लांच पैड पर मौजूद हैं। सूत्र यह भी बताते हैं कि 17 ट्रेनिंग कैंप और 37 लॉन्च पैड्स को एक्टिव किया गया है। ऐसे मे सेना के जवान लगातार बर्फबारी में भी पेट्रोलिंग कर रहे हैं ताकि आतंकियों की साजिश किसी भी हालत में कामयाब ना हो सके। इस साल सुरक्षा बलों ने अब तक 61 आतंकियों को ढेर किया है। 21 आतंकी पाकिस्तानी बताए जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में इस वक्त 119 आतंकी सक्रिय हैं। इस साल जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ सुरक्षा बलों की ओर से बड़े स्तर पर ऑपरेशन चलाया गया और कई को ढेर भी किया गया। भारतीय सेना के जवान तीसरी आंख की मदद से पूरे लाइन ऑफ कंट्रोल पर नजर रखते हैं। जब फॉरवर्ड इलाके में भारतीय सेना के जवान ऑपरेशन में निकलते हैं तो ड्रोन भी उनका साथी बनकर उनके साथ चलते हैं। ड्रोन के जरिए पूरे इलाके पर निगरानी रखी जाती है, यह देखा जाता है कहीं कोई आतंकी लाइन ऑफ कंट्रोल के इलाके में घुसपैठ तो नहीं कर आया। कहीं कोई आतंकी इस इलाके में छुपा तो नहीं है। जैसे ही इस ड्रोन के जरिए इलाके में क्लीयरेंस मिलती है तो उसके बाद सेना के जवान आगे की तरफ बढ़ते हैं और जवाबी कार्रवाई करते हैं। लाइन ऑफ कंट्रोल हो या फिर हिंटरलैंड सेना लगातार हाईटेक हथियार और उपकरण का इस्तेमाल कर रही है। भारतीय सेना के भिड़े में हाल ही में ही कई हथियार और उपकरण शामिल हुए हैं। खास बात यह है कि कई ऐसे उपकरण और हथियार हैं जो मेड इन इंडिया है। जिन हथियारों को हाल ही में सेना में शामिल किया गया है कि उसमें एएमआर यानी एंटी मटेरियल राइफल भी है। यह एक हाईटेक हथियार है। इसकी रेंज 1800 मीटर हैं। ये स्वीडन मेड हथियार हैं। यह दुश्मन के किसी भी एम्युनिशन डिपो को उड़ाने की क्षमता रखता है। इसके अलावा साके स्नाइपर राइफल भी है जिसकी क्षमता का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि वो 1200 मीटर की रेंज में अपने टारगेट को तबाह कर सकता है। यह हथियार मेड इन फिनलैंड हैं। यह मल्टी मोड हैंड ग्रेनेड हैं। इसकी खासियत हैं कि ये मल्टी रोल में फायर किया जा सकता हैं जो कि पहले नहीं होता था। हाल ही में इसे सेना में शामिल किया गया था और यह पूरी तरीके से मेड इन इंडिया है। दुश्मन पर नजर रखने के लिए भारतीय सेना की तरफ से कई अत्याधुनिक उपकरण का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। खास दो उपकरण है जिनका हाल ही में ही सेना ने इंडक्ट किया है जिसका नाम टाटा रजाक है। यह एक सर्विलांस है। यह तीन से चार किलोमीटर तक दुश्मन पर नजर रखता है। यह मेड इन इंडिया है और यह काफी लाइटवेट है। इस उपकरण का नाम है त्रिनेत्र ड्रोन है। इसकी खासियत है कि यह स्वदेशी ड्रोन है और खास तौर पर सेना रात के समय जब ऑपरेशन करती है तो उस वक्त इसका इस्तेमाल किया जाता है।

पॉस्को मामले के ...

पुलिस को सूचित किया। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि इस मामले के सिलसिले में नारजारी को लंबे समय तक जेल में रखा गया था। जिला जेल अधिकारियों ने बताया कि यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है कि आरोपी को यह धारदार हथियार कहां से मिला। अधिकारी जेल के अंदर सुरक्षा उपायों में किसी भी चूक की भी जांच कर रहे हैं। सूत्रों ने संकेत दिया कि नरजारी कथित तौर पर अपनी लम्बी कैद के कारण परेशान थे, हालांकि आत्महत्या के संभावित कारणों के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

कार्यालय में राष्ट्रीय ...

इसे गलत तरीके से फहराया गया, जो उच्च अधिकारियों के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद घोर लापरवाही को दर्शाता है। जब सिंचाई कार्यालय के अधिकारियों से पूछा गया, जिसमें कार्यकारी अभियंता ज्यू अली और प्रधान सहायक शंकर नाथ शामिल थे, तो उन्होंने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए कहा कि झंडा फहराना मेरा कर्तव्य नहीं था। उल्लेखनीय रूप से, सहायक कार्यकारी अभियंता औदुद मोल्लाह ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जिससे लोगों में आक्रोश और बढ़ गया।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**

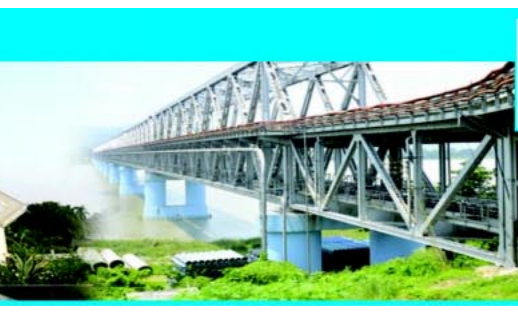

प्रख्यात साहित्यकार नवकांत बरुवा की पुण्यजयंती पर श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भबेश कलिता ने रविवार को प्रसिद्ध असमिया साहित्यकार और शिक्षाविद नवकांत बरुवा को उनकी पुण्यजयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि बरुवा जी का साहित्य में योगदान अतुलनीय है। पद्मभूषण और साहित्य अकादमी जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से विभूषित नवकांत बरुवा ने अपनी कविताओं और उपन्यासों के माध्यम से असमिया साहित्य को नई ऊंचाइयां दीं। वह असम साहित्य सभा के अध्यक्ष पद सहित साहित्य अकादमी, भारतीय प्रगतिशील लेखक संघ, आनंदराम बरुवा भाषा-कला-संस्कृति संस्था जैसे संगठनों से सक्रिय रूप से जुड़े रहे। बरुवा के साहित्यिक योगदान ने असमिया साहित्य को समृद्ध किया है। उनकी रचनाएं और उनके कार्य उन्हें सदा अमर बनाए रखेंगे।

मादक पदार्थ के साथ महिला समेत दो तस्कर गिरफ्तार

होजाई (हिंस)। होजाई जिलांतर्गत मोराझाड़ के चौधरी बाजार स्थित ओक्सेक बरबली से दो मादक पदार्थ के तस्करों गिरफ्तारों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि मोराझाड़ थाने की पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापा मारकर एक महिला और एक युवक को प्रतिबंधित मादक पदार्थों के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार महिला की पहचान शहीना बेगम और दूसरे की पहचान सलीम उद्दीन के रूप में हुई है। दोनों को बीती रात में पुलिस ने गिरफ्तार किया। वर्तमान में दोनों से मोराझाड़ पुलिस थाने में पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है।

पथ संचलन के साथ आरएसएस बिश्वनाथ जिले का शताब्दी चेतना शिविर संपन्न

बिश्वनाथ (हिंस/विभास)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), बिश्वनाथ जिले में आयोजित तीन दिवसीय शताब्दी चेतना शिविर का रविवार को कमलाकांत क्षेत्र में पथ संचलन के साथ समापन हो गया। जानकारी के अनुसार इस वर्ष भी आरएसएस, बिश्वनाथ जिला ने सौ वर्ष पूरा होने पर अपना शताब्दी चेतना शिविर लगाया। यह शिविर 27, 28 और 29 दिसंबर को बिश्वनाथ चाराली स्थित शंकरदेव शिशु- विद्या निकेतन में आयोजित किया गया। आज बिश्वनाथ जिले में आरएसएस की 100वीं वर्षगांठ बिश्वनाथ चाराली में कमलाकांत क्षेत्र में अंतिम दिन पथ संचलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पथ संचलन के पूर्व कमलाकांत क्षेत्र में स्वयंसेवकों ने ध्वजप्रणाम के साथ अमृत वाणी, गीत और बौद्धिक दिया। बौद्धिक के रूप में आमंत्रित उत्तर असम प्रांत सह प्रांत

प्रचारक दिलीप अर्जेल ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का सौ वर्ष में प्रवेश किया फिर भी हमारे बहुत सारे कार्य व आयाम का विस्तार गांवों तक पहुंचाना है। हमें भारत माता की सेवा के लिए प्रत्येक गांव में स्वयंसेवक सृष्टि करना है। इसके आलावा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का परिचय के साथ विविध आयाम पर प्रकाश डाले। प्रथम दिवस के उद्घाटन सत्र में बौद्धिक के रूप में आमंत्रित तेजपुर विभाग कार्यवाह सत्यव्रत बरुवा ने स्वयंसेवकों को संबोधन दिया। संबोधन में संघ के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के साथ भारतीय ज्ञान परंपरा तथा विरासत पर सारगर्भित व्याख्यान दिया गया। इस तीन दिवसीय शताब्दी चेतना शिविर में उत्तर असम प्रांत सह प्रांत प्रचारक दिलीप अर्जेल, जिला संघ संचालक गोपाल बोरा, जिला कार्यवाह अनिल बरुवा, जिला व्यवस्था प्रमुख छत्तर सिंह पवार, जिला सह बौद्धिक प्रमुख दीनकांत दास, जिला बौद्धिक प्रमुख दीपांकर देवनाथ, जिला शारीरिक प्रमुख रूद्र सुनारी, बिश्वनाथ नगर कार्यवाह अपूर्व कुमार दास, जिला के दस खंड के खंड कार्यवाह के साथ लगभग छह सौ स्वयंकसेवक मौजूद रहे।

महिलाओं को अपना राजनीतिक विवेक कुछ पैसों में नहीं बेचना चाहिए : गौरव गोगोई

शोणितपुर (हिंस)। हर महीने महिलाओं के खातों में कुछ पैसे जमा कर देने से सशक्तिकरण नहीं होता। महिलाओं को चाहिए कि वे कुछ पैसों के बदले अपना राजनीतिक विवेक न बेचें। यह बात आज तेजपुर में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कही। उन्होंने कहा कि महिलाओं को

राजनीतिक रूप से अधिक सशक्त और जागरूक होना चाहिए। आगामी विधानसभा चुनावों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए कांग्रेस पार्टी जागरूकता अभियान चलाएगी। इसके तहत राज्य के विभिन्न कॉलेजों में छात्राओं के बीच जागरूकता पैदा करने के प्रयास शुरू हो चुके हैं। गोगोई ने कहा कि परिसीमन के बाद पंचायत स्तर पर जनता को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वे तेजपुर जिला महिला समिति द्वारा आयोजित दिवंगत गांधीवादी नेता मीना अग्रवाल की जन्म शताब्दी के समापन समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

मेलामारा में 30 दिसंबर से शुरू होगा तीन दिवसीय प्लांट एवं फ्लावर फेस्टिवल

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिलांतर्गत खुमटाई के मेलामारा ग्रामीण पर्यटन मैदान पर तीन दिवसीय प्लांट एवं फ्लावर फेस्टिवल का तीसरा सीजन सोमवार से शुरू होने जा रहा है। यह फेस्टिवल 1 जनवरी तक चलेगा। राज्य के कृषि एवं आबकारी मंत्री अतुल बोरा ने स्थानीय विधायक मृणाल सैकिया की देखरेख में आयोजित होने वाले इस फेस्टिवल की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने यहां अधिकारियों व आयोजकों के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की। कृषि एवं आबकारी मंत्री अतुल बोरा प्लांट एवं फ्लावर फेस्टिवल स्थल

पर पहुंचकर बेहद प्रसन्न नजर आए। कृषि मंत्री ने तीन दिवसीय प्लांट एवं फ्लावर फेस्टिवल के लिए राज्य के लोगों को आमंत्रित भी किया। कृषि मंत्री ने फूलों के व्यापार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के कदमों के बारे में भी बताया। कृषि मंत्री बोरा ने इस मौके पर कहा कि असम के लोगों को नई सोच के साथ एक नया कार्यक्रम देने के लिए विधायक सैकिया की इस पहल से लोगों को एक नया अनुभव भी मिलेगा। प्लांट और फूलों की खेती के व्यवसाय में शामिल युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और स्थानीय लोगों के लाभ के लिए उठाए गए ऐसे अभिनव पहल के लिए विधायक मृणाल सैकिया का आभार व्यक्त करता हूं।

मलेरिया उन्मूलन प्रयासों से जोरहाट के चाय बगानों में दिखी एकजुटता : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व शर्मा ने रेडियो कार्यक्रम मन की बात में राज्य के चाय उद्योग क्षेत्रों के स्वास्थ्य में सुधार लाने की पहल का उल्लेख करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने रविवार को सोशलमीडिया पर एक पोस्ट कर कहा कि चाय उद्योग के आधारभूत स्तंभों के स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए तकनीकी और सोशल मीडिया का सही उपयोग किया गया है। जिसके परिणामस्वरूप जोरहाट के चाय बगानों में मलेरिया उन्मूलन के प्रयासों में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पहल को *मन की बात* कार्यक्रम में मान्यता दी, जिसके लिए हम उनके आभारी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के इस वक्तव्य से भारतीय संस्कृति की रोशनी अब पूरे विश्व में फैल रही है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को रविवार सुबह 11 बजे से सुनने के लिए मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया था। मुख्यमंत्री तथा राज्य के मंत्रिमंडल के सदस्य एवं भाजपा के नेताओं ने प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुना।

रंगिया में भारतीय शिक्षण मंडल के संस्करण का समापन दिवस

तन मन धन से राष्ट्र की सेवा : राज्यपाल आचार्य

रंगिया (निसं)। बालक के भविष्य का सपना देखने के लिए आवश्यक है कि उच्च-निम्न जाति की भावना से बचकर तन मन धन से राष्ट्र की सेवा की जाए। राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य ने यह बात रंगिया स्थित भारतीय शिक्षण मंडल के 17वें संस्करण के समापन दिवस पर कही। राज्यपाल ने तीन दिवसीय राज्य अभ्यास कक्षा के समापन पर हरदत्त बीरदत्त भवन में प्रातः 11 बजे पहुंचकर भाषा गौरव सप्ताह में मातृभाषा की प्रासंगिकता पर बहुमूल्य भाषण दिया। इसके अलावा, भारत में, पुरुषों और महिलाओं के विपरीत, सभी को भाइयों और बहनों के रूप में संबोधित किया जाता है, और हर कोई शिक्षण मंडल से आचार्य आचार्या के संबोधन से खुश है। पाश्चात्य संस्कृति, भारतीय परम्पराओं, आंदोलनों और संस्कृति के विपरीत आत्मनिर्भर भारत-विकसित भारत के सपने को आकार देकर भारत को विश्व गुरु की गद्दी पर स्थापित करने के लिए पोषकता किया जाता है। शिक्षा में हमें बच्चों की शिक्षा, प्रकृति सेवा आदि सभी शिक्षाओं का ज्ञान देना होगा। घर के कामों के अलावा हमें समाज के काम भी करने पड़ते हैं, यूनिवर्सिटी एजुकेशन ही नहीं, आत्मज्ञान, रिफॉर्मेशन आदि भी करना का भी अपने वक्तव्य में कहा। मालुम हो कि प्रभात चौधरी के स्वागत भाषण में डॉ. निलमोहन रॉय की अध्यक्षता में भारतीय शिक्षण मंडल के 17 वें अभ्यास वर्ग के समापन समारोह में सचिव का प्रतिवेदन सचिव दीपक कुमार शर्मा ने किया। वही संचालन पूलकेश मजुमदार ने किया।

दरंग के खारुपेटिया में सब्जियों के दाम गिरने से किसान परेशान

किसान अपनी उपज 2 रुपए में भी नहीं बेच पा रहे

दरंग (हिंस)। जिले के खारुपेटिया में ताजी सब्जियों के दाम अचानक गिरने से किसान परेशान हैं। किसान सब्जियों को खेत से बाजार तक लाने का किराया तक नहीं मिलने की बात कह रहे हैं। कई किसान अपनी सब्जियों को फेंकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। खारुपेटिया के किसान अपनी ताजी सब्जियों को बेचने के बालूगांव थोक बाजार में लाते हैं, लेकिन बाजार में खरीदार न होने से उन्हें बहुत कम दामों में सब्जियां बेचनी पड़ रही है। एक किसान ने बताया कि बाजार में फूलगोभी की फसल मूल्यहीन हो गई है। क्षेत्र के सैकड़ों किसान अपनी सब्जियां बाजार में लेकर आए हैं, लेकिन वे अपनी सब्जियां बाजार में नहीं बेच पाने के कारण हताश नजर आ रहे हैं। जिस समय असम के विभिन्न बाजारों में जहां फूलगोभी, पत्तागोभी आदि सब्जियां 30 से 40 रुपए प्रति किलोग्राम की दर पर

बिक रही हैं, वहीं खारुपेटिया के बालूगांव थोक सब्जी बाजार में किसान 2 रुपए और 3 रुपए प्रति किलोग्राम मिलने वाले ग्राहकों का इंतजार कर रहे हैं। किसान का कहना है कि खेत से सब्जियां बाजार लाने तक काकिराया भी निकलना मुश्किल हो रहा है। उन्हें अपनी मेहनत से कमाई गई सब्जियों को बाजार में फेंकना पड़ रहा है।

घूंघुर बाइपास पर 15 करोड़ की मादक पदार्थ बरामद

कछार (हिंस)। विश्वसनीय सूचना के आधार पर कछार पुलिस ने घूंघुर बाइपास पर विशेष अभियान चलाकर पड़ोसी राज्य से आ रहे एक वाहन को रोका। तलाशी के दौरान वाहन से 50 हजार याबा टैबलेट्स बरामद हुईं, जो 5 पैकेट्स में छिपाई गई थीं। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है और वाहन को जब्त कर लिया है। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत शर्मा ने रविवार को एक्स पर ट्वीट कर असम पुलिस की सराहना की। बरामद याबा टैबलेट्स की कीमत 15 करोड़ रुपए बताया गया है। उल्लेखनीय है कि पूरे राज्य में सरकार नशा विरोध विशेष अभियान चला रही है। प्रतिदिन राज्य के अलग-अलग हिस्सों में विभिन्न प्रकार के मादक पदार्थ बरामद करने के साथ ही तस्करों की गिरफ्तारी हो रही है।

धर्मेंद्र नाथ गुमशुदगी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

शोणितपुर (हिंस)। धर्मेंद्र नाथ की गुमशुदगी के मामले में रंगिया पुलिस ने मुख्य आरोपी हिमांशु काकती और अमूल्य लहकर को ढेकियाजुली से रविवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपितों ने अब तक कोई बयान नहीं दिया है। असम पुलिस के कानून-व्यवस्था उपमहानिरीक्षक पीके भुइयां ने कहा कि मामले की जांच तेजी से की जा रही है और अन्य आठ संदिग्धों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। सोमवार को पुलिस और एसडीआरएफ की टीम घटना स्थल पर दोबारा तलाशी अभियान चलाएगी। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि इस केस को निष्पक्षता और सख्ती से सुलझाया जाएगा।

नव्या लेडीज क्लब ने हिंदी कार्यशाला आयोजित की

गुवाहाटी (विभास)। नव्या लेडीज क्लब द्वारा बच्चों को हिंदी की कार्यशाला करवाई गई। पूर्वोत्तर में अनेक संस्थाओं, क्लब आदि ने समाज के लिए विभिन्न कार्यक्रम किए, लेकिन नव्या लेडीज क्लब ने इस अदभुत कार्यशाला के लिए जो कदम उठाया, वो बहुत ही सराहनीय रहा। इस प्रकल्प की संयोजिका कविता शर्मा रही। अध्यक्षा कुसुम जैन ने कहा कि आज के समय में हम देख रहे हैं कि बच्चे अपनी मातृभाषा हिंदी से दूर होते जा रहे हैं। उनको लिखने और बोलने, दोनों में ही समस्या आ रही है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए इस *हिंदी कार्यशाला* को आयोजित किया गया है। इस कार्यशाला को हिंदी विषय की जानी-मानी शिक्षिका मंजुलता शर्मा जो कि विप्र समाज की अग्रणी संस्था विप्र फाउंडेशन की असम जोन 8 की प्रदेशाध्यक्ष भी है, के द्वारा बहुत सरलता तथा बारीकी से वर्णों, शब्दों, छोटी-बड़ी मात्राओं, अनुस्वार-अनुनासिक समोच्चरित शब्दों, सकर्मक-अकर्मक क्रियाओं की आधारभूत जानकारी का बोध करवाया गया। इस अवसर पर अध्यक्षा कुसुम जैन, सचिव ज्योति भूत, कोषाध्यक्ष पूजा अग्रवाल, उपाध्यक्ष कविता शर्मा, अंजना पटवारी, मीनाक्षी शर्मा, अनीता गुप्ता राजू सुराणा, निभा सराफ, संगीता बाजोरिया, पूनम बाजोरिया, नीतू गोयनका, ऋतु सुल्तानिया, रूपाली हिम्मतसिंहका, कंचन, अग्रवाल, हेमलता शर्मा, श्रेया मस्कारा, नीमा अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, मनीषा मोदी सदस्याएं मौजूद रहीं।

भारी मात्रा में अवैध भूटानी बियर जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, रानीगुली के सीमा चौकी दादगिरी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सीमा चौकी दादगिरी व सोनापुर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय भारत भूटान पिलर संख्या-169/1 के पास ज्वाइंट मोबाईल चेकिंग पोस्ट लगाया गया। एसएसबी नफरी को देख कर भूटान से भारत आ रहे एक महिन्द्रा बोलेरो के चालक ने ज्वाइंट मोबाईल चेकिंग पोस्ट पर लगे एसएसबी की वाहन को टक्कर मारा और वाहन चालक फरार हो गया। इसके बाद वाहन की तलाशी ली गई। उसमें अवैध रूप से भारी मात्रा में भूटानी स्ट्राँग बियर ड्रक 11000 (650 एमएल) कुल मात्रा 215 बोतल मिले। एसएसबी की टीम के द्वारा वाहन सहित बियर बोतलों को भी जब्त किया गया। जब्त किए गए अवैध भूटानी बियर व महिन्द्रा बोलेरो को पुलिस आउट पोस्ट हातीसार, दादगिरी को अग्रिम कार्रवाई हेतू सौंप दिया गया। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लगातार भारत-भूटान सीमा पर गस्ती एवं चौकसी के कारण तस्करों की गलत गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफल हुई है।

पबितरा के हाडुक बील में गुवाहाटी निवासी डूबा

दरंग (हिंस)। पबितरा के पिकनिक स्थल पर आज एक हादसा हुआ, जहां हाडुक बील में गुवाहाटी का एक व्यक्ति डूब गया। व्यक्ति की पहचान हितेश दास (46) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, हितेश दास गुवाहाटी के काहिलीपारा इलाके का निवासी है। यह घटना तब हुई, जब वह बील के किनारे दोस्तों के साथ पिकनिक मना रहा था। स्थानीय लोगों ने उसे मरणासन्न अवस्था में बील से बाहर निकाला और तुरंत अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल उसकी हालत गंभीर बतायी गई है। सूत्रों के मुताबिक, उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

होजाई में श्याम समागम का आयोजन 1 जनवरी को

होजाई (निसं)। नए वर्ष का शुभआरंभ श्री श्याम समागम व भजन के साथ 1 जनवरी 2025 (बुधबार) स्थानीय श्री जुगल किशोर केडिया भवन में सांवरिया भक्त मंडल के बैनरतले व मोर परिवार के सहयोग से होने जा रहा है, जिसकी तैयारियों प्रारंभ हो चुकी है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए प्रमोद मोर ने बताया की नए साल का प्रारंभ इस वर्ष श्याम समागम व भजन के साथ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सांय 5 बजे से शिवसागर के पवन अगरवाल के नेतृत्व में श्याम समागम के सदस्यों द्वारा श्याम समागम व भाजनों के माध्यम से बाबा श्याम की पूजा-अर्चन की जाएगी। इस अवसर पर बाबा श्याम का दरबार फूलों से सजाया जाएगा। वहीं बाबा की ज्योत प्रज्जवलित कर श्याम भक्त बारी-बारी से ज्योत की पूजा अर्चना करेंगे। मोर ने यह भी जानकारी दी की श्याम समागम के बाद आरती का आयोजन होगा। वहीं आरती के बाद प्रसाद स्वरूप श्याम रसोई का आयोजन रखा गया है। उक्त कार्यक्रम में नगांव, रोहा, कामपुर, कोठियातुली, डबका, लंका, लमडिंग आदि स्थानों से श्याम भक्त समागम में उपस्थित होकर भजनों का आनंद लेंगे। उन्होंने सभी धर्मप्रेमीजनों से अनुरोध किया है कि नए वर्ष का शुभारंभ भक्तिमय माहोल में हो और सबों के जीवन में खुसियों आए इसी उद्देश्य के साथ आइए हम सब मिलकर श्याम समागम में उपस्थित रहकर पूण्य के भागी बने।

मारवाड़ी युवा मंच के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष स्व. सराफ को नगांव में श्रद्धांजलि अर्पित की गई

नगांव (निसं)। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद सराफ के निधन पर मायुंम नगांव शाखा द्वारा शनिवार को शाम 5 बजे एक श्रद्धांजलि सभा मारवाड़ी पंचायत धर्मशाला में आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत 1 मिनट के मौन प्रार्थना से की गई, जिसमें सभी ने प्रमोद सराफ की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इसके बाद सभा में उपस्थित सभी व्यक्तियों ने उनके जीवन, उनके योगदान और उनके व्यक्तित्व को याद करते हुए प्रकाश डाला। सभा में प्रमोद सराफ के समाज सेवा, मंच के प्रति उनके समर्पण और उनके द्वारा किए गए कार्यों पर चर्चा की गई। यह सभा उनके योगदानों को सम्मानित करने और उनके मार्गदर्शन को अपने जीवन में अपनाने का एक सार्थक प्रयास था। सभा का समापन श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों को जीवित रखने के संकल्प के साथ हुआ। सभा में मायुंम नगांव शाखा के अध्यक्ष मनीष गाडोदिया, समृद्धि शाखा की अध्यक्ष ममता सिंघी, पूजा केजरीवाल, सलाहकार रतन कुमार जाजोदिया, प्रदीप अग्रवाल व नगांव शाखा के सलाहकार राजेन्द्र प्रसाद मुंदड़ा सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित थे ।

मन की बात : संविधान हमारा पथ प्रदर्शक : मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में कहा कि संविधान हमारा पथ प्रदर्शक है। 26 जनवरी को हमारे संविधान को लागू हुए 75 वर्ष होने जा रहे हैं। मन की बात के 117 वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने कहा कि 2025 में 26 जनवरी को हमारे संविधान को लागू हुए 75 वर्ष होने जा रहे हैं। हम सभी के लिए बहुत गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान निमार्ताओं द्वारा सौंपा गया संविधान समय की हर कसौटी पर खरा उतरा है। संविधान हमारे लिए पथ प्रदर्शक और मार्गदर्शक है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस एपिसोड में प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ का विशेष उल्लेख किया और कहा कि अनेकता में एकता का ऐसा दृश्य विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि इसकी विशेषता इसकी विशालता में ही नहीं बल्कि इसकी विविधता में भी है। इस आयोजन में करोड़ों लोग एक साथ एकत्रित होते हैं। लाखों संत, हजारों परंपराएं, सैकड़ो संप्रदाय, अनेक अखाड़े, हर कोई इस आयोजन का हिस्सा बनता है। उन्होंने बताया कि इस बार कुंभ के आयोजन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चैट बोर्ड का भी प्रयोग किया जा रहा है फोन विराम इसके माध्यम से 11 भारतीय भाषाओं में काम से जुड़ी हुई हर जानकारी हासिल की जा सकेगी। स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित एनीमेशन सीरीज जेबीटी-भारत हैं हम के दूसरे सीजन के आने की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बच्चों का पसंदीदा कार्यक्रम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन नायकों के बारे में हमें बताता है जिनकी ज्यादा चर्चा नहीं होती। इसका दूसरा सीजन बड़े खास अंदाज में अंतरराष्ट्रीय फि ल्म महोत्सव गोवा में लॉन्च हुआ। भारतीय फि ल्म जगत की महान हस्तियों का भी अपने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने जिक्र किया जिनकी इस वर्ष 100वीं जयंती है। उन्होंने राज कपूर, मोहम्मद रफी, अक्कीनेनी नागेश्वर राव गारू और तपन सिन्हा का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज कपूर ने फिल्मों के माध्यम से दुनिया को भारत की सॉफ्ट पावर से परिचित कराया। वहीं रफी साहब ने हर तरह के भावों को अपनी आवाज देकर जीवंत किया है। अगले साल भारत में आयोजित होने वाले ऑडियो विजुअल इंटरटेनमेंट सबमिट यानी वेव्स सबमिट के विषय पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसमें दुनिया भर के मीडिया और एंटरटेनमेंट उद्योग के दिग्गज और सृजनात्मक दुनिया के लोग भारत आएंगे। यह भारत के दुनिया के कंटेंट क्रिएशन का हब बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मन की बात में प्रधानमंत्री ने दुनिया भर में भारत की संस्कृति के प्रचार-प्रसार से जुड़े कुछ तथ्य रखे। उन्होंने मिस्र में भारत की संस्कृति पर आधारित पेंटिंग प्रतियोगिता और दक्षिण अमेरिकी देश पराग्वे में लोगों की आयुर्वेद के प्रति बढ़ती रुचि का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि दुनिया की सबसे प्राचीन भाषा तमिल को वहीं ट्रेनिंग लिए शिक्षक सिखा रहे हैं। विकास के पथ पर अग्रसर मोहब्बत प्रभावित बस्तर संभाग में आयोजित ओलंपिक के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि 65000 खिलाड़ियों ने इसमें भाग लिया यह हमारे युवाओं के संकल्प की गौरव गाथा है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2015 से 2023 के बीच मलेरिया के मामलों और इससे होने वाली मौतों में 80 प्रतिशत की कमी आई है। इस उपलब्धि का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कुछ सराहनीय प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने इस संदर्भ में असम में जोरहाट और हरियाणा के कुरुक्षेत्र में हुए प्रयासों का उल्लेख किया। आयुष्मान भारत योजना से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज में मिल रही मदद को प्रधानमंत्री ने गरीबों को संबल देने वाला बताया। उन्होंने कहा कि अब भारत में समय पर कैंसर का इलाज शुरू होने की संभावना काफी बढ़ गई है। आयुष्मान योजना ने उपचार के 30 दिनों के भीतर ही शुरू कराने में बड़ी भूमिका निभाई है। ओडिशा के कालाहांडी में सब्जी क्रांति अर्थात कालाहांडी का वेजिटेबल हब बनने की उल्लेखनीय उपलब्धि को प्रधानमंत्री ने अपनी मन की बात में शामिल किया। उन्होंने बताया कि कम पानी और कम संसाधनों के बावजूद यहां एक समूह ने मिलकर एफपीओ यानि कृषि उत्पाद संघ की स्थापना की। खेती में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल शुरू किया और आज यह करोड़ों का कारोबार कर रहा है। आज इससे 200 से अधिक किस जुड़े हैं जिसमें से 45 महिलाएं हैं। अब इस एफपीओ का सालाना टर्नओवर भी बढ़कर डेढ़ करोड़ से ज्यादा हो गया है।

भाजपा दिल्ली में सही वोट कटवा रही है : केजरीवाल

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव को देखते हुए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर सही वोट कटवाने की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया है। रविवार को यहां पत्रकार वार्ता में अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि भाजपा दिल्ली में वोट कटवा रही है, जो सही मतदाता हैं, उनके वोट काटने की साजिश हो रही है। उन्होंने कहा कि मेरे नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में इनका (भाजपा का) ऑपरेशन लोटस 15 दिसंबर से चल रहा है। उन्होंने कहा कि इन 15 दिन में इन्होंने लगभग पांच हजार वोटों को सूची से कटवाने और 7500 वोटों को जुड़वाने के लिए आवेदन किया है। केजरीवाल ने आगे कहा कि मैं आप लोगों के जानकारी के लिए बता दूं कि मेरी विधानसभा में कुल वोट 1 लाख 6 हजार हैं। इसमें से 5 फीसदी वोट ये कटवा करवा रहे हैं और 7.5 फीसदी वोट ये जुड़वा रहे हैं तो फिर चुनाव कराने की जरूरत ही क्या है। अगर ये 12 फीसदी वोट इधर से उधर कर देंगे तो फिर चुनाव में बचा ही क्या है। एक ही विधानसभा में 11 हजार वोट काटे गए। केजरीवाल ने कहा कि देश में चुनाव के नाम पर एक तरह का खेल चल रहा है। केजरीवाल ने चुनाव अधिकारी को पत्र लिखकर मतदाता आवेदनों में असामान्य वृद्धि पर चिंता जताई है। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा बेईमानी से चुनाव लड़कर किसी भी तरह से चुनाव जीतना चाहती है, लेकिन दिल्ली की जनता ऐसा नहीं होने देगी। हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में उन्होंने जो हथकंडे अपनाए थे, हम उन्हें उस हथकंडे का इस्तेमाल करके यहां जीतने नहीं देंगे। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में 20 अगस्त से लेकर 20 अक्टूबर तक समरी किया गया था। इसका मतलब ये है कि चुनाव आयोग लोगों के घर-घर जाकर रिव्यू करती है, जो वोटर नहीं हैं, उसका नाम काटती है और जिनका नाम नहीं जुड़ा होता है, उनके नाम जुड़वाती है और तब उसका वोटर कार्ड बनाती है। उन्होंने कहा कि जिनके नाम कटने की शिकायत दी गई है, उनमें से पांच सौ लोगों को हमने वेरीफाई किया, कि 490 लोग अपने घर पर रहते हैं। यानी जो सही मतदाता हैं, उसके वोट काटने की साजिश हो रही है। 10 ऐसे लोग हैं, जिन्होंने सबसे ज्यादा वोट काटने वाली शिकायत चुनाव आयोग को दी है, ये कौन लोग हैं, किसके इशारे पर काम कर रहे हैं।

जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र के लिए मनीष सिसोदिया ने जारी किया शिक्षा घोषणापत्र

अजय त्यागी

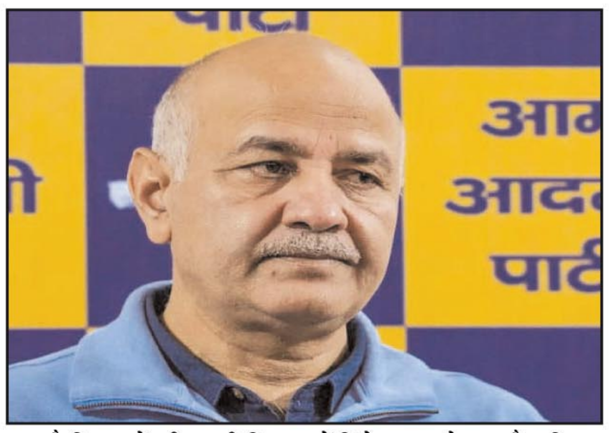

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने रविवार को अपनी विधानसभा क्षेत्र जंगपुरा के बच्चों के भविष्य को संवारने की घोषणा की है। उन्होंने अपने शिक्षा घोषणापत्र में शिक्षा को महत्व देते हुए सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों का कायाकल्प करने का वादा किया है। सिसोदिया ने कहा कि मैंने शिक्षा मंत्री के रूप में काम करते हुए दिल्ली के हर बच्चे को अच्छी शिक्षा देने के लिए एक ठोस नींव तैयार की है। अब जंगपुरा से विधायक बनने के बाद क्षेत्र के स्कूलों में क्रांतिकारी बदलाव लाने पर काम करुंगा। यहां सराय काले खां और हजरत निजामुद्दीन इलाके में सभी सुविधाओं से सुसज्जित दो नए स्कूल बनाए जाएंगे। सरकारी स्कूलों की तरह ही क्षेत्र के सभी सहायता प्राप्त स्कूलों में शैक्षिक सुविधाएं दी जाएंगी और निजी स्कूलों को मनमाना फीस नहीं बढ़ाने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी और उर्दू के साथ उन भारतीय भाषाओं के टीचर भी रखे जाएंगे, जो वहां पढ़ने वाले बच्चों की मातृ भाषा है। सिसोदिया ने शिक्षा घोषणापत्र में कहा है कि बच्चों की अच्छी शिक्षा ही किसी परिवार की तरक्की का एकमात्र जरिया है। हम सब चाहते हैं कि हमारा बच्चा बड़ा होकर एक सफल और प्रतिष्ठित व्यक्ति बने, लेकिन उसके लिए बच्चे को अच्छी शिक्षा मिलना बहुत जरूरी है।

आपने देखा है कि मैंने शिक्षा मंत्री के रूप में काम करते हुए दिल्ली के हर बच्चे को अच्छी शिक्षा देने के लिए एक ठोस नींव तैयार की है। अब मैं आपकी जंगपुरा विधानसभा से आपके एमएलए के रूप में भी काम करने आ रहा हूं। सिसोदिया ने अपने शिक्षा घोषणापत्र में फिरोज शाह कोटला और हरि नगर आश्रम के स्कूल में नई बिल्डिंग बनवाने, स्कूलों में सिक्योरिटी गार्ड और सफाई व्यवस्था बेहतरीन करने, दिल्ली सरकार के स्कूलों को 17 नगर निगम के स्कूलों और क्षेत्र की सभी 62 आंगनबाड़ी केंद्रों के साथ जोड़ने, किसी भी प्राइवेट स्कूल को मनमाने तरीके से फीस बढ़ाने की इजाजत न देने, डीआईईटी दरियागंज को आधुनिक ट्रेनिंग और रिसर्च सेंटर के रूप में विकसित करने और सभी टीचर्स और प्रिंसिपल्स को देश-विदेश में ट्रेनिंग के नए अवसर देने का वादा किया।

कच्छ में 3.2 का भूकंप, इस माह में तीसरी बार झटका

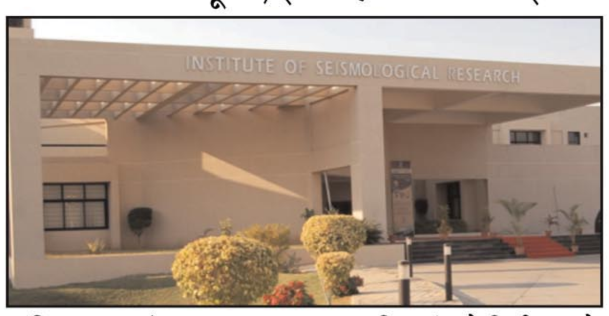

-रविवार सुबह कंपन महसूस कर लोग घरों से बाहर निकले

भुज, (हि.स.)। कच्छ जिले के कुछ क्षेत्रों में रविवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस होने से हड़कंप मच गया। इस भूकंप की तीव्रता रिएक्टर स्केल पर 3.2 रिकॉर्ड की गई, जिस्का केन्द्र भचाऊ से 18 किलोमीटर उत्तर-उत्तर पूर्व स्थित था। कच्छ इलाके में इस माह में यह तीसरी बार भूकंप के झटके लगे हैं। भूकंपीय अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) के अनुसार राज्य के कच्छ जिले में रविवार सुबह 10 बजकर 6 मिनट पर 3.2 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। जिला प्रशासन ने इस संबंध में बताया कि भूकंप से किसी तरह के जानहानि या सम्पत्ति के नुकसान होने की जानकारी नहीं मिली है। दरअसल, कच्छ जिले में कम तीव्रता के भूकंप अक्सर आते रहते हैं। दिसंबर में जिले में तीन से अधिक तीव्रता वाला यह तीसरा भूकंप है। 23 दिसंबर को कच्छ में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया था। इसके अलावा 7 दिसंबर को जिले में 3.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। इसके अलावा इसा साल 18 नवंबर को कच्छ में 4 तीव्रता का भूकंप आया था। इसके अलावा उत्तर गुजरात के पाटण में भी 15 नवंबर को 4.2 तीव्रता का भूकंप आया था।

गुरमीत सिंह संधावालिया बने हिमाचल हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

शिमला, (हि.स.)। न्यायमूर्ति गुरमीत सिंह संधावालिया हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस बन गए हैं। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने रविवार को हिमाचल हाई कोर्ट के 30वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में राजभवन में आयोजित सादे समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। चीफ जस्टिस गुरमीत सिंह संधावालिया ने शपथ लेने के बाद कहा कि हिमाचल के साथ उनका पुराना नाता हैं। हिमाचल भी पहले पंजाब का हिस्सा था। पंजाब हरियाणा की तुलना में हिमाचल छोटा है और यहां अपराध भी कम हैं। सभी को न्याय देने का प्रयास रहेगा। लंबित मामलों को लेकर अतिरिक्त समय दिया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट को नए न्यायाधीश मिले हैं। साथ लगते चंडीगढ़ हाई कोर्ट से वह हिमाचल प्रदेश आए हैं। मुख्यमंत्री ने उन्हें सरकार की तरफ से बधाई दी है। वहीं हाई कोर्ट में पेंडिंग मामलों को लेकर सीएम ने कहा कि इसमें कोर्ट अपने स्तर पर फैसले लेता हैं। जस्टिस गुरमीत सिंह संधावालिया इससे पहले पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट में सेवाएं दे रहे थे।

वह 4 फरवरी 2024 को पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस का कार्यभार संभाल चुके हैं। सर्वोच्च न्यायालय के कॉलेजियम ने केंद्र सरकार को उनके नाम की सिफारिश की थी। जीएस संधवालिया ने साल 1986 में चंडीगढ़ के डीएवी कॉलेज से स्नातक की डिग्री हासिल की थी। इसके बाद साल 1989 में उन्होंने पंजाब यूनिवर्सिटी से एलएलबी की डिग्री प्राप्त की। लॉ की डिग्री हासिल करने के बाद वे पंजाब एवं हरियाणा बार काउंसिल में एडवोकेट के रूप में सक्रिय हुए। साल 1983 से 1987 तक उन्होंने पटना में हाई कोर्ट में सेवाएं दीं। उनके पिता साल 1978 और साल 1983 के दौरान पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रह चुके हैं।

जींद में कार्यकर्ताओं ने चौटाला को भेंट की श्रद्धांजलि, पहुंची अस्थि कलश यात्रा

जींद, (हि.स.)। स्व. ओमप्रकाश चौटाला की अस्थि कलश यात्रा रविवार को जींद पहुंचने पर कार्यकताओं एवं आम नागरिकों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। तदोपरांत अस्थि कलश को लेकर चल रहे डबवाली के विधायक एवं स्व. ओमप्रकाश चौटाला के भतीजे आदित्य चौटाला ने अपने साथियों संग जींद में अस्थि कलश सौंपा। इसके बाद जींद की टीम नरवाना भाखड़ा नहर में विसर्जित करने का कार्य किया और कलश यात्रा आगे कैथल के लिए रवाना हो गई। कलश यात्रा 27 दिसंबर को फतेहाबाद जिले से शुरू होकर 29 दिसंबर को कुरूक्षेत्र में समापन होगा। यह यात्रा प्रदेश के 22 के 22 जिलों में गई ओर प्रत्येक जिले में अस्थि कलश को प्रवाहित किया गया। स्व. ओमप्रकाश चौटाला न केवल हरियाणा प्रदेश के बल्कि हिंदुस्तान के जाने-माने नेताओं मे शुमार थे। प्रशासन पर मजबूत पकड़, पार्टी का मजबूत अनुशासन और स्टीक फैसले के लिए उनको हमेशा याद किया जाएगा। उनके निधन से निश्चित रूप में एक राजनीतिक युग का समापन हुआ है। उनको श्रद्धांजिली अर्पित करने के लिए पूरे देश से राजनीतिक नेताओं, सामाजिक कार्यकताओं एवं धार्मिक संत-महापुरूषों का आना इस बात को दर्षता है कि उनकी हर वर्ग में अच्छी पकड़ थी। इस अवसर पर सभी राजनीतिक दलो एव सामाजिक संगठनों के गणमान्य व्यक्तियों ने पुष्प अर्पित करने का कार्य किया। स्व. ओमप्रकाश चौटाला हरियाणा के पांच बार के मुख्यमंत्री रहे वहीं एक बार राज्यसभा के सदस्य भी रहे। अपने इस लंबे राजनीतिक काल में राजनीति से ऊपर उठ कर 36 बिरादरी को साथ लेकर विकास के कार्य किए।

भाजपा पर केजरीवाल के आरोप सिर्फ उनकी बौखलाहट का नतीजा : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने रविवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के वोट काटने वाले आरोप को जनता को गुमराह करने वाला बताया है। विजेंद्र गुप्ता ने इसे केजरीवाल का बौखलाहट में दिया गया बयान बताया है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी हार सामने देख केजरीवाल हताश हो गए हैं और इसी हताशा के चलते ऊलजलूल आरोप भाजपा पार्टी पर लगा रहे हैं। आगे विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि सब जानते हैं कि केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी के नेताओं ने लाखों रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों के नाम फर्जी कागजात के आधार पर इन वोटर लिस्ट में डलवा दिए हैं। भाजपा को जब इसकी जानकारी मिली तो उसने चुनाव अधिकारियों से इसकी शिकायत की तो अधिकारियों ने एक्शन लेते हुए वो फर्जी नाम वोटर लिस्ट से हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी। और ये सभी रोहिंग्या और बांग्लादेशी आम आदमी पार्टी का वोट बैंक है जिसे हाथ से खिसकता देख आप के नेताओं के बीच बौहलाहट वाली स्थिति हो गई है और इसके चलते उनकी मानसिक स्थिति बिगड़ गई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा आम आदमी पार्टी की ओर से दिल्ली की लाखों महिलाओं को एक हजार रुपये प्रतिमाह देने की झूठी घोषणा की जांच कराने के उपराज्यपाल के आदेश से भी आम आदमी पार्टी के नेताओं में खलबली मची हुई है। जिसके चलते उन्हें यह अहसास हो गया है कि उनके भ्रष्टाचार और झूठ की पोल अब जनता के सामने खुल गई है और आगामी विधानसभा चुनाव में उनकी हार अब टाली नहीं जा सकती। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने पिछले दस साल में अपने शासनकाल में दिल्ली की जनता को केवल गुमराह करने और योजनाओं के नाम पर करोड़ों का भ्रष्टाचार करने के अलावा कुछ नहीं किया। अंत में उन्होंने ने कहा कि केजरीवाल क इन आरोपों में कोई दम नहीं है। दिल्ली के 2 करोड़ लोग अब आम आदमी पार्टी को सत्ता से बाहर करने का फैसला कर चुके हैं और फरवरी में उनके इस फैसले पर मोहर लगनी बाकी है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग व व्यापार समझौते के दो वर्ष पूरे

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (इंड-ऑस ईसीटीए) ने सफलता के दो वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह पारस्परिक विकास को बढ़ावा देता है और दोनों अर्थव्यवस्थाओं की पूरकता को दशार्ता है। इंड-ऑस ईसीटीए ने व्यापार संबंधों को बहुत आगे बढ़ाया है, दोनों देशों में एमएसएमई, व्यवसायों और रोजगार के लिए नए अवसर पैदा किए हैं और साथ ही उनकी आर्थिक साझेदारी की नींव को मजबूत किया है। अपने तीसरे वर्ष में केन्द्र सरकार भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के विजन 2047 को साकार करने के लिए आपसी समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए मजबूत सहयोग और अभिनव पहलों के माध्यम से इस गति को बनाए रखने के लिए समर्पित है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार इस समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद से द्विपक्षीय व्यापार दोगुना से भी अधिक हो गया है। यह 2020-21 में 12.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2022-23 में 26 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है। हालांकि, कुल व्यापार वर्ष 2023-24 में घटकर 24 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया, जिसमें ऑस्ट्रेलिया को भारत का निर्यात 14 प्रतिशत बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष में भी मजबूती देखने को मिल रही है। अप्रैल-नवंबर 2024 तक कुल द्विपक्षीय व्यापार 16.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। दोनों देशों के बीच तरजीही आयात डेटा का आदान-प्रदान शुरू हो गया है जो 2023 में समझौते के प्रभावी कार्यान्वयन को इंगित करता है। डेटा से पता चलता है कि निर्यात उपयोग 79 प्रतिशत और आयात उपयोग 84 प्रतिशत है। कपड़ा, रसायन और कृषि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में पर्याप्त वृद्धि हुई है जबकि हीरे जड़े सोने और टबोर्जेट सहित नई लाइनों पर निर्यात समझौते द्वारा विविधता को दशार्ता है। धातु अयस्कों, कपास, लकड़ी और लकड़ी के उत्पादों जैसे आवश्यक कच्चे माल के आयात ने भारत के उद्योगों को बढ़ावा दिया है। यह साझेदारी में बराबरी को दशार्ता है। इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में वृद्धि की संभावना है। इस सफलता के आधार पर, भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (सीईसीए) में अब प्रगति हो रही है। इसमें अब तक 10 औपचारिक दौर और अंतर-सत्रीय चचाएँ हो चुकी हैं। सीईसीए, ईसीटीए द्वारा रखी गई नींव पर आधारित है। यह द्विपक्षीय व्यापार एजेंडे को और भी अधिक महत्वाकांक्षा के साथ आगे बढ़ाता है। भारत-ऑस्ट्रेलिया सीईसीए पर हाल ही में 4 से 6 दिसंबर 2024 तक नई दिल्ली में एक समीक्षा की गई। इसमें प्रगति का आकलन किया गया और आगे का रास्ता तय किया गया। दोनों पक्ष ईसीटीए द्वारा हुई प्रगति को आगे बढ़ाने, गहन आर्थिक एकीकरण को आगे बढ़ाने और भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 2030 तक 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक व्यापार के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया साथ मिलकर अपनी आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने, आपसी समृद्धि को बढ़ावा देने और अधिक लचीली और गतिशील वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान देने के लिए तैयार हैं।

घने कोहरा व कम दृश्यता के चलते श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमानों का परिचालन दूसरे दिन भी प्रभावित

श्रीनगर, (हि.स.)। घने कोहरा और कम दृश्यता के चलते श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमानों का परिचालन रविवार दूसरे दिन भी प्रभावित रहा। शनिवार को भारी बर्फबारी के कारण कश्मीर घाटी का देश के बाकी हिस्सों से संपर्क टूट जाने के बाद जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रेन सेवाएं और यातायात रविवार से फिर शुरू हो गई है। श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निदेशक जावेद अंजुम ने बताया कि श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर घना कोहरा के चलते दृश्यता कम हो गई और कुछ आने वाली उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा, जबकि दिल्ली से आने वाली केवल एक उड़ान ही आज सुबह हवाई अड्डे पर उतर सकी। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि दृश्यता में सुधार होगा और दिन के दौरान सामान्य उड़ान परिचालन फिर से शुरू हो जाएगा। शनिवार को भारी बर्फबारी के कारण श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 80 प्रतिशत उड़ानें रद्द कर दी गई थीं। रेलवे अधिकारी ने बताया कि कश्मीर घाटी में भारी बर्फबारी के कारण शनिवार को निलंबित रही रेल सेवा आज फिर से शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि बर्फ जमा होने के कारण ट्रेनें न्यूनतम गति से पटरियों पर चलेंगी और देरी होने की संभावना है। इस बीच बर्फबारी के कारण पिछले दो दिन से निलंबित रहने के बाद रणनीतिक जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात फिर से शुरू कर दिया गया है। एक यातायात पुलिस अधिकारी ने कहा कि श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोनों तरफ यात्री यातायात चल रहा है। अधिकारी ने बताया कि यात्रियों को लेन अनुशासन का पालन करने की सलाह दी गई है क्योंकि बर्फबारी के कारण बनिहाल और काजीगुंड के बीच सड़क फिसलन भरी है। उन्होंने कहा कि दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले को जम्मू संभाग के राजौरी और पुंछ जिलों से जोड़ने वाली मुगल रोड, दक्षिण कश्मीर को जोड़ने वाली सिंथन रोड, लद्दाख को जोड़ने वाली सोनमर्ग-कारगिल रोड और भद्रवाह-चंबा रोड बर्फ जमा होने के कारण बंद हैं।

हिमाचल में थमी बर्फबारी, 400 से ज्यादा सड़कें अवरुद्ध

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में दो दिनों की भारी बारिश और बर्फबारी के बाद मौसम खुल गया है। शिमला सहित राज्य के अधिकांश इलाकों में रविवार को धूप खिली और आमजन व पर्यटकों को राहत मिली है। हालांकि मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक शीतलहर का अलर्ट जारी किया है।

छह शहरों का शून्य से नीचे गिरा तापमान - प्रदेश के छह प्रमुख शहरों का न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे पहुंच गया है। ठंड के प्रकोप ने लोगों को घरों में दुबकने पर मजबूर कर दिया है। खासकर किन्नौर, लाहौल-स्पीति, कुल्लू और अप्पर शिमला के इलाकों में ठंड का असर अधिक है। लाहौल स्पीति के ताबो में न्यूनतम तापमान -12.3 डिग्री, कुकुमसेरी में -7 डिग्री,कल्पा में -3.4 डिग्री, भरमौर में -1.7, नारकण्डा में -1.4 डिग्री, मनाली में -0.2 डिग्री, डल्हौजी में 0.4, सराहन में 0.5, कुफरी में 0.9 और शिमला में 3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सड़कों पर बर्फबारी का असर, लाहौल घाटी का कटा सम्पर्क - भारी बर्फबारी के कारण प्रदेश में 3 राष्ट्रीय राजमार्ग और 400 से अधिक सड़कें अवरुद्ध हो गईं। प्रशासन ने मौसम खुलने के साथ ही इन सड़कों को बहाल करने का काम तेज कर दिया है। कुल्लू, लाहौल-स्पीति, किन्नौर और नारकंडा जैसे इलाकों में बर्फ हटाने के लिए मशीनें लगाई गई हैं। अप्पर शिमला में एनएच-5 नारकण्डा में बर्फबारी से अवरुद्ध है और शिमला से रामपुर के लिए वाहनों की आवाजाही सैंज-लुहरी-सुन्नी सड़क से की जा रही है। इसी तरह देहा-चौपाल स्टेट हाइवे खिड़की के पास अवरुद्ध है। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति की लाहौल घाटी भारी बर्फबारी के कारण बाकी हिस्सों से कट गई है। भारी बर्फबारी के चलते नेशनल हाइवे-तीन और संसारी तिन्दी-तांदी सड़क मार्ग सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही के लिए बंद है। सीमा सड़क संगठन द्वारा इन सडक मार्गों को खोलने का प्रयास किया जा रहा है। घाटी के ज्यादातर इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित है।

सैंकड़ों सैलानियों का किया रेस्क्यू - भारी बर्फबारी के चलते अप्पर शिमला, कुल्लू और लाहौल-स्पीति में फंसे सैंकड़ों पर्यटकों को रेस्क्यू किया गया। प्रशासन ने सभी सैलानियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया और उन्हें मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए यात्रा की योजना बनाने की सलाह दी है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की रिपोर्ट के मुताबिक कल्पा में 14.9, कुफरी में 14.5, पूह व मोरंग में 12-12, खदराला में 10, सांगला में 8.5 और केलंग में 8 सेंटीमीटर ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है।

आगामी मौसम का पूर्वानुमान, दो जनवरी से फिर बर्फबारी - मौसम विज्ञान केंद्र ने 30 और 31 दिसंबर तथा एक जनवरी को प्रदेशभर में मौसम साफ रहने की संभावना जताई है। लेकिन दो से चार जनवरी के बीच फिर से भारी बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है। ऐसे में नए साल पर हिमाचल की वादियों का रुख कर रहे सैलानियों को बर्फबारी का नजारा देखने को मिल सकता है।

पूर्व प्रधानमंत्री की मृत्यु पर भी राजनीति कर रही कांग्रेस : अनुराग ठाकुर

फतेहाबाद (हिंस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की मृत्यु पर भी राजनीति करने का प्रयास किया है। इसके लिए राहुल गांधी को देश से माफी मांगनी चाहिए। 2013 में जब यूपीए की सरकार थी, तब यूपीए सरकार ने ही निर्णय लिया था कि कहां पर संस्कार होंगे जबकि मोदी सरकार ने आकर कैबिनेट मीटिंग बुलाकर न केवल डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजली दी बल्कि उनका स्मारक बनाने को मंजूरी दी है। ट्रस्ट बनाने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है लेकिन कांग्रेस इसमें भी राजनीति करने से पीछे नहीं हटी। रविवार को फतेहाबाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री ने सोनिया गांधी व राहुल गांधी से पूछा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. नरसिम्हा राव का संस्कार भी दिल्ली में क्यों नहीं होने दिया। उनका पार्थिव शरीर कांग्रेस मुख्यालय तक नहीं ले जाया गया। अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस के अध्यक्ष सीताराम केसरी को कैसे इन लोगों ने कांग्रेस मुख्यालय से बाहर फैंक दिया था। उन्होंने कहा कि यही कांग्रेस का चरित्र और इतिहास है। कांग्रेस हर बात पर राजनीति करती है लेकिन किसी की

मृत्यु पर राजनीति करना सबसे बड़ा दुर्भाग्य है। राहुल गांधी द्वारा संसद में संविधान की कॉपी लहराने के सवाल पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि उन्होंने संसद में दो बातें साफ कही कि जिस संविधान की कापी को वह लहरा रहे हैं, कभी उसको खोलकर भी देखा है, उसमें कितने पन्ने हैं। इस पर विपक्ष का एक नेता तक जवाब नहीं दे पाया। संविधान की प्रस्तावना जिसने लिखी है, दोनों सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील है। दोनों ने लिखा है कि नेहरू की सोच के अनुसार अगर संविधान बना होता तो देश की दुर्गति हो गई होती। डॉ. भीमराव अंबेडकर, सरदार पटेल व अन्य नेताओं की संविधान बनाने में बहुत बड़ी भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि गरीब जनमानस को उनके अधिकार देने का काम बाबा साहिब डॉ. अंबेडकर के संविधान ने किया है। किसान आंदोलन के सवाल पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि यूपीए के 10 साल के शासन में जितनी धान या अन्य अनाज की खरीद हुई, उससे दोगुना से ज्यादा खरीद भाजपा सरकार ने की है। कांग्रेस ने 10 साल में साढ़े 5 लाख करोड़ रुपए एमएसपी पर खर्च किए तो भाजपा ने साढ़े 18 लाख करोड़ रुपए खर्च किए हैं। गेहूं व धान खरीद पर कांग्रेस ने जहां 2 लाख 80 हजार करोड़ खर्च किया तो भाजपा सरकार ने 12 लाख करोड़ रुपए खर्च किए हैं। बैंकों से 2013-14 में किसानों को 7 लाख 20 हजार करोड़ दिया गया जबकि पिछले साल भाजपा सरकार ने 21 लाख करोड़ रुपए किसानों को दिए। कांग्रेस के समय कृषि बजट 25 हजार 672 करोड़ था जबकि भाजपा सरकार का बजट 1 लाख 28 हजार करोड़ रुपए है। चौटाला से परिवार के रिश्तों को किया याद पत्रकारों से बातचीत में अनुराग ठाकुर ने कहा कि स्व. ओमप्रकाश चौटाला लंबे समय तक न केवल हरियाणा की सेवा करते रहे, बल्कि उनका उत्तर भारत और देश की राजनीति में भी एक प्रभाव था। आज उन्होंने स्व. ओमप्रकाश चौटाला को भाजपा और हिमाचल की जनता की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित किए हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि उनके परिवार का स्व. ओमप्रकाश चौटाला के साथ एक विशेष रिश्ता था। हिमाचल में जब टांडा मेडिकल कॉलेज का इंस्पेक्शन होना था, उस समय हिमाचल के सीएम प्रेम कुमार धूमल ने हरियाणा में मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला से मदद मांगी तो उस समय उन्होंने वहां डॉक्टर भेजकर हिमाचल की मदद की थी। उन्होंने कहा कि हरियाणा के हितों का ध्यान रखते हुए स्व. ओमप्रकाश चौटाला ने अन्य राज्यों के साथ ही एक अच्छा रिश्ता निभाया। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने अपने एक धरतीपुत्र को खोया है।

फरीदाबाद में भीम आर्मी ने फूंका गृहमंत्री का पुतला

फरीदाबाद (हिंस)। फरीदाबाद में रविवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर गृहमंत्री के बयान के खिलाफ भीम आर्मी ने प्रदर्शन किया। शहर में भीम आर्मी ने शाह का पुतला फूंका और नारेबाजी करते हुए उनसे इस्तीफा देने की मांग की। इस मौके पर भीम आर्मी के प्रदेश अध्यक्ष धर्मवीर प्रवाल ने कहा कि अमित शाह ने भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का संसद भवन में अपमान किया है। यह सब बीजेपी के इशारे पर किया गया है। उन्होंने कहा कि जो लोग बाबा साहब और संविधान को मानते हैं वह अमित शाह द्वारा दिए गए उनके बयानों की कड़ी निंदा करते हैं। अमित शाह को खुद इस बयान को लेकर माफी मांगनी चाहिए। अमित शाह ने कई बार बाबा साहब का नाम लेकर कहा था कि यदि वो लोग भगवान का नाम लेते तो उन्हें स्वर्ग मिलता, लेकिन वह नहीं जानते कि जो बाबा साहब द्वारा दिए गए संविधान को मानते और जानते हैं और संविधान द्वारा बताए गए रास्ते पर चलते हैं उन्हें इसी जन्म में जीते जी स्वर्ग मिलता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सुनी प्रधानमंत्री के *मन की बात*

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के 117वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीएमआर पर मंत्रिपरिषद के सदस्य, सांसद एवं विधायकों के साथ प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। इस मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *मन की बात* में उद्बोधन सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणादायी होते हैं। उनको सुनकर नवीन ऊर्जा का संचार होता है। देश निरन्तर उपलब्धियां हासिल कर रहा है, उसको जानकर हमें गर्व की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश *विकसित भारत* के पथ पर तेजी से अग्रसर है। स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, वाणिज्य, रक्षा, तकनीक एवं सांस्कृतिक आदि क्षेत्रों में भारत ने अभूतपूर्व प्रगति अर्जित की है। शर्मा ने कहा कि मोदी के विजन से विकास का इंजन दोगुनी रफ्तार से दौड़ रहा है, जिससे युवा, महिला, किसान एवं गरीब का उत्थान एवं कल्याण सुनिश्चित हो रहा है।

शाहपुरा जिला समाप्ति के विरोध में शाहपुरा बंद

भीलवाड़ा (हिंस)। शाहपुरा जिले को समाप्त करने के विरोध में रविवार को आहूत शाहपुरा बंद ने शहर में मिला-जुला असर दिखाया। त्रिमूर्ति चौराहा और सदर बाजार पूरी तरह बंद रहे, लेकिन बाहरी इलाकों और अन्य बस्तियों में दुकानें और बाजार खुले नजर आए। बंद को लेकर शहर में पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। एसएचओ माया बैरवा के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई और जगह-जगह गश्त की जा रही है। बावजूद इसके, संघर्ष समिति के पदाधिकारी बाजार में बंद कराने के लिए सक्रिय नजर नहीं आए, जिससे लोगों के बीच बंद को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रही। कई लोग इसे स्वैच्छिक बंद बता रहे हैं। शनिवार को राज्य सरकार द्वारा शाहपुरा जिले को समाप्त करने की घोषणा के बाद से स्थानीय निवासियों में गहरा आक्रोश देखा जा रहा है। शाहपुरा के निवासी इसे अपने साथ छल और अन्याय मान रहे हैं। शनिवार देर रात त्रिमूर्ति चौराहे पर हुई बैठक में बंद की रणनीति तैयार की गई थी, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए। गौरतलब है कि आजादी से पहले शाहपुरा एक स्वतंत्र रियासत थी, और तभी से इसे जिला बनाए जाने की मांग चलती आ रही है। लेकिन हर बार सक्षम राजनीतिक नेतृत्व के अभाव में शाहपुरा न्याय से वंचित रह गया। संयुक्त राजस्थान के

गठन के दौरान भी शाहपुरा को जिला बनाने की मांग अधूरी रह गई। पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार ने शाहपुरा को जिला घोषित कर इस क्षेत्र के निवासियों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा किया था। हालांकि, वर्तमान सरकार द्वारा इसे समाप्त करने के निर्णय से यहां के लोगों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। शाहपुरा के लोगों का कहना है कि वे इस निर्णय के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज बुलंद करेंगे। उनका मानना है कि शाहपुरा का जिला बने रहना न केवल उनके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गौरव से जुड़ा है, बल्कि यह स्थानीय विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। कुछ अधिवक्ता हाईकोर्ट में भी इस प्रकरण को ले जाने की बात को कह रहे है। संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों का कहना है कि वे अपनी मांगों को लेकर राज्य सरकार तक अपनी बात पहुंचाएंगे।

योगी ने संभाली *कुंभ का संदेश, एक हो पूरा देश* अभियान की कमान

लखनऊ (हिंस)। सनातन संस्कृति के सबसे बड़े समागम महाकुंभ का आयोजन प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी के मध्य होने जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के *महाकुंभ का संदेश, एक हो पूरा देश* का साकार रूप में देने में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जुटे हुए हैं। दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने *मन की बात* के 117वें एपिसोड में *महाकुंभ-2025* की दिव्यता, भव्यता की चर्चा की। उन्होंने देशवासियों को बताया कि संगम तट पर जबरदस्त तैयारियां चल रही हैं। कुछ दिन पहले जब प्रयागराज गया था तो हेलीकाप्टर से पूरा कुंभ क्षेत्र देखकर मन प्रसन्न हो गया। इतना विशाल, इतना सुन्दर, इतनी भव्यता। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर कम शब्दों में कहें तो *महाकुंभ का संदेश, एक हो पूरा देश* और दूसरे तरीके से कहूंगा *गंगा की अविरल धारा, न बंटे समाज हमारा*। इस अपील के साथ प्रधानमंत्री ने देश-दुनिया के श्रद्धालुओं को महाकुंभ में आमंत्रित भी किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महाकुंभ की तैयारियां अंतिम चरण में चल रही हैं। 2019 कुंभ की

अपेक्षा महाकुंभ में मेला क्षेत्र से लेकर श्रद्धालुओं के लिए, सुविधाओं में व्यापक विस्तार किया गया है। महाकुंभ के जरिए *एक हो पूरा देश* अभियान की कमान स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभाली है। वे दिसंबर माह में चार बार प्रयागराज पहुंचे और यहां के कार्यों का अवलोकन किया। मन की बात में प्रधानमंत्री ने कहा कि महाकुंभ की विशेषता केवल इसकी विशालता में ही नहीं, बल्कि इसकी विविधता में भी है। इस आयोजन में करोड़ों लोग एक साथ एकत्र होते हैं। लाखों संत, हजारों परंपराएं, सैकड़ों संप्रदाय, अनेक अखाड़े इसका हिस्सा बनते हैं। कहीं कोई भेदभाव नहीं दिखता है। यहां कोई बड़ा-छोटा नहीं होता। *अनेकता में एकता* का ऐसा दृश्य विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलेगा। इसलिए हमारा कुंभ *एकता का महाकुंभ* भी होता है। इस बार का महाकुंभ भी एकता के महाकुंभ के मंत्र को सशक्त करेगा। पीएम ने अपील की कि जब हम कुंभ में शामिल हों तो एकता के इस संकल्प को अपने साथ लेकर वापस आएं और समाज में विभाजन-विद्वेष के भाव को नष्ट करने का संकल्प भी लें। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार प्रयागराज में देश-दुनिया के श्रद्धालु डिजिटल महाकुंभ के भी साक्षी बनेंगे। डिजिटल नेविगेशन की मदद से आगंतुकों को अलग-अलग घाट, मंदिर, साधुओं के अखाड़े तक पहुंचने का रास्ता मिलेगा, यही नहीं नेविगेशन सिस्टम पार्किंग तक पहुंचने में भी मदद करेगा। पहली बार कुंभ आयोजन में एआई चैटबॉट का प्रयोग होगा। इसके माध्यम से 11 भारतीय भाषाओं में कुंभ से जुड़ी हर जानकारी हासिल की जा सकेगी। इस चैट बॉट से टेक्स्ट टाइप करके या बोलकर किसी भी तरह की मदद मांग सकते हैं। मेला क्षेत्र को एआई पावर्ड कैमरा से कवर किया जा रहा है। कुंभ में कोई बिछड़ जाएगा तो इन कैमरों से उन्हें खोजने में भी मदद मिलेगी। श्रद्धालुओं को डिजिटल लॉस्ट एंड फाउंड सेंटर की सुविधा भी मिलेगी। श्रद्धालुओं को मोबाइल पर गवर्नमेंट अप्रूव्ड टूर पैकेजेस ठहरने की जगह और होम स्टे के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने सभी आगंतुकों से अपील की कि महाकुंभ में जाएं तो इन सुविधाओं का लाभ अवश्य उठाएं और एकता का महाकुंभ के साथ सेल्फी जरूर अपलोड करें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं आगंतुकों को महाकुंभ का आमंत्रण दे रहे हैं। दिल्ली में शनिवार को मुख्यमंत्री ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, स्वास्थ्य मंत्री-भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, मिजोरम के राज्यपाल जनरल वीके सिंह से मिलकर उन्हें आमंत्रित किया है। इसके साथ ही योगी सरकार के मंत्रियों ने अन्य राज्यों में पहुंचकर मुख्यमंत्रियों, राज्यपाल व अन्य गणमान्य लोगों को महाकुंभ में आमंत्रित किया है।

पंजाब पुलिस ने जग्गू भगवानपुरीया और अमृतपाल बाठ गैंग के पांच सदस्यों को किया गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में संगठित अपराध के खिलाफ चल रही मुहिम के दौरान तरनतारन पुलिस ने नामी जग्गू भगवानपुरिया और अमृतपाल बाठ गैंग के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चार हथियार बरामद किए हैं, जिनमें यूएस निर्मित 9 मिमी ग्लॉक पिस्तौल, दो .32 बोर की पिस्तौलें, 15 जिंदा कारतूस, तीन मैगजीन और देसी पिस्तौल हैं। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने रविवार को बताया कि बटाला के गांव भगवानपुर निवासी गुरमीत सिंह उर्फ राबल, गुरदासपुर के गांव नूरपुर निवासी हरपाल सिंह, अमृतसर के गांव नवांपिंड निवासी लवप्रीत सिंह उर्फ एनपी और कोट खालसा निवासी शमशेर सिंह उर्फ शेरा पासियां और संदीप सिंह उर्फ गोली को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस टीमों ने उनके कब्जे से यूएस निर्मित 9 मिमी ग्लॉक पिस्तौल, दो .32 बोर की पिस्तौलें, 15 जिंदा कारतूस, तीन मैगजीन और देसी पिस्तौल बरामद की हैं। पुलिस ने उनकी अपराधों को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल की गई बिना नंबर वाली हुंडई क्रेटा कार भी जब्त की है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अपराधियों ने स्वीकार किया कि जब्त किए गए हथियार जग्गू भगवानपुरिया ने अपने साथियों को दिए थे और वे गैंगस्टर अमृतपाल बाठ के इशारे पर हत्याओं को अंजाम देने की योजना बना रहे थे।

बहुजन समाज पार्टी के लिए मायूसी भरा रहा वर्ष-2024

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश में 30.43 फीसदी मत हासिल कर 2007 में अपने बलबूते सरकार बनाने वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का प्रदर्शन साल दर साल खराब होता ही जा रहा है। वर्ष 2024 की बात करें तो पहले कयास लगाया जा रहा था कि गठबंधन करके बसपा कुछ बेहतर कर सकती है, लेकिन लोकसभा चुनाव में अकेले चुनाव लड़ने का फैसला 9.27 फीसदी मत तक पहुंचा दिया। रही सही कसर उपचुनाव में पूरी हो गई और किसी भी उम्मीदवार की जमानत तक नहीं बच सकी। इस प्रकार साल 2024 बसपा के लिए पूर्णतया मायूसी भरा रहा और कार्यकर्ता भी हताश हो चुके हैं, लेकिन अभी भी पार्टी का करीब 10 फीसदी वोट कभी भी राजनीति की नई दिशा लिख सकता है। यह वह मतदाता है जिसे अगर कट्टर कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी, क्योंकि हाल ही में बसपा प्रमुख मायावती के एक निर्देश पर बाबा साहब के अपमान को लेकर पूरे प्रदेश में सड़कों पर यह कार्यकर्ता उतरकर विरोध दर्ज कराने में पीछे नहीं हटे। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी

के उत्थान में अगर किसी पार्टी को सबसे अधिक नुकसान हुआ है तो वह है बहुजन समाज पार्टी। हालांकि सपा को भी नुकसान हुआ है, लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव में सत्ता से दूर रहने के बाद मत प्रतिशत में अपने अधिकतम को पार करने में सफल रहा। यही नहीं 2024 के लोकसभा चुनाव में भी सपा अपने 35 सीटों के जीतने का रिकार्ड ध्वस्त कर 37 सीटें जीतने में सफल रही। इस प्रकार सपा उत्तर प्रदेश में संघर्ष करती दिख रही है, लेकिन बसपा का जनाधार जिस तरह से चुनाव दर चुनाव खिसक रहा है उससे लेकर पार्टी का वह खेमा भी हताश है जो मिशन से जुड़ा है। 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी के लिए अनुकूल माहौल न होने के बावजूद सपा से गठबंधन होना बसपा के लिए फायदेमंद साबित हुआ और बसपा अकेले 10 सीट जीतने में सफल रही। इसके बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में जब जनता के बीच संविधान का मुद्दा छाने लगा तो बसपा के लिए यह सुनहरा अवसर था और कयास लगाया जाने लगा कि बसपा गठबंधन करके चुनाव लड़ेगी, पर ऐसा नहीं हो सका। पार्टी ने अकेले चुनाव लड़ने का फैसला लिया और जब परिणाम आया तो सीटें जीतना तो दूर मत प्रतिशत 19.43 से 9.27 फीसदी जा पहुंचा। इस प्रकार 2007 में पूर्ण सत्ता की सरकार बनाने के दौरान मिले मत 30.43 से एक तिहाई के नीचे पार्टी का प्रदर्शन पहुंच गया। रही सही कसर 2024 के विधानसभा उपचुनाव में पूरी हो गई और पार्टी के सभी उम्मीदवारों की जमानत तक जब्त हो गई। इससे साफ जाहिर होता है कि दलित वोटरों ने बसपा से दूरी बना ली और पार्टी के लिए 2024 का साल मायूसी भरा रहा। उत्तर प्रदेश की राजनीति में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) तेजी से दलितों, पिछड़ों व अल्पसंख्यकों या यूं कहें बसपा के मतदाताओं में तेजी से पक ? बना रहा है। पार्टी प्रमुख व नगीना सांसद चन्द्रशेखर दलित चेहरे के रूप में उभर रहे हैं। सड़क पर बुलंदी से आवाज रखने वाले चन्द्रशेखर अब सदन में भी उपेक्षित वर्ग की पुरजोर तरीके से बात रख रहे हैं। ऐसे में बसपा के लिए चन्द्रशेखर चुनौती बन गये हैं कि कहीं बसपा का आसपा विकल्प न बन जाए। हालांकि बसपा के पास अभी भी नौ फीसदी से अधिक मत है जो पार्टी को कोर वोटर माना जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि बसपा के सबसे खराब प्रदर्शन के बावजूद जो वोट बचा है वह वोटर पार्टी के लिए अपनी जान तक न्यौछावर कर सकता है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने खाटूश्याम मंदिर में की पूजा

नए जिलों पर बोले, मापदंडों के आधार पर होंगे फैसले

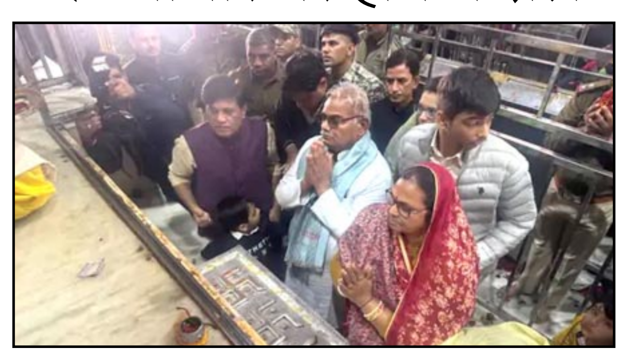

सीकर (हिंस)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने रविवार को अपने परिवार के साथ खाटूश्याम मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान उनकी पत्नी सूरज दिलावर, पुत्र दीपक और पवन, पोता वेदांत सहित अन्य परिजन भी मौजूद रहे। श्याम मंदिर कमेटी के पूर्व अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान ने परिवार को पूजा-अर्चना करवाई। राजस्थान में भाजपा सरकार द्वारा नए जिले और तीन संभाग निरस्त किए जाने पर दिलावर ने कहा कि जिलों का गठन मापदंडों के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक जिले की औसत जनसंख्या 23 लाख होनी चाहिए, लेकिन यहां दो-तीन लाख की जनसंख्या में जिले बना दिए गए। यह जनता के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि दूरी, जनसंख्या, और संसाधनों का ध्यान रखते हुए निर्णय लिए जाने चाहिए। दिलावर ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि छोटे-छोटे जिले बनाकर जनता का पैसा बर्बाद किया गया। खाटूश्याम मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के मद्देनजर दिलावर ने कहा कि वर्तमान व्यवस्थाएं ठीक हैं, लेकिन भक्तों के आने की गति को देखते हुए कुछ असुविधाएं हो सकती हैं।

देश में शिक्षा के साथ संस्कारों को बढ़ावा देने में विद्यार्थी परिषद का अहम योगदान : सुरेश खन्ना

सीतापुर (हिंस)। अखिल विद्यार्थी परिषद शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों के उन्नयन का कार्य भी करती है, जो इसे अन्य छात्र संगठनों से विशिष्ट बनाता है। आज विद्यार्थी परिषद जैसे संगठनों की देन है कि हम पुन: भारतीय संस्कृति पर गर्व करना सीख रहे हैं और इस उन्नत संस्कृति की विशिष्टता से सभी को परिचय कराने का कार्य कर रहे हैं। हमनें 2047 तक जिस विकसित भारत का सपना देखा है निश्चित रूप से उस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु भी अभाविप कार्यकर्ताओं का विशिष्ट योगदान रहेगा। यह बातें रविवार को सीतापुर में अभाविप अवध प्रांत के प्रांत अधिवेशन में उत्तर प्रदेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री सुरेश खन्ना ने कही। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) अवध प्रांत के चार-दिवसीय 64वें प्रांत अधिवेशन की शुरुआत रविवार को सीतापुर के स्वरूप स्थित सीतापुर शिक्षण संस्थान में हो गई है। अधिवेशन के प्रथम दिवस पर उद्घाटन सत्र के साथ ही पिछले सत्र की कार्यकारिणी को भंग किया गया। इसके पश्चात चुनाव अधिकारी गोंडा के डॉ. रूप नारायण सिंह ने विद्यांत हिंदू पी.जी कॉलेज की प्रो. नीतू सिंह और पुष्पेंद्र बाजपेई को अभाविप अवध प्रांत के प्रांत अध्यक्ष और प्रांत मंत्री के रूप में पुन:निर्वाचित किया। प्रांत मंत्री

पुष्पेंद्र बाजपेई ने अपने प्रतिवेदन में बताया कि पिछले सत्र में अभाविप अवध प्रांत के कार्यकर्ताओं ने कुल 4 लाख 71 हजार 121 सदस्यों को जोड़ने का काम किया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, अवध प्रांत के इस चार-दिवसीय प्रांत अधिवेशन का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राजशरण शाही, प्रांत अध्यक्ष प्रो. नीतू सिंह, प्रांत मंत्री पुष्पेंद्र बाजपेई, स्वागत समिति अध्यक्ष प्रियंका गुप्ता, स्वागत समिति मंत्री नवीन अग्रवाल एवं नगर मंत्री अलखकांत श्रीवास्तव द्वारा किया गया। यह अधिवेशन 29 से 31 दिसंबर तक चलेगा। वित्त मंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं को अधिवेशन के सफल आयोजन की शुभकामनाएं देते हुए उपस्थित छात्रों को पुरुषार्थ का महत्व बताते हुए कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। अभाविप के कार्यकर्ता भारत के युवाओं में इस सेवाभाव का बीजारोपण करने का कार्य कर रहे हैं। आगे कहा कि अपने अंदर हीन भावना को ना आने दे, अच्छे विचारों के साथ काम करें और अहंकार से बचें। विशिष्ट अतिथि अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राजशरण शाही ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ध्येय यात्रा सतत युवाओं को प्रेरणा देती रही है। युवाओं ने प्राचीन इतिहास से लेकर आज के प्रमुख आंदोलनों में अपना प्रमुख योगदान दिया है और अभाविप के कार्यकर्ताओं ने ऐसी युवाशक्ति को सशक्त बनाने का काम किया है। अभाविप अपनी विशिष्ट कार्यपद्धति के कारण ही 76 वर्षों की लंबी यात्रा सफलतापूर्वक तय कर पाया है, जबकि अन्य छात्र संगठन विशेष परिस्थितियों की उपज हैं, अभाविप एक वैचारिक अधिष्ठान लेकर काम करती है। अभाविप कार्यकर्ता के व्यक्तित्व निर्माण की नर्सरी है जिससे जुड़कर विद्यार्थी पढ़ाई के साथ राष्ट्र पुनर्निर्माण में भी योगदान देते हैं। सीतापुर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का प्रान्तीय अधिवेशन पहली बार आयोजित हो रहा है। सरकारी जिलों से अलग विद्यार्थी परिषद ने अवध प्रांत को संगठनात्मक रूप से 25 जिलों में अपने कार्य को विस्तार दिया है। प्रांत संगठन मंत्री अंशुल विद्यार्थी ने बताया कि सीतापुर में आयोजित हो रहे इस अधिवेशन में लखनऊ पूर्व, पश्चिम, उत्तर, कानपुर देहात, कानपुर, श्रावस्ती, लालगंज, गोंडा, अयोध्या, बलरामपुर, रायबरेली, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर, बहराइच, लवकुश नगर सहित अन्य कई जिलों से छात्र एवं छात्राएं इस अधिवेशन में शामिल हो रहे हैं। विभाग संगठन मंत्री अजय शुक्ला ने बताया इस अधिवेशन में लगभग 1200 छात्र-छात्राएं शामिल हैं, उनके रहने भोजन की व्यवस्था परिसर में ही की गई है। उन्होंने बताया कि भोजनालय को सीता रसोई का नाम दिया गया है। इसके साथ ही अधिवेशन में आने वाले युवाओं के लिए परिसर में नैमिषारण्य को महत्व को जानने के लिए नैमिष चक्र तीर्थ का एक मॉडल बनाया गया है।

भारतीय मजदूर संघ ने चलाया श्रमिक संपर्क अभियान

सहरसा (हिंस)। भारतीय मजदूर संघ के 70 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में जिला इकाई द्वारा रविवार को कहरा प्रखंड में श्रमिक संपर्क अभियान चलाया गया। जिलाध्यक्ष संतोष पासवान की अध्यक्षता में चले इस कार्यक्रम में जिला मंत्री सुभाष चंद्र झा, उपाध्यक्ष राम प्रताप कुमार, कोषाध्यक्ष ऋद्धि कुमार ने अपने-अपने विचार व्यक्त कर मजदूरों के हित में सरकार द्वारा चल रही जन कल्याणकारी योजनाओं को उन तक सुचारू रूप से पहुंचने के लिए भारतीय मजदूर संघ की प्रतिबद्ध जताई। पासवान ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ अपनी त्याग तपस्या और बलिदान की नीति पर चलते हुए देश हित में मजदूरों के कल्याण को लेकर श्रम श्रमिक संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग के इंस्पेक्टर द्वारा आर्थिक लाभ नहीं मिलने के कारण उनके आवेदन को जानबूझकर अस्वीकृत कर

मजदूरों को परेशान किया जा रहा है। इस संबंध में भारतीय मजदूर संघ ने मजदूर विरोधी ऐसे अधिकारियों के विरूद्ध में विशाल धरना-प्रदर्शन करने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि अब तक हजारों मजदूरों को भारतीय मजदूर संघ के द्वारा सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ दिलाया गया है। जिला मंत्री सुभाष चंद्र झा ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ के 70 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस बैठक में संगठन की मजबूती, नए संगठनों को बीएमसी से संबद्धता दिलाने, धन संग्रह अभियान चलाने के साथ-साथ श्रमिक संपर्क अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर राजवीर यादव, सुंदरकांत ठाकुर, सुभाष कृष्ण यादव, शंभू ठाकुर, रविंद्र कुमार, अनीता देवी, पार्वती देवी, सुनीता देवी, पूनम देवी, आशा कुमारी, रेखा देवी, सुदामा देवी, नविता देवी, अनीता देवी, रंजन देवी, रिंकू देवी, रेखा देवी, रानी देवी, अंजू देवी, रीता कुमारी सहित बड़ी संख्या में मजदूर संघ के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

कांग्रेस की सस्ती राजनीति

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के तत्काल बाद ही कांग्रेस ने जिस प्रकार की सस्ती राजनीति प्रारंभ की है, वह नहीं होनी चाहिए थी। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की ओर से जिस प्रकार पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह के अंतिम संस्कार के स्थान एवं स्मारक निर्माण को लेकर राजनीतिक वितंडावाद खड़ा किया गया, उससे इतिहास के ऐसे पृष्ठ भी खुलने शुरू हो गए हैं, जो कांग्रेस की संकीर्णता को ही उजागर करते हैं। जैसा डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर के मामले में कांग्रेस उल्टी घिर गई, उसी प्रकार पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के मामले में भी घिर गई है। याद रहे कि भाजपानीत केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह के निधन के तत्काल बाद कैबिनेट की बैठक करके सात दिन का राजकीय शोक घोषित किया। और उनका स्मारक बनाने के संबंध में कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भी सूचित किया। भाजपा के प्रत्येक नेता ने शोक संवेदनाएं प्रकट कीं और डॉ. सिंह के योगदान का स्मरण किया।

> कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की ओर से जिस प्रकार पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह के अंतिम संस्कार के स्थान एवं स्मारक निर्माण को लेकर राजनीतिक वितंडावाद खड़ा किया गया, उससे इतिहास के ऐसे पृष्ठ भी खुलने शुरू हो गए हैं, जो कांग्रेस की संकीर्णता को ही उजागर करते हैं। जैसा डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर के मामले में कांग्रेस उल्टी घिर गई, उसी प्रकार पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के मामले में भी घिर गई है। याद रहे कि भाजपानीत केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह के निधन के तत्काल बाद कैबिनेट की बैठक करके सात दिन का राजकीय शोक घोषित किया। और उनका स्मारक बनाने के संबंध में कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भी सूचित किया। भाजपा के प्रत्येक नेता ने शोक संवेदनाएं प्रकट कीं और डॉ. सिंह के योगदान का स्मरण किया। लेकिन अपनी खोयी हुई राजनीतिक जमीन पाने की छटपटाहट में कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री की 'सिख' पहचान को सामने रखकर उनके अपमान का वितंडावाद खड़ा करने का प्रयास किया।

लेकिन अपनी खोयी हुई राजनीतिक जमीन पाने की छटपटाहट में कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री की 'सिख' पहचान को सामने रखकर उनके अपमान का वितंडावाद खड़ा करने का प्रयास किया। लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के मुख्य चेहरे राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार उनके स्मारक के लिए निर्दिष्ट स्थान के बजाय निगम बोध घाट पर करके उनका अपमान करने का आरोप लगाया। यही आरोप कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी की बहन एवं सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा से लेकर अन्य नेताओं ने भी लगाए हैं। कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा पलटवार करती उससे पहले जनता ने ही कांग्रेस को आईना दिखाना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर लिखा जा रहा है कि डॉ. मनमोहन के सम्मान की चिंता करनेवाले राहुल गांधी ने सार्वजनिक रूप से एक प्रधानमंत्री के रूप में डॉ. सिंह को बौना साबित करने का काम किया था, जब राहुल गांधी ने उनकी कैबिनेट के निर्णय को सरेआम फाड़कर फेंक दिया था। उन पुस्तकों का भी जिक्र जा रहा है, जिनमें दावा किया गया है कि प्रधानमंत्री कार्यालय की सभी फाइलें सोनिया गांधी के पास जाती थीं। भारत के प्रधानमंत्री की छवि 'रबर स्टम्प' के रूप में बनाने का काम किसके समय में किया गया, इस प्रश्न का उत्तर भी जनता पूछ रही है। राहुल गांधी सहित समूची कांग्रेस को बताना चाहिए कि उसके ही कार्यकाल में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंहा राव का निधन हुआ, तब उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में राजघाट पर क्यों नहीं किया गया? राव के निधन के बाद लगभग 10 वर्ष तक कांग्रेस की सरकार रही लेकिन इसके बावजूद दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंहा राव का स्मारक क्यों नहीं बनाया गया? उनके शव को कांग्रेस कार्यालय में अंतिम दर्शन के लिए क्यों नहीं रखने दिया गया? राव की मृत देह को कांग्रेस कार्यालय के बंद दरवाजे के बाहर आधा घंटे तक अपमान झेलना पड़ा। याद रहे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर 2015 में पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंहा राव का स्मारक दिल्ली में बनाया गया और उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। भाजपा सरकार ने अपने विरोधी राजनीतिक दलों के बड़े नेताओं को सदैव सम्मान दिया है। त्रिमूर्ति भवन में सभी प्रधानमंत्रियों की स्मृतियों को संजोने का निर्णय भी भाजपा सरकार ने किया। कांग्रेस को धैर्य रखना चाहिए, भाजपा सरकार ही दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का स्मारक बनवायेगी। इस संबंध में कैबिनेट में निर्णय हो ही चुका है।

भारतीय राजनीति में एक संभावनाओं भरा राजनीति सफर ठहर गया, जो राष्ट्र के लिये एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है

उदारीकरण एवं आर्थिक सुधार के महासूर्य का अस्त होना!

ललित गर्ग

> डॉ. सिंह यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त राष्ट्रनायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, भारत में नये अर्थ के निर्माता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को आर्थिक महाशक्ति का एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. सिंह के निधन पर कहा है कि जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करना आसान बात नहीं है। एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।'

भारत के धुरंधर अर्थशास्त्री, प्रशासक, कद्दावर नेता, दो बार प्रधानमंत्री रह चुके डॉ. मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से आर्थिक सुधार का महासूर्य अस्त हो गया, भारतीय राजनीति में एक संभावनाओं भरा राजनीति सफर ठहर गया, जो राष्ट्र के लिये एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। वे निश्चित ही आर्थिक सुधारों एवं उदारीकरण के नींव के पत्थर थे, मील के पत्थर थे। वे आर्थिक सुधार की बुलंद आवाज थे। उन्हें आर्थिक सुधार, भारत में वैश्विक बाजार व्यवस्था एवं उदारीकरण का जनक कहा जा सकता है। जिन्होंने न केवल देश-विदेश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हो गये हैं। डॉ. सिंह यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त राष्ट्रनायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, भारत में नये अर्थ के निर्माता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को आर्थिक महाशक्ति का एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. सिंह के निधन पर कहा है कि जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करना आसान बात नहीं है। एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।' दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय वित्त मंत्री व प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार चलाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे, उनके लिये वे मार्गदर्शक ही नहीं, प्रेरणास्रोत भी है। वे बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेवाक व्यक्तित्व से भारतीय राजनीति एवं लोकतांत्रिक संस्थान चमकते रहे हैं। डॉ. सिंह ने भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोलने के

लिए उदारीकरण सुधार लागू किए। साथ ही, उन्होंने लाइसेंस राज समाप्त कर, निजीकरण और राज्य नियंत्रण में कमी की। डॉ. सिंह द्वारा विदेशी निवेश को आकर्षित करने के साथ निर्यात को प्रोत्साहित किया गया। डॉ. सिंह का जन्म ब्रिटिश भारत के पंजाब में 26 सितम्बर 1932 को हुआ था। उनकी जन्मतिथि भी 26 एवं निधन तिथि भी 26 एक संयोग ही कहा जायेगा। उनकी माता का नाम अमृत कौर और पिता का नाम गुरुमुख सिंह था। देश के विभाजन के बाद सिंह का परिवार भारत चला आया। डॉ. सिंह की पत्नी का नाम गुरशरण कौर है, जो कि एक गृहिणी और गायिका भी हैं। उनके तीन बेटियां हैं। पंजाब विश्वविद्यालय से उन्होंने स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। बाद में वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गये। जहाँ से उन्होंने पीएच. डी. की। तत्पश्चात उन्होंने आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल. भी किया। डॉ॰ सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वे पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 तथा 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ॰ सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किये गये। इसके तुरन्त बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। इसके बाद के वर्षों में वे योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमन्त्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे हैं। भारत के आर्थिक इतिहास में हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब डॉ॰ सिंह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मन्त्री रहे। डॉ. सिंह ने भारत के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में लगातार दो कार्यकाल पूरे किए हैं। पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम लागू किया। वहीं सूचना का अधिकार अधिनियम भी उनके कार्यकाल में आया। इसके अतिरिक्त उन्हें ऐतिहासिक भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता पर हस्ताक्षर के लिए भी जाना जाता है। दूसरे कार्यकाल में उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया। हालांकि, इस दौरान उन्हें 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला और राष्ट्रमंडल खेल घोटाले जैसे विवादों का भी सामना करना पड़ा। यह बात हम सभी जानते हैं कि उन्हें मौन पीएम भी कहा जाता था, हालांकि उन्होंने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए सार्वजनिक रूप से इसका सटीक जवाब भी दिया था। विकास के प्रति डॉ. सिंह की प्रतिबद्धता और उनकी अनेक उपलब्धियों को उन अनेक सम्मानों के माध्यम से मान्यता मिली है जो उन्हें प्रदान किए गए हैं। इनमें 1987 में पद्म विभूषण, 1993 में वित्त मंत्री के लिए यूरो मनी पुरस्कार, 1993 और 1994 में वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी पुरस्कार और 1995 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार शामिल हैं। जवाहर लाल नेहरू के बाद मनमोहन दूसरे ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के तौर पर दो कार्यकाल पूरा किया। उन्हें अपने फैसलों के लिए काफी अडिग माना जाता है। 2004 से 2014 तक, भारत दसवें स्थान से उठकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया, जिससे लाखों लोगों का जीवन स्तर सुधरा और गरीबी में कमी आई। डॉ. सिंह के दृष्टिकोण में केवल उच्च विकास नहीं, बल्कि समावेशी विकास और उस विश्वास की भी अहमियत थी जो सभी को ऊपर उठाने वाली लहरें उत्पन्न कर सके। यह विश्वास उनके द्वारा पारित किए गए विधेयकों में दिखाई देता है, जिनसे नागरिकों को भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, काम का अधिकार और सूचना का अधिकार सुनिश्चित हुआ। डॉ. सिंह की अधिकार-आधारित क्रांति ने भारतीय राजनीति में एक नए युग की शुरुआत की, जो समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर प्रदान करने का संकल्प था। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में समृद्धि और विकास की कहानी लिखी गयी। जुलाई 1991 में, डॉ. सिंह ने अपने बजट भाषण के अंत में कहा था, 'भारत का दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उदय एक ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है।' डॉ. सिंह को न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया, बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्हें न केवल उन छलांगों और सीमाओं के लिए याद किया जाएगा।

दृष्टि कोण

सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल या लूट का अड्डा

वैसे तो 2012 में प्रसारित किये गये आमिर ख़ान के प्रसिद्ध व लोकप्रिय धारावाहिक 'सत्यमेव जयते' में भारतीय स्वास्थ्य सेवाओं में व्याप्त धांधली व लूट जैसे अति गंभीर विषय को अत्यंत प्रभावी रूप से उठाया जा चुका है। इस में प्रमाणिक तरीक़े से यह बताया गया था कि किस प्रकार डॉक्टर्स द्वारा मरीज़ों को बिना ज़रुरत के दवाइयाँ दी जाती हैं और किस तरह मरीज़ों का ग़ैर ज़रूरी इलाज किया जाता है। इसमें कई ऐसे उदाहरण पेश किये गये थे जिससे यह साबित होता है कि स्वास्थ्य सेवाओं में किस तरह की धांधलियां हो रही हैं। 'सत्यमेव जयते' में यह भी दिखाया गया था कि आंध्र प्रदेश के एक गाँव में बड़ी संख्या में महिलाओं की बच्चेदानी (गर्भाशय) निकाल दिया गया, जबकि इसकी ज़रुरत ही नहीं थी। डॉक्टर्स द्वारा महिलाओं को यह बताया गया था कि अगर उन्होंने ऑप्रेशन नहीं करवाया तो उनकी जान चली जाएगी। जब कि इस कार्यक्रम में भाग ले रही एक सीनियर डॉक्टर का कहना था कि कैंसर के अलावा कोई और मामला नहीं होता जिसमें गर्भाशय को निकालना पड़े। इसी मंच पर यह भी बताया गया था कि कई बार मरीज़ों से दवाओं की क़ीमत पचास गुना ज़्यादा तक वसूली जाती है। तरह तरह के ग़ैर ज़रूरी फ़र्ज़ी टेस्ट करने के लिए मरीज़ पर दबाव बनाने जैसी अनेक बातें भी सामने आयी थीं। यहाँ तक कि सत्यमेव जयते में डॉक्टरों के व्यवसाय से लेकर मेडिकल कॉलेजों तक सभी पर निगरानी रखने वाली संस्था मेडिकल काउंसिल ऑफ़ इंडिया (एमसीआई) की गड़बड़ियों पर भी चर्चा की गई थी। परन्तु 'सत्यमेव जयते' द्वारा भारतीय चिकित्सा व्यवस्था में व्याप्त घोर भ्रष्टाचार व लूट के उजागर होने के बावजूद गत 12 वर्षों में इसमें कोई सुधार तो बिल्कुल नहीं आया,हाँ लूट खसोट में और अधिक इज़ाफ़ा ज़रूर हो गया है। और भारतीय चिकित्सा व्यवस्था में व्याप्त यह लूट अब इस हद तक पहुँच चुकी है जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। सीधे शब्दों में मरीज़ को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ देने के बारे में तो क़तई नहीं बल्कि उससे कितने अधिक से अधिक पैसे वसूले जा सकते हैं सारा ध्यान व अस्पतालों का सारा चक्रव्यूह इसी तरीक़े से रचा जा रहा है। और ऐसा हो भी क्यों न ? जब सुपर-स्पेशलिटी हॉस्पिटल, फ़ार्मा और हेल्थकेयर कम्पनीज़ द्वारा सत्ता को चुनावी बांड के रूप में इतने पैसे दे दिए जायें कि उनकी हर तरह की लूट पर सरकारें खामोश रहें ? ग़ौरतलब है पिछले दिनों जब सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर इलेक्टोरल बांड सार्वजनिक किये गए थे उन्हीं चुनावी बॉन्ड के आंकड़ों से पता चला था कि देश की कम से कम 30 फ़ार्मा और हेल्थकेयर कंपनियों ने 5 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के चुनावी बॉन्ड ख़रीदे थे जो कुल मिलाकर लगभग 900 करोड़ रुपये है। यह कुल 12,155 करोड़ रुपये की राशि का लगभग 7.4% है, जिसके लिए डेटा जारी किया गया था। नतीजतन आज सुपर-स्पेशलिटी हॉस्पिटल,फ़ार्मा और हेल्थकेयर फ़र्मों को इस बात की पूरी छूट मिल चुकी है कि वे मरीज़ की आर्थिक स्थिति के अनुसार जितना चाहे उसका दोहन कर सकते हैं करें। इनको मिली इस शाह का नतीजा है कि आज देश में प्रायः 44 % ऐसी झूठी सर्जरी की जा रही हैं जिनकी ज़रुरत ही नहीं। क़रीब 55 % ग़ैर ज़रूरी हार्ट सर्जरी, लगभग 48 % गर्भाशय सर्जरी क़रीब 47 % कैंसर सर्जरी,48 % घुटना बदलने वाली शल्य चिकित्सा 45 % प्रसव सर्जरी केवल धन ऐंठने हेतु पूरी तरह अकारण ही की जा रही हैं। यह कोई गढ़े हुये काल्पनिक आंकड़े नहीं बल्कि मार्च 2016 को भारत की एक संसदीय समिति द्वारा स्वीकार किये गये तथ्य हैं। सत्ता संरक्षित इन अस्पतालों को भी पूरी तरह से कॉर्पोरेट कम्पनी की ही तरह टारगेट आधारित व्यवसाय बना दिया गया है। अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिये हर महीने के अंत में इन डॉक्टर्स पर दबाव बढ़ता है और डॉक्टर्स को OPD के मरीज़ों को भी अकारण शल्य चिकित्सा (सर्जरी) की तरफ़ धकेलना पड़ता है। यूँही नहीं कई बड़े नामी सुपर-स्पेशलिटी हॉस्पिटल अपने सीनियर डॉक्टर्स को एक करोड़ रूपये प्रति माह तक तनख़्वाह देते हैं।

कुछ अलग

भ्रम फैलाने की राजनीति न हो

दिल्ली के विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो चुकी है। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के मुकाबले सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी अधिक सक्रिय और तैयारी के साथ दिखायी दे रही है। यही हाल रहे तो भाजपा और कांग्रेस इतना अधिक पीछे रह जाएंगे कि मुकाबले में आना मुश्किल हो जाएगा। जबकि दिल्ली की जनता के मन में उथल-पुथल है। राजनीति के विश्लेषक दावा कर रहे हैं कि दिल्ली की जनता अब बदलाव चाहती है। क्योंकि आआपा जिन वायदों को करके सत्ता में आई थी, उसका आचरण उनके सवर्था प्रतिकूल रहा है। भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन की कोख से जन्मी आआपा के नेता भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे दिखायी दे रहे हैं। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से लेकर अन्य प्रमुख नेताओं ने सादगीपूर्ण जीवन का वायदा किया था लेकिन मुख्यमंत्री निवास के लिए बनवाया गया 'शीशमहल' कुछ और ही हकीकत बयान कर रहा है। बहरहाल, जनता का मन आआपा के नेता भी पढ़ पा रहे हैं इसलिए वे पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतर चुके हैं। चुनाव जीतने के लिए आआपा की ओर से हर संभव प्रयास प्रारंभ हो गए हैं। अपने प्रतिद्वंद्वियों के प्रति 'सूत्रों' के हवाले से अफवाहें फैलाने से लेकर मतदाताओं को लुभाने के प्रयास आआपा के सामान्य नेता से लेकर शीर्ष नेता के द्वारा किए जा रहे हैं। अरविंद केजरीवाल एवं उनकी पार्टी को यह बात ध्यान में आ गई है कि महिला मतदाताओं को अपने पाले में करना है तो अन्य राज्यों में प्रारंभ हुई नकद सहायता देने की योजना की घोषणा दिल्ली की महिलाओं के लिए भी कर देना चाहिए। याद रहे कि भारत की राजनीति में 'रेवड़ी कल्चर' को लोकप्रिय बनाने में आम आदमी पार्टी की ही प्रमुख भूमिका है। चुनाव जीतने के लिए आआपा की ओर से बाकायदा 'मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना' के तहत महिलाओं को 2100 रुपये देने के प्रारूप भरवाए जा रहे हैं। महिलाएं भी खूब उत्साह से यह फॉर्म भर रही हैं। लेकिन मामला तब बिगड़ गया जब दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से एक विज्ञापन जारी कर इस योजना को 'फ्रॉड' बताया गया। विभाग ने स्पष्ट किया है कि ऐसी कोई योजना आधिकारिक तौर पर अधिसूचित नहीं की गई है। कोई भी राजनीतिक दल 'मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना' के नाम पर आवेदकों से जानकारी एकत्र कर रहा है, तो वह धोखाधड़ी कर रहा है। इस विज्ञापन के बाद भाजपा और कांग्रेस दोनों ही आआपा पर हमलावर हो गईं। कांग्रेस की ओर से तो थाने में फर्जीवाड़े की शिकायत दर्ज करा दी गई है। आआपा के कुछ नेता भी इस प्रकार के फर्जीवाड़े पर अपनी ही पार्टी की आलोचना कर रहे हैं। वहीं, आआपा की ओर से कहा जा रहा है कि भाजपा के दबाव में आकर अफसरों ने यह झूठा विज्ञापन प्रकाशित कराया है। अरविंद केजरीवाल का दावा है कि महिला सम्मान योजना के अंतर्गत 1000 रुपए देने की योजना स्वीकृत हो चुकी है, चुनाव में जीतने के बाद इसे 2100 रुपये किया जाएगा। हालांकि, फिलहाल सच्चाई यही है कि दिल्ली में महिलाओं को अभी तक किसी प्रकार की 'मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना' की राशि नहीं मिलती है। यह मामला कितना तूल पकड़ेगा और किसके पक्ष में जाएगा, यह तो आनेवाला समय ही बताएगा। परंतु, चुनाव जीतने के लिए भ्रामक दावों एवं कार्यों से प्रत्येक दल को बचना चाहिए। जनता को भ्रमित करके वोट हथियाना, लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं है।

देश दुनीया से

कट्टरपंथियों के वर्चस्व से बढ़ी वैश्विक चिंताएं

पिछले दिनों मिडल ईस्ट के सीरिया में जो तख्तापलट की घटना हुई उसके बाद अरब स्प्रिंग फिर चर्चा के केन्द्र में आ गया है। अरब स्प्रिंग या क्रांति के दौरान मध्यपूर्व में दशकों से सत्ता के केन्द्र में रहे शाही परिवारों व सैन्यशासकों को रुख्सत होना पड़ा था। सैन्य शासकों की ज्यादतियों और तानाशाही के खिलाफ ट्यूनीशिया में जो चिंगारी सुलगी उसने अरब गणतंत्र की कई बड़ी शक्तियों को अपनी जद में ले लिया था। मिस्र के हुस्नी मुबारक हो या लीबिया के कर्नल गद्दाफी- इन तनाशाही शासकों को या तो देश छोड़कर भागना पड़ा या मौत के घाट उतार दिए गए। यमन के अली अब्दुल्ला सालेह के साथ भी ऐसा ही हुआ। तानाशाहों की सत्ता किस तरह से कुछ ही क्षणों में भरभराकर गिर जाती है, उस वक्त दुनिया ने देखा था। रूस और ईरान जैसी बड़ी ताकतों के साथ मिल जाने के कारण उस वक्त सीरिया का 'प्रेसिडेंशियल पैलेस' विद्रोहियों की पहुंच से बच गया था। अब जिस ढंग से सीरिया में तानाशाह राष्ट्रपति बशर-अल-असद को देश छोड़कर भागना पड़ा है उसे देखकर अरब स्प्रिंग की याद ताजा हो जाती है। तख्तापलट के बाद विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के नेता मोहम्मद अल-जुलानी ने मोहम्मद अल-बशीर को कार्यवाहक सरकार का मुखिया नियुक्त करते हुए जन सहमति से सरकार बनाने की बात कही है। उन्होंने अल्पसंख्यकों को सुरक्षा देने का वादा किया है। लेकिन साथ में उन्होंने यह भी कहा है कि शासन इस्लामिक सिद्धांतों पर आधारित होगा। इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) की वजह से सीरिया पहले से ही काफी खराब स्थिति में है। अब जुलानी की जिस तरह से इस्लामिक सिद्धांतों के आधार पर शासन चलाने की योजना है उससे वैश्विक समुदाय की चिंता बढ़ गई है। खासतौर से ईरान की। तख्तापलट के बाद जिस तरह से विद्रोही गुट के लड़ाकों की ओर से असद समर्थकों पर अत्याचार की तस्वीरें सामने आ रही हैं, उसे देखते हुए यह सवाल उठने लगा है कि कहीं सीरिया फिर से आईएसआईएस की गिरफ्त में तो नहीं आ जाएगा। यह सवाल इसलिए भी अहम हो जाता है क्योंकि एचटीएस अलकायदा की कोख से ही निकला हुआ आतंकी संगठन है। सीरिया में शासन व्यवस्था का स्वरूप कैसा होगा यह देखना भी काफी दिलचस्प होगा। एचटीएस नेतृत्व वाले समूह में तुर्किये की समर्थन वाली सीरिया राष्ट्रीय सेना अर्थात् एसडीएफ के शामिल होने की बात भी कही जा रही है। अगर ऐसा होता है तो सीरिया की पूरी व्यवस्था एचटीएस, कुर्द, एसडीएफ और स्थानीय मिलिशिया समूहों में बंटी हुई दिखाई देगी। ऐसे में अत्याधुनिक हथियारों से सुसज्जित और परस्पर विपरीत हितों के लिए संघर्षरत इन गुटों के बीच एकता और शांति की बात करना हाथी को सूई के छेद से निकालने के बराबर होगा। ऐसे में सीरिया और उसकी अवाम का भविष्य क्या होगा, यह प्रश्न भी कौतूहल बढ़ा रहा है। पूरे घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि क्रांति के दौरान रूस और ईरान जैसे देशों द्वारा राष्ट्रपति बशर-अल-असद और उनके समर्थकों को जो हथियार दिए गए थे, उनका क्या होगा। हथियारों का यह जखीरा सीरिया की सत्ता पर काबिज चरमपंथी गुटों के हाथ लग गया तो इसका उपयोग वह कब, कहां और किस रूप में करेंगे, यह प्रश्न सीरियाई अवाम के लिए जितना चिंताजनक है, उससे कहीं अधिक विश्व समुदाय के लिए भी है।

कुल 3.35 करोड़ की आबादी वाला सीरिया आर्थिक व भू-राजनीतिक दृष्टि से पश्चिम एशिया का अत्यंत महत्वपूर्ण देश है। इसकी सीमाएं इराक, तुर्कीये, जॉर्डन, लेबनान व इस्राइल जैसे देशों से लगती हैं। सीरिया पर नियंत्रण अहम व्यापार मार्गों, ऊर्जा गलियारों तक पहुंच प्रदान करता है। पश्चिमी एशिया में वह रूस का सबसे भरोसेमंद पार्टनर रहा है। ऐसे में सवाल यह भी उठ रहा है कि अचानक असद की सत्ता का अंत कैसे हो गया। दरअसल, अरब स्प्रिंग के दौरान जब सीरिया में बशर-अल-असद के खिलाफ प्रदर्शनों का सिलसिला शुरू हुआ तो उस वक्त रूस और ईरान की मदद से असद उसे कुचलने में कामयाब हो गये थे। लेकिन अब स्थिति पूरी तरह से बदल चुकी है। रूस और ईरान दोनों ही अपनी-अपनी समस्याओं में उलझे हुए हैं। पुतिन यूक्रेन को निपटाने में व्यस्त हैं। अली खामेनेई इस्राइली मोर्चे पर डटे हुए हैं। रणनीतिक हित और भू-राजनीतिक स्थितियां भी दोनों नेताओं के हाथ बांधे हुए हैं। रूस को लगता है कि यूक्रेन युद्ध अब अपने अंतिम चरण में है। ऐसे में वह यूक्रेन के अधिक से अधिक भू-भाग पर कब्जा करना चाहता है ताकि संघर्ष विराम की स्थिति में वह उसे अपने पास रख सके। इस रणनीतिक हित के कारण वह अपनी पूरी सैन्य क्षमता के साथ यूक्रेन के मोर्चे पर डटे रहना चाहता है। दशकों तक असद की ढाल बने रहने वाला ईरान भी हमास और हिजबुल्ला के सर्वोच्च कमांडरों के मारे जाने के बाद खौफ की स्थिति में है। अमेरिका और इस्राइली हमले के अंदेशे के चलते वह सीरिया में सीधे हस्तक्षेप से बच रहा है। लब्बोलुआब यह कि 2011 जैसी स्थिति अब नहीं थी। ऐसे में रूस और ईरान की नाक का बाल बने असद अकेले पड़ गए थे। विद्रोही गुटों ने हालात का फायदा उठाया और दमिश्क पर चढ़ाई कर दी। हालांकि, पिछले कई वर्षों से असद की शिया सरकार और विभिन्न चरमपंथी गुटों के बीच संघर्ष चल रहा था। लेकिन जिस नाटकीय ढंग से असद सरकार का पतन हुआ और जिस तरह से वहां की फौज ने बिना लड़े ही हथियार डाले हैं, उस पर भी सवाल उठ रहे हैं। अब असद सरकार के पतन के बाद जिस तरह से इस्राइली सेनाओं द्वारा गोलान के पहाड़ी रास्तों से सीरिया के अंदर हमले करने के समाचार आ रहे हैं, उससे शक की सूई मोसाद (इस्राइल की खुफिया एजेंसी) की ओर भी घूम रही है। पश्चिम एशिया में इस्राइल ही एक ऐसा देश है जिसे असद सरकार के पतन का सबसे बड़ा लाभकारी पक्ष कहा जा रहा है। वह शुरू से ही यहां सीमाओं के विस्तार और बफर जोन के निर्माण की नीति में जुटा हुआ है। सीरियाई सेना की क्षमता को कुंद करना उसका इसी नीति का हिस्सा हो सकता है। हालांकि, असद सरकार के पतन के बाद अब दुनिया के कई ताकतवर देश वहां हालात सामान्य बनाने की कोशिशों में लगे हुए हैं लेकिन अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद जिस तरह से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में इस्लामिक चरमपंथ का उभार हो रहा है, उसे देखते हुए सीरिया की सत्ता पर काबिज एचटीएस लोकतांत्रिक व्यवस्था के मार्ग पर आगे बढ़ेगा, यह संदेहास्पद ही है।

आप का नजरीया

एक नयी चुनौती बांग्लादेश

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार जिस तरह के कदम उठा रही है, उससे भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में बेहतरी आने के बजाय खटास और बढ़ने के आसार दिख रहे हैं। खासकर, जिस तरह से बांग्लादेश की पाकिस्तान से करीबी बढ़ रही है, वह भारत के लिए सिरदर्द साबित हो सकता है। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन सहज लोकतांत्रिक प्रक्रिया का परिणाम नहीं था। इसलिए उसके बाद थोड़ी अफरातफरी स्वाभाविक थी। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ ही जिस तरह से हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का सिलसिला शुरू हुआ, वह अंतरिम सरकार गठित होने के बाद भी जारी रहा। यह इस बात का संकेत था कि बांग्लादेश का नया नेतृत्व या तो इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों के प्रभाव में है या उन पर अंकुश लगाने में असमर्थ है। बांग्लादेश के साथ हमारी सबसे लंबी सीमारेखा लगती है। इसलिए भी बांग्लादेश में चल रहा घटनाक्रम सीधे तौर पर भारत को प्रभावित करता है। भारत ने ठीक ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से बार-बार कहा कि वह अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। मगर वहां की सरकार ठोस कदम उठाने के बजाय हिंसा की इन घटनाओं को झुठलाने में लगी रही। इसके साथ ही उसने ऐसा रुख अपनाना शुरू किया जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ सकता है। इसी रुख का नवीनतम उदाहरण है बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग। दोनों देशों के बीच हुई प्रत्यर्पण संधि में राजनीतिक प्रत्यर्पण की बात नहीं है, फिर भी इस संधि के हवाले से उस पर जोर दिया जा रहा है। भारत ने इस पर चुप्पी बनाए रखी है, लेकिन यह सवाल तो है ही कि क्या बांग्लादेश की अंतरिम सरकार जाने-अनजाने इस मांग के जरिए उसे असुविधाजनक स्थिति में डालने की इच्छा रखने वालों का अजेंडा आगे बढ़ा रही है। यह सब जैसे काफी न था, बांग्लादेश की सरकार ने पाकिस्तान के साथ आश्चर्यजनक तेजी से संबंध सुधारने शुरू कर दिए। हालांकि कोई भी देश किसी भी अन्य देश से रिश्ते सुधारता है तो इसमें आपत्तिजनक कुछ भी नहीं है, लेकिन जिस तरह से पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के साथ हुई मुलाकात में बांग्लादेशी सरकार के मुख्य कर्ता-धर्ता मोहम्मद यूनुस ने 1971 के मसले सुलटाने की बात कही, बांग्लादेशी सेना को पाक सेना के जरिए ट्रेनिंग दिलाने की प्रक्रिया शुरू हो गई और बगैर जांच पड़ताल के पाकिस्तानी जहाज एवं पाक नागरिकों को प्रवेश दिया जाने लगा है, वह सामान्य बात नहीं है। पहले ऐसा देखा गया है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI ने बांग्लादेश के जरिये भारत में आतंकवाद और उग्रवाद बढ़ाने की कोशिश की थी। वह फिर से ऐसी कोशिशें कर सकती है। ऐसे में भारत को बांग्लादेश सीमा को लेकर सतर्कता बढ़ानी होगी। भारत पहले से ही पाकिस्तान और चीन की ओर से चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में नयी चुनौती के रूप में बांग्लादेश का खड़े होना, भारत की समस्याएं बढ़ा सकता है। देखना होगा कि भारत सरकार बांग्लादेश नाम की इस नयी समस्या से निजात पाने के लिए क्या कदम उठाती है। यह तो तय है कि फिलहाल बांग्लादेश में भारत विरोधी ही नहीं मानवता के विरुद्ध बयार बह रही है।

जब असद ने अपने ही लोगों पर बरसाए थे केमिकल बम

करीब दो हजार लोग मारे गए, आज भी वह शहर है वीरान

दमिश्क

शनिवार देर रात सीरिया के जमाल्का में रहने वाले मोहिद्दीन खाबून गहरी नींद में सो रहे थे। अचानक तेज धमाके हुआ और उनकी नींद टूट गई। आंखों में तेज जलन हुई और दिखना बंद हो गया।

वे घर से बाहर की तरफ भागे। सड़क पर गिरकर बेहोश हो गए। होश आया, तो पता चला बीवी, दो जवान बेटे और भाई अब जिंदा नहीं हैं। मोहिद्दीन कहते हैं कि हमारा बदला अल्लाह लेगा।

मोहिद्दीन और उनके जैसे हजारों लोग जमाल्का में हुए केमिकल अटैक के जिंदा गवाह हैं। अगस्त, 2013 में राष्ट्रपति बशर-अल-असद की सेना ने इस शहर पर जहरीली गैस वाले बम बरसाए थे। करीब दो हजार लोग मारे गए। सीरिया में तब तक गृह युद्ध शुरू हुए दो साल हो चुके थे। फ्री सीरियन आर्मी और असद की सेना में जंग चल रही थी। जंग में पहली बार असद सरकार ने अपने ही लोगों पर केमिकल बम बरसाए थे। उनका कसूर इतना था कि वे विद्रोही गुट के कब्जे वाले इलाके में रह रहे थे।

असद सरकार ने मान लिया कि ये लोग उसके खिलाफ और फ्री सीरियन आर्मी के साथ हैं। आज जमाल्का 11 साल बाद भी वीरान पड़ा है। 8 दिसंबर को विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) ने राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया था। अब असद सरकार नहीं रही।

उसके सत्ता में रहते हुए केमिकल अटैक वाले इलाकों तक पहुंचना और मारे गए लोगों की कहानी बहुत दर्द भरी है। यहां कई लोगों ऐसे भी हैं जिनका पूरा परिवार केमिकल अटैक में खत्म हो गए। वह अकेले ही जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

दक्षिण कोरिया में रनवे से फिसला विमान, 28 यात्रियों की मौत, मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका

सियोल। दक्षिण कोरिया के मुआन अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर रविवार को एक विमान में आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे में कम से कम 28 यात्रियों की मौत हो गई। मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। जानकारी के अनुसार यह विमान जेजू एयर का था और बोइंग 737-800 था। यह 174 यात्रियों और 6 क्रू मेंबर सहित 180 लोगों को लेकर बैंकॉक से लौट रहा था। विमान रनवे से फिसल कर दीवार से टकरा गया, जिसके बाद उसमें आग लग गई। एयरपोर्ट पर तैनात फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल हरकत में आई। आग पर काबू पा लिया गया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य जारी है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही कजाकिस्तान में एक विमान हादसा हुआ जिसमें सवार 67 लोगों में से 38 की मौत हो गई थी।

उडब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कहा- आज भी गूंज रही है धमाकों की आवाज, इजराइली हमले में बाल-बाल बचे टेडरोस ने सुनाई आपबीती

सना। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेडरोस अदनोम गेब्रेहेसुस ने दावा किया कि वह यमन की हूती विद्रोही-नियंत्रित राजधानी सना के हवाई अड्डे पर हुए इजरायली हवाई हमलों में बाल-बाल बचे थे। टेडरोस का कहना है कि हमलों के बाद उनके कानों में अभी भी आवाज गूंज रही है। उन्होंने कहा कि वह सना हवाई अड्डे पर फ्लाइट का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत नागरिकों की सुरक्षा के लिए जो प्रावधान हैं, उनका आदर करना चाहिए। बता दें कि गुरुवार को इजरायल ने सना के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और अन्य स्थानों को निशाना बनाया था। इन हमलों को लेकर इजरायल ने कहा था कि वह विद्रोहियों को निशाना बना रहे हैं। यह हमला 19 दिसंबर के बाद दूसरी बार हुआ था, जब इजरायल ने यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों को निशाना बनाया था।टेडरोस ने इस हमले का जिक्र करते हुए कहा कि आवाज इतनी जोरदार थी कि वह सुन्न रह गए। उन्होंने कहा कि विस्फोट इतना भयंकर था जिसे मैं बयां नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक कई धमाके हुए जिसने उन्हें हिलाकर रख दिया ।

तालिबान ने पाकिस्तान की दो चौकियों पर किया कब्जा, कई सैनिकों को मौत के घाट उतारा

काबुल। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच युद्ध के हालात बन गए हैं। पाकिस्तान की तरफ से अफगानिस्तान पर लगातार एयर स्ट्राइक हो रही है, जिसकी वजह से दोनों के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। इसी बीच तालिबान के 15 हजार लड़ाके पाकिस्तान की ओर बढ़ रहे हैं। और बताया ये भी जा रहा है कि तालिबान ने पाकिस्तान की दो चौकियों पर कब्जा कर लिया है और कई सैनिकों को हत्या कर दी। तालिबान के लड़ाकों से निपटने के लिए पाकिस्तान की सेना और वायुसेना ने पेशावर और क्वेटा में सेना तैनात कर दिया है। पाकिस्तानी सेना की कुछ टुकड़ियां अफगान सीमा पर पहुंच गई है। दूसरी ओर अफगान के तालिबान लड़ाके मीर अली सीमा पर पहुंच चुके हैं। अफगानिस्तान की तालिबान सेना ने पाकिस्तान सीमा के नजदीक गोलीबारी की। वहीं, जानकारी सामने आई है कि तालिबान के लड़ाकों ने पाकिस्तान दो चौकियों को तबाह कर दिया है। वहीं, कई सैनिकों के मारे जाने की खबर सामने आई है। दोनों देश क्यों आए आमने-सामने स्थानीय मीडिया के अनुसार अफगानिस्तान ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच की सीमा डूरंड रेखा को खारिज कर दिया है।

शपथ के पहले ट्रंप को मिला अरबों का नजराना

अमेरिका के कारोबारियों में दहशत

न्यूयॉर्क

अमेरिका के बहुचर्चित डोनाल्ड ट्रंप जनवरी माह में राष्ट्रपति पद की शपथ लेने जा रहे हैं। शपथ के पहले ही अमेरिका के इतिहास में पहली बार डोनाल्ड ट्रंप को नजराने के रूप में चंदा दिया जा रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप ने 1700 करोड रुपए का चंदा एकत्रित करने का लक्ष्य तैयार किया है। अमेरिका में इसके पहले कभी भी राष्ट्रपति का चुनाव हो जाने के बाद शपथ के लिए चंदा नहीं लिया जाता था। शपथ ग्रहण के पहले जो लोग चंदा दे रहे हैं। उनमें अमेरिका के बड़े-बड़े कारोबारी शामिल हैं। इन लोगों ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपने आप को या तो चुनाव से दूर रखा था, या कमला हैरिस के पक्ष में चुनाव मैं काम कर रहे थे। उन सभी कंपनियों द्वारा अब बड़े पैमाने पर डोनाल्ड ट्रंप को चंदा दिया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 1275 करोड रुपए का चंदा ट्रंप इनॉग्रेशन के लिए जमा हो चुका है। अमेरिका की राजनीति में वित्तीय पारदर्शिका के समर्थक ब्रेडन ग्लेविन का कहना है। कंपनियों की ओर से दिया जा रहा है। यह चंदा एक तरह से शपथ के पहले दिया जा रहा नजराना है।

ट्रंप के साथ डिनर 42 करोड़ में

शपथ ग्रहण समारोह के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित दिए जा रहे हैं। 17 जनवरी से यह कार्यक्रम शुरू हो जाएंगे। ट्रंप -मिलेनिया और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा के साथ डिनर के लिए 42 करोड़ चंदे में लिए जा रहे हैं। इस तरह के आठ कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

ट्रंप विरोधी भी दे रहे हैं चंदा

अमेरिका में चंदे का धंधा अब खुलकर सामने आ गया है। ट्रंप के विरोधी भी बड़ी मात्रा में चंदा दे रहे हैं। मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग, अमेजॉन के सीईओ जैस बेजोस ने भी शपथ ग्रहण समारोह के लिए 85-85 करोड रुपए का चंदा, ट्रंप की पार्टी को दिया है। अन्य विरोधी कंपनियों के मालिक भी भर भर कर ट्रंप को शपथ ग्रहण समारोह के लिए चंदा दे रहे हैं. चंदे का धंधा अब अमेरिका में भी चर्चाओं में आ गया है।

टेक्सास और मिसिसिपी में तूफान से दो लोगों, की मौत, छह घायल

टेक्सास। टेक्सास और मिसिसिपी में आए कई तूफानों में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए। तूफान से कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए और ढेरों वाहन पलट गए। 'ब्राजोरिया काउंटी शेरिफ' कार्यालय की प्रवक्ता मैडिसन पोलस्टन ने बताया कि ह्यूस्टन के दक्षिण में स्थित लिवरपूल क्षेत्र में एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं। पोलस्टन ने बताया कि लिवरपूल और हिलक्रेस्ट विलेज तथा एल्विन के बीच काउंटी में कई स्थान तूफान से प्रभावित हुए। उन्होंने बताया कि अब तक अधिकारियों को लगभग 10 क्षतिग्रस्त मकानों के बारे में पता चला है लेकिन वे अब भी नुकसान के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। मिसिसिपी आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता के अनुसार मिसिसिपी में एडम्स काउंटी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और फ्रैंकलिन काउंटी में दो लोग घायल हो गए।

बूचड़खाने में मांस को गोदती दिखी खूबसूरत लडकी

काहिरा

सोशल मीडिया पर एक सुंदर हसीना बूचड़खाने में ऐसा काम करती हुई नजर आ रही है, जो आमतौर शायद ही किसी ने देखा होगा। ये लड़की सोने के जेवरात से लदी हुई है और अपने हाथों में चाकू लेकर मांस को ऐसे गोद रही है मानो ये कोई कसाई हो।

सोशल मीडिया पर लड़की के इस वीडियो को लोग खूब देख रहे हैं। वायरल हो रहे इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि हरे रंग के लिबास में बुरका पहनी हुई लड़की बूचड़खाने में जाती है। वो बेहद ही खूबसूरत है। गले से लेकर हाथ तक में उसने ढेर सारे सोने के जेवरात पहन रखे हैं।

सोने के जेवरात को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि लड़की बहुत अमीर होगी। लेकिन वो खुद बूचड़खाने में क्यों गई तो अगले ही पल आपको इसका जवाब भी मिल जाएगा। बूचड़खाने में वो अपने हाथों में बड़ा सा चाकू लेकर मांस के टुकड़े को ऐसे काट रही है मानो ये उसका पेशा हो। ऐसे में जब हमने इस प्रोफाइल को चेक किया तो पता चला कि सच में ये लड़की एक पेशेवर कसाई है, जिसका नाम लोमा हसन है। ये इजिप्ट और सउदी अरब में कसाई का काम करती है। साथ ही साथ सोशल मीडिया पर इससे जुड़े पोस्ट भी शेयर करती है।

लोमा के पोस्ट को लोग खूब पसंद करते हैं। इंस्टाग्राम पर 2 लाख 63 हजार से ज्यादा लोग लोमा को फॉलो करते हैं। बात लोमा के इस वायरल वीडियो की करें तो इसे अब तक 68 लाख से भी ज्यादा बार देखा जा चुका है। वहीं, लगभग 1 लाख 90 हजार लोगों ने इसे लाइक किया है, जबकि लगभग 97 हजार बार ये वीडियो शेयर किया गया है। इस वीडियो पर अब तक 8 हजार के करीब कमेंट्स आए हैं, जिसमें ज्यादातर लोगों ने आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणी ही किए हैं। हालांकि, कई लोगों को इस कसाई लड़की की खूबसूरती भा गई। इशु नाम शख्स ने लिखा है कि समझ तो नहीं आया कुछ, फिर भी लाइक कर दिया। सबा नाम की महिला यूजर ने लिखा है कि वाकई में हिम्मत है, तभी ये काम कर पा रही हो। बता दें कि सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियो वायरल होते हैं, जिन्हें देखकर हैरानी होती है। इनमें से कई वीडियोज में लड़कियां अपनी खूबसूरत अदाओं से हटके अंदाज का काम करती हुई नजर आती हैं। इनमें से किसी वीडियो में कोई लड़की बॉडी बिल्डिंग करती हुई दिख जाती है, तो कोई दुल्हन के अंदाज में बन-संवरकर बाइक को तेज रफ्तार में दौड़ाती है। वहीं, कोई महिला ऐसा काम करती है, जिसे देखकर सभी चौंक जाते हैं।

किम जोंग की नेताओं के साथ बैठक

प्योंगयांग में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन देश की सत्ताधारी पार्टी के नेताओं की एक बैठक हुई।

नेपाल-भारत संयुक्त सैन्य अभ्यास मंगलवार से

काठमांडू

नेपाल-भारत संयुक्त सैन्य अभ्यास का 18वां संस्करण मंगलवार से रूपनदेही जिले के सलझंडी में शुरू हो रहा है। इस सैन्य अभ्यास में सहभागी होने के लिए भारतीय सेना की टोली नेपाल पहुंच चुकी है।

सूर्यकिरण नामक बटालियन स्तर का यह संयुक्त सैन्य अभ्यास जंगल युद्ध, कठिनाई भूगोल में आतंकवाद का मुकाबला, संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार शांति मिशन, आपदा प्रबंधन और राहत मानवीय सहायता, आंतरिक क्षमता निर्माण और पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित है।

दो सप्ताह के लंबे प्रशिक्षण में नेपाली सेना की श्री जंग बटालियन और भारतीय सेना की 11वीं गोरखा राइफल शामिल होगी। नेपाली सेना के प्रवक्ता गौरव कुमार केसी ने बताया कि संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण से नेपाल और भारत के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों और विश्वास को बढ़ावा देने तथा सांस्कृतिक संबंधों का विस्तार करने की उम्मीद है। इसके साथ व्यावसायिक सहयोग भी बढ़ाया जाएगा।

संयुक्त अभ्यास का 17वां संस्करण पिछले वर्ष भारत के पिथौरागढ़ में आयोजित किया गया था। अब तक, संयुक्त प्रशिक्षण में भाग लेने वाले नेपाली सेना के व्यक्तियों की संख्या 4,215 तक पहुंच गई है, जबकि भारतीय पक्ष से यह संख्या 4,442 है।

इजरायल ने गाजा के अस्पताल को किया सीज, हमास के सैकड़ों लड़ाकों को पकड़ा

तेलअवीव

इजरायल के सैनिकों ने गाजा के एक अस्पताल को सीज कर दिया और वहां से करीब ढाई सौ हमास के लड़ाकों को पकड़ लिया है। नॉर्थ गाजा स्थित कमाल अदवान हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. हुस्साम अबू सफिया सहित 240 से अधिक फिलिस्तीनियों को हिरासत में लिया है।

इजरायली सैनिकों ने पहले को इस हॉस्पिटल पर छापा मारा था और अस्पताल के आसपास अपने ऑपरेशन का एक वीडियो जारी किया था। रिपोर्ट के मुताबिक इजरायली सेना ने कहा कि कमाल अदवान अस्पताल का इस्तेमाल हमास के सैन्य अभियानों के लिए कमांड सेंटर के रूप में किया जा रहा था और गिरफ्तार किए गए सभी संदिग्ध हमास के आतंकवादी हैं।

वहीं दूसरी तरफ हमास ने इजरायल के इस दावे को झूठ बताते हुए खारिज कर दिया है कि गाजा युद्ध के दौरान उसके लड़ाके कमाल अदवान अस्पताल से ऑपरेट कर रहे थे, और कहा कि कोई भी लड़ाका अस्पताल में नहीं था। हमास ने अभी तक 240 गिरफ्तारियों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कुछ मरीजों को कमाल अदवान से इंडोनेशियाई अस्पताल ले जाया गया, जो सेवा में नहीं है, और डॉक्टरों को उनके साथ वहां जाने से रोक दिया गया। अन्य मरीजों और मेडिकल स्टाफ को दूसरे अस्पतालों में ले जाया गया।

पहले 350 मरीजों और चिकित्सा कर्मियों रेस्क्यू किया

इजरायली सेना ने कहा कि कमाल अदवान ऑपरेशन से पहले 350 मरीजों और चिकित्सा कर्मियों को अस्पताल से रेस्क्यू किया गया था, जबकि अन्य 95 को स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के समन्वय से ऑपरेशन के दौरान इंडोनेशियाई अस्पताल में पहुंचाया गया। पिछले साल 7 अक्टूबर से गाजा में हमास के खिलाफ इजरायल के सैन्य अभियान में 45,400 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं, करीब 23 लाख लोग विस्थापित हुए हैं।

बहुजन समाज पार्टी के लिए मायूसी भरा रहा वर्ष-2024

-उपचुनाव में भी मिली करारी हार, पार्टी खोती जा रही जनाधार

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में 30.43 फीसदी मत हासिल कर 2007 में अपने बलबूते सरकार बनाने वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का प्रदर्शन साल दर साल खराब होता ही जा रहा है। वर्ष 2024 की बात करें तो पहले कयास लगाया जा रहा था कि गठबंधन करके बसपा कुछ बेहतर कर सकती है, लेकिन लोकसभा चुनाव में अकेले चुनाव लड़ने का फैसला 9.27 फीसदी मत तक पहुंचा दिया। रही सही कसर उपचुनाव में पूरी हो गई और किसी भी उम्मीदवार की जमानत तक नहीं बच सकी। इस प्रकार साल 2024 बसपा के लिए पूर्णतया मायूसी भरा रहा और कार्यकर्ता भी हताश हो चुके हैं, लेकिन अभी भी पार्टी का करीब 10 फीसदी वोट कभी भी राजनीति की नई दिशा लिख सकता है। यह वह मतदाता है जिसे अगर कट्टर कहा जाये तो अतिशयोक्ति नहीं होगी, क्योंकि हाल ही में बसपा प्रमुख मायावती के एक निर्देश पर बाबा साहब के अपमान को लेकर पूरे प्रदेश में सड़कों पर यह कार्यकर्ता उतरकर विरोध दर्ज कराने में पीछे नहीं हटे। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के उत्थान में अगर किसी पार्टी को सबसे अधिक नुकसान हुआ है तो वह है बहुजन समाज पार्टी। हालांकि सपा को भी नुकसान हुआ है, लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव में सत्ता से दूर रहने के बाद मत प्रतिशत में अपने अधिकतम को पार करने में सफल रही। यही नहीं 2024 के लोकसभा चुनाव में भी सपा अपने 35 सीटों के जीतने का रिकार्ड ध्वस्त कर 37 सीटें जीतने में सफल रही। इस प्रकार सपा उत्तर प्रदेश में संघर्ष करती दिख रही है, लेकिन बसपा का जनाधार जिस तरह से चुनाव दर चुनाव खिसक रहा है उसको लेकर पार्टी का वह खेमा भी हताश है जो मिशन से जुड़ा है।

2024 में लोकसभा चुनाव था अवसर - 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी के लिए अनुकूल माहौल न होने के बावजूद सपा से गठबंधन होना बसपा के लिए फायदेमंद साबित हुआ और बसपा अकेले 10 सीट जीतने में सफल रही। इसके बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में जब जनता के बीच संविधान का मुद्दा छाने लगा तो बसपा के लिए यह सुनहरा अवसर था और कयास लगाया जाने लगा कि बसपा गठबंधन करके चुनाव लड़ेगी, पर ऐसा नहीं हो सका। पार्टी ने अकेले चुनाव लड़ने का फैसला लिया और जब परिणाम आया तो सीटें जीतना तो दूर मत प्रतिशत 19.43 से 9.27 फीसदी जा पहुंचा। इस प्रकार 2007 में पूर्ण सत्ता की सरकार बनाने के दौरान मिले मत 30.43 से एक तिहाई के नीचे पार्टी का प्रदर्शन पहुंच गया। रही सही कसर 2024 के विधानसभा उपचुनाव में पूरी हो गई और पार्टी के सभी उम्मीदवारों की जमानत तक जब्त हो गई। इससे साफ जाहिर होता है कि दलित वोटरों ने बसपा से दूरी बना ली और पार्टी के लिए 2024 का साल मायूसी भरा रहा।

कहीं विकल्प न बन जाये चन्द्रशेखर - उत्तर प्रदेश की राजनीति में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) तेजी से दलितों, पिछड़ों व अल्पसंख्यकों या यूं कहें बसपा के मतदाताओं में तेजी से पकड़ बना रही है। पार्टी प्रमुख व नगीना सांसद चन्द्रशेखर दलित चेहरे के रुप में उभर रहे हैं। सड़क पर बुलंदी से आवाज रखने वाले चन्द्रशेखर अब सदन में भी उपेक्षित वर्ग की पुरजोर तरीके से बात रख रहे हैं। ऐसे में बसपा के लिए चन्द्रशेखर चुनौती बन गये हैं कि कहीं बसपा का आसपा विकल्प न बन जाये। हालांकि बसपा के पास अभी भी नौ फीसदी से अधिक मत है जो पार्टी को कोर वोटर माना जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि बसपा के सबसे खराब प्रदर्शन के बावजूद जो वोट बचा है वह वोटर पार्टी के लिए अपनी जान तक न्यौछावर कर सकता है। हालांकि पिछले सालों की यादों को भुलाकर 2027 में होने वाले यूपी विधान सभा चुनाव में जीत के लिए बसपा प्रमुख मायावती नए वर्ष 2025 से क्या रणनीति बनाती हैं यह आने वाले दिनों में ही देखने को मिलेगा।

एक नजर में पार्टी का गिरता ग्राफ - बहुजन समाज पार्टी की उत्तर प्रदेश में वैसे तो चार बार सरकार बनी और मायावती चार बार मुख्यमंत्री भी बनी, लेकिन एक ही बार 2007 में बसपा पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने में सफल रही। 2007 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को 30.43 फीसदी मत मिले थे और 2012 के विधानसभा चुनाव में 25.91 फीसदी ही मत मिल सके। इसके बाद हर चुनाव में पार्टी का ग्राफ गिरता ही गया। 2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा को 19.77, 2017 के विधानसभा चुनाव में 22.23, 2019 के लोकसभा चुनाव में 19.43, 2022 के विधानसभा चुनाव में 12.88 और 2024 के लोकसभा चुनाव में बसपा महज 9.27 फीसदी मत तक ही सिमट गई।

'एक घाट चलो चलें मोदी के साथ' अभियान में नमामि गंगे ने स्वच्छता की अलख जगाई

—काशी विश्वनाथ मंदिर के गंगा गेट पर गंगाष्टकम एवं द्वादश ज्योतिलिंगों का किया पाठ

वाराणसी, (हि.स.)। पूरे भारत वर्ष को एकता के सूत्र में बांधने वाली मां गंगा का तट रविवार को 'स्वच्छ गंगा-निर्मल गंगा' के गगन भेदी उद्घोष से गूंज उठा। 'एक घाट चलो चलें मोदी के साथ' अभियान में नमामि गंगे के सदस्यों ने श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार पर स्वच्छता की अलख जगाई। अभियान में शामिल स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों ने भी सदानीरा के निर्मलीकरण का संकल्प लिया। हाथों में राष्ट्रध्वज और स्वच्छता स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर लोगों को जागरूक किया गया। इसके बाद राजेश शुक्ला के संयोजन में जान्हवी के तट की सफाई भी की गई। धाम के गंगा गेट पर ही गंगाष्टकम एवं द्वादश ज्योतिलिंगों का पाठ किया गया।

इस दौरान राजेश शुक्ला ने कहा कि गंगा देश को एकता के सूत्र में बांधती है। देश में विविध भाषाएं, धर्म, संस्कृति, संगीत होने के बावजूद कुछ ऐसी चीजें हैं जो हमें बांधे रखती हैं, एकजुट रखती हैं गंगा उनमें से एक है। गंगा की निर्मलता के लिए योगदान करना हम सभी का राष्ट्रीय और नैतिक दायित्व है। आयोजन में शौर्य जायसवाल, ऋषभ मिश्रा, प्रकाश गुप्ता, गायत्री मदमाले, बरखा वर्मा, उषा कुमावत, लालचंद, लक्ष्मण कुमावत, शौर्य चक्रवाल आदि ने भागीदारी की।

वैष्णव साधुओं के अनी अखाड़े के संत व महामण्डलेश्वर 08 जनवरी को करेंगे छावनी प्रवेश

महाकुंभ नगर, (हि.स.)। वैष्णव साधुओं के अनी-अखाड़े का छावनी प्रवेश 08 जनवरी को महाकुंभ मेला क्षेत्र में होगा। इनकी पेशवाई प्रयागराज के के.पी.इण्टर कॉलेज से शुरू होगी। इस दौरान, साधु-संत, महामण्डलेश्वर हाथी, घोड़े, पालकी, रथ, बग्घी और चांदी के हौदे पर सवार होकर मेला क्षेत्र में प्रवेश करेंगे। इस यात्रा में निवार्णी, निमोर्ही व दिगम्बर अखाड़े के करीब 774 महामण्डलेश्वर शामिल होंगे। इनका छावनी प्रवेश ढोल-नगाड़े, शंखनाद और जयघोष के साथ होगा। यह जानकारी निवार्णी अखाड़े के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत मुरलीदास महाराज ने हिन्दुस्थान समाचार को दी। उन्होंने बताया कि छावनी प्रवेश यात्रा में अखाड़ों के पदाधिकारी और संत शामिल होते हैं। इस यात्रा में वैष्णव अखाड़ा के अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष भी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि छावनी प्रवेश यात्रा में अखाड़ा के शिविर में प्रवेश करके संत अपना डेरा जमाते हैं। अयोध्या के श्रीहनुमान गढ़ी के संत राजूदास महाराज ने बताया कि निमोर्ही, दिगम्बर और निवार्णी-ये तीन अनी प्रसिद्ध हैं। उन्होंने बताया कि विभिन्न शिविरों में विभिन्न पताकाओं से युक्त संगठित होकर यह

कुंभ मेले के अवसर पर मार्च करते हैं। उन्होंने बताया कि सर्वमान्य पताका श्रीमहंत के शिविर के समक्ष लगाई जाती है। नागा,संन्यासियों का संगठन उसी प्रकार संगठित रहता है जैसे सैनिक संगठन होते हैं। उन्होंने बताया कि बिगुल और तुरही की आवाज सुनकर जैसे सैनिक का संगठन सावधान हो जाता है, उसी प्रकार यह नागमणि की आवाज सुनकर सावधान हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि सेना जैसे मार्च करते हैं, इसलिए इन्हें शाही नाम दिया गया है।

ज्योतिर्मठ शिविर में होंगे 324 कुण्डीय पंचदेव महायज्ञ के दर्शन

-शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती 09 जनवरी को पहुंचेंगे महाकुंभ

महाकुम्भ नगर, (हि.स.)। इस बार जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती के मोरी मार्ग और संगम लोवर मार्ग स्थित ज्योतिर्मठ शिविर में 324 कुण्डीय पंचदेव महायज्ञ के दर्शन होंगे। इसके लिए तैयारियां जोरों पर है। ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती 09 जनवरी को कुंभ क्षेत्र में पहुंचेंगे। कुंभ में पधारे करोड़ों श्रद्धालुओं को उनका पावन सानिध्य में 09 जनवरी से 14 फरवरी तक मिलेगा।

यह जानकारी शंकराचार्य के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र योगिराज सरकार ने दी। कुम्भ में ज्योतिर्मठ शिविर में अनेकों कार्यक्रम सम्पन्न होंगे। उन्होंने बताया कि गो प्रतिष्ठा हेतु महाकुंभ में 324 कुण्डीय पंचदेव महायज्ञ के दर्शन और सेवा का सुन्दर अवसर मिलेगा। इस दौरान 1100 ब्राह्मणों द्वारा महायज्ञ के दर्शन की अद्भुत झांकी निकाली जायेगी। श्रद्धालुओं को जगद्गुरुकुलम के वैदिक छात्रों के विहंगम दृश्य देखने का अवसर मिलेगा। इस महायज्ञ में प्रत्येक कुण्ड में यज्ञमान बनने के लिए श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। इस शिविर में प्रतिदिन विशाल भण्डारे का आयोजन भी होगा। उन्होंने बताया कि सभी धार्मिक विषयों पर निर्णय के लिए परमधर्मसंसद का 21 दिवसीय विशेष सत्र होंगे। यह परमधर्मसंसद सेक्टर-12 गंगेश्वर चौराहा, संगम लोवर मार्ग के गंगा सेवा अभियानम् शिविर में आयोजित होगा। इस धर्मसंसद में पूरे देश से 1008 लोग प्रतिभाग करेंगे। जिसके लिए धर्मसंसद में 1008 लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि परमधर्म संसद सनातन धर्म संसद का आयोजन है। इसमें संत-महंत, महामंडलेश्वर और कथाकार शामिल होते हैं। इस संसद में धर्म से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा होती है। उन्होंने बताया कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती छतनाग स्थित 'भारतीयम' शिविर में रात्रि विश्राम करेंगे।

फिरोजाबाद पुलिस ने पांच घंटे में पकड़े 74 अभियुक्त

फिरोजाबाद, (हि.स.)। जनपद में वांछित और वारंटी अपराधियों पर पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। इसी के तहत शनिवार की रात पांच घंटे चलाए गये अभियान के दौरान 74 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सौरभ दीक्षित ने रविवार को बताया कि शनिवार की रात 12 बजे से रविवार की सुबह पांच बजे तक पुलिस का अभियान चला। इस दौरान अलग-अलग थाना इलाके से कुल 71 अपराधी पकड़े गये हैं। इनमें एनबीडब्ल्यू व तीन एसआर वारंटी वांछित अभियुक्त शामिल हैं। एसएसपी ने बताया कि थाना उत्तर पुलिस ने तीन, थाना रामगढ़ पुलिस ने एक, थाना रसूलपुर पुलिस ने चार, थाना टुण्डला पुलिस ने छह, थाना पचोखरा पुलिस ने पांच, थाना रजावली पुलिस ने तीन, थाना नारखी पुलिस ने चार, थाना नगला सिंघी पुलिस ने दो, थाना सिरसागंज पुलिस ने 10, थाना अराव पुलिस ने एक, थाना नगला खंगर पुलिस ने एक, थाना नसीरपुर पुलिस ने एक, थाना शिकोहाबाद पुलिस ने 10, थाना मक्खनपुर पुलिस ने एक, थाना खैरगढ़ पुलिस ने चार, थाना जसराना पुलिस

ने चार, थाना फरिहा पुलिस ने चार, थाना एका पुलिस ने एक, थाना लाइनपार पुलिस ने चार, थाना बसई मौहम्मदपुर पुलिस ने तीन व थाना मटसेना पुलिस ने दो अभियुक्तों को पकड़ा है। इस प्रकार जनपदीय पुलिस टीम ने मात्र पांच घण्टे में 71 एनबीडब्ल्यू वारंटियों तथा तीन एसआर केसों में वांछित अभियुक्तों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए कुल 74 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

ट्रक अनियंत्रित होकर पत्थर से टकराया, तीन घायल

कोडरमा, (हि.स.)। कोडरमा थाना के कोडरमा घाटी में रविवार की सुबह छड़ लदे एक ट्रक के अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त होने से ट्रक का चालक, उपचालक और ट्रक पर सवार एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार छड़ लोड ट्रक बंगाल से उत्तर प्रदेश के बलिया जा रहा था। इस दौरान ट्रक कोडरमा घाटी नौवा माइल में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में बिहार के गोपालगंज निवासी चंद्र मोहन कुमार (20), सलमान खान (30) और सफी आलम (25) घायल हो गए। जिन्हें पेट्रोलिंग पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

चेतन महतो गोलीकांड मामले में एक और शूटर गिरफ्तार

धनबाद, (हि.स.)। चेतन साव गोली कांड मामले में धनबाद पुलिस को रविवार को एक और सफलता हाथ लगी है। दरअसल चेतन साव पर गोली चलाने वाला मोस्टवांटेड प्रिंस खान का गुर्गा फजल उर्फ फैजल खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त पिस्टल को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। रविवार को इस संबंध में धनबाद के बरवाअड्डा थाना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सिटी एसपी अजित कुमार ने बताया कि बीते 13 दिसंबर की शाम बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के कुमीर्डीह में अज्ञात अपराधियों द्वारा सीमेंट व्यपारी चेतन महतो को गोली मारकर घायल कर दिया गया था। इसमे अनुसंधान के दौरान बरवाअड्डा

थाना क्षेत्र के ही कल्याणपुर से एक और शूटर को गिरफ्तार किया गया है। इसके निशानदेही पर घटना में उपयोग किया गया पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के क्रम में गिरफ्तार अपराधी ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। गिरफ्तार अपराधी फजल उर्फ फैजल खान (25) जो अलीगढ़ उत्तर प्रदेश का रहने वाला है उसका पुराना आपराधिक इतिहास भी रहा है। फिलहाल यह धनबाद में प्रिंस खान के लिए काम कर रहा था। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी इस मामले में प्रिंस खान के छह शूटर गिरफ्तार हो चुके है, जो प्रिंस खान के इशारे पर गोलीबारी की घटनाओं को अंजाम दिया करते थे।

हाथियों के झुंड ने बुजुर्ग महिला की ली जान, मौत की संख्या हुई आठ

पलामू, (हि.स.)। पलामू प्रमंडल अंतर्गत गढ़वा जिले के दक्षिणी वन क्षेत्र वाले इलाकों में कोहराम मचा रहे गजराजों के झुंड ने शनिवार की रात एक महिला को कुचल दिया। इससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। मृतक की पहचान भंडरिया के कोरहटी निवासी भगमनिया कोरइन(65) के रूप में की गयी। सूचना के बाद रविवार को वन विभाग के अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की जानकारी ली। ग्रामीण बताते हैं कि भंडरिया बाजार से लौटने के बाद उक्त महिला देर रात तक घर नही पहुंची, जंगल किनारे अपने रिश्तेदार के यहां चली गयी। इसी बीच घर जाने के दौरान हाथियों के झुंड ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। भंडरिया मुख्यालय में हुई घटना से पहले शनिवार की देर शाम हाथियों के झुंड का भंडरिया के जंगलों में होने की जानकारी के बाद वन विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया था। इसके अलावे सायरन बजाकर वन विभाग ने भंडरिया के लोगों को जागरूक किया, लेकिन महिला की जान चली गयी।

इस तरह शनिवार की रात हुई मौत के बाद हाथियों से मौत की संख्या आठ हो गयी। इसके पूर्व हाथियों के झुंड ने इस वर्ष में सात लोगों की जान ले ली है इनमें बलिगढ़ के नागेश्वर सिंह, पररो के सुभाष सिंह, महरु डीलर, जोन्हीखांड़ में चुटिया के रामशकल सिंह, बैरिया की स्वाति मिंज व रमकंडा के ऊपरटोला निवासी सीताराम मोची सहित अन्य शामिल है।

एसडीओ ही जलाया पत्नी अनिता को : बीपी मेहता

हजारीबाग, (हि.स.)। हजारीबाग एसडीओ अशोक कुमार की पत्नी की मौत के मामला अब और तूल पकड़ने लगा है। इस संबंध में हजारीबाग के पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने रविवार को पत्रकारों बातचीत करते हुए हुए कहा कि एसडीओ ही अपनी पत्नी को जलाकर मारा है। यदि खुद जलती तो एसडीओ अशोक परिजनों को इसकी जानकारी देता। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं सबसे पहले आरोग्यम अस्पताल हजारीबाग, उसके बाद बोकारो, फिर मेदांता रांची तब जाकर देवकमल में भर्ती कराया। पत्नी के जल जाने की खबर ना हजारीबाग, ना बोकारो और ना रांची में किसी अधिकारी को दी। इससे साफ जाहिर होता है कि एसडीओ ही

अपनी पत्नी को जलाकर मार दिया है। मेहता ने यह भी कहा कि घटना के दो दिन पूर्व एसडीओ दोनों बच्चों को अपने घर भेज दिया था। तब जाकर घटना को अंजाम दिया। इस घटना के बारे यह भी कहा कि यदि इस तरह की घटना आम लोगों के जरिये किया जाता तो उसे प्रशासन के जरिये करवाई तुरंत कर दिया जाता है। लेकिन एसडीओ के कारण अब तक उसकी गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं मैं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह करता हूं कि पत्नी के हत्यारे एसडीओ की अभिलंब गिरफ्तारी हो और उसे जेल भेज दिया जाए। साथ ही साथ हजारीबाग एसपी से भी एसडीओ की गिरफ्तारी की मांग मेहता ने की है। मौके पर गणेश वर्मा ,निजाम अंसारी और मो हकीम सहित कई मौजूद थे।

पीएलएफआई के नाम पर भाजपा नेता रमेश को आया फोन कॉल, सहयोग न करने पर कार्रवाई की दी धमकी

रांची, (हि.स.)। राजधानी रांची के बिल्डर और भारतीय जनता पार्टी के नेता रमेश सिंह को पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के नाम पर फोन करके संगठन की मदद करने की बात कही गई है। इस संबंध में रमेश सिंह ने सुखदेवनगर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। रमेश ने थाने में दिए आवेदन में कहा है कि शनिवार को उनके मोबाइल पर एक व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को पीएलएफआई संगठन से जुड़े होने की बात कही। साथ ही उसने कहा कि संगठन के कमांडर सहित सदस्यों की नजर उन

पर है। संगठन को सहयोग करें। संगठन भी आपका सहयोग करेगा। साथ ही धमकी दी गई कि यदि संगठन को सहयोग नहीं किया गया तो फिर उनके खिलाफ संगठन कार्रवाई करेगा। बताया गया है कि रमेश सिंह को जिस सिम कार्ड का प्रयोग कर फोन किया गया था, उसका लोकेशन बंगाल में मिला है। पीएलएफआई के नाम पर फोन करने वाले व्यक्ति ने इस बार न इंटरनेट कॉल का प्रयोग किया और न ही व्हाट्सएप कॉल का, उसने सीधे मोबाइल नंबर से फोन करके संगठन को मदद करने की बात रमेश सिंह से की। इस बाबत सुखदेव नगर थाना प्रभारी मनोज कुमार ने रविवार को बताया कि दर्ज प्राथमिकी के आधार पर मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। इस मामले में पुलिस टेक्निकल सेल की भी मदद ले रही है। भाजपा नेता को जिस नंबर से कॉल आया था, उसकी भी जानकारी एकत्र की जा रही है।

मुख्यमंत्री नीतीश ने आचार्य किशोर कुनाल के निधन पर जताया शोक

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व आईपीएस अधिकारी, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के पूर्व अध्यक्ष और महावीर मंदिर न्यास समिति के संस्थापक सचिव आचार्य किशोर कुणाल की मृत्यु पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि आचार्य किशोर कुणाल एक कुशल प्रशासक एवं संवेदनशील पदाधिकारी थे। वे विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों से भी जुड़े रहे। आचार्य किशोर कुणाल ने महावीर मंदिर न्यास समिति के सचिव के पद पर रहते हुये विभिन्न सामाजिक और

धार्मिक कार्यों को अंजाम दिया। नीतीश ने कहा कि बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष पद पर रहते हुये कुणाल ने अपने कार्यों को सफलतापूर्वक संपादित किया। उनके निधन से प्रशासनिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुयी है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिर शान्ति तथा उनके परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

राममंदिर ट्रस्ट के सदस्य पूर्व आईपीएस आचार्य किशोर कुणाल का निधन, बेटे ने की पुष्टि

पटना, (हि.स.)। राममंदिर ट्रस्ट के सदस्य रहे पूर्व भारतीय पुलिस सेवा (भापुसे) के पूर्व अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल का रविवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। किशोर कुणाल के निधन की पुष्टि उनके बेटे ने की है। किशोर कुणाल को आज सुबह कार्डियक अरेस्ट हुआ और उन्हें तुरंत महावीर वत्सला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका निधन हो गया। सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी किशोर कुणाल अयोध्या मंदिर ट्रस्ट के संस्थापकों में से एक थे। सेवानिवृति के बाद आचार्य किशोर कुणाल सामाजिक कार्यों से जुड़ गए और फिलहाल वे बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष और पटना के चर्चित महावीर मन्दिर न्यास के सचिव थे। महावीर मंदिर न्यास बोर्ड पटना में कई स्कूल और कैंसर अस्पताल का संचालन करता है। किशोर कुणाल राजधानी पटना में ज्ञान निकेतन जैसे चर्चित स्कूल के संस्थापक भी हैं। जब देश में वीपी सिंह की सरकार थी तो उस वक्त आचार्य किशोर कुणाल केंद्र सरकार,

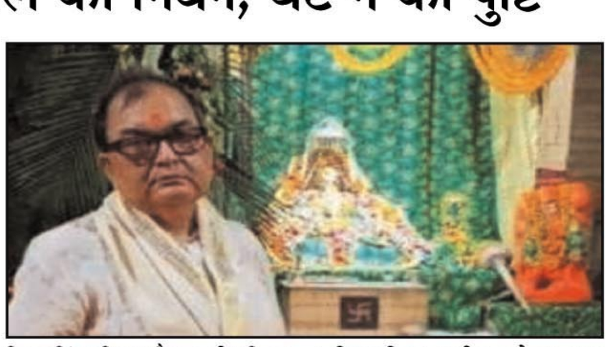

विश्व हिंदू परिषद् और बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के बीच मध्यस्थता के लिए विशेष अधिकारी नियुक्त किए गए थे। किशोर कुणाल का जन्म 10 अगस्त 1950 को हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा मुजफ्फरपुर जिले के बरुराज गांव से की। उन्होंने पटना यूनिवर्सिटी से इतिहास और संस्कृत में ग्रेजुएशन किया। वे 1972 में गुजरात कैडर से भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी बने और पुलिस अधीक्षक पद पर तैनात हुए। वहां से वे 1978 में अहमदाबाद के पुलिस उपायुक्त बने। वह संस्कृत अध्येता भी थे। किशोर कुणाल को 1983 में प्रोमोशन मिला और वे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के पद पर पटना में तैनात हुए। कुणाल ने 1990 से 1994 तक गृह मंत्रालय में ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी के पद पर काम किया। एक आईपीएस अधिकारी के रूप में कुणाल पहले से ही धार्मिक कार्यों में शामिल थे। इसके बाद साल 2000 में पुलिस से रिटायर होने के बाद उन्होंने केएसडी संस्कृत यूनिवर्सिटी दरभंगा के कुलपति का पद संभाला। 2004 तक वे इस पद पर रहे और बाद में वे बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड (बीएसबीआरटी) के प्रशासक बने और प्रचलित जातिवादी धार्मिक प्रथाओं में सुधार की शुरूआत की।

सोनामनी गोदाम थाना पुलिस ने एसएसबी के साथ मिलकर 80 लीटर नेपाली शराब के साथ दो तस्करों को किया गिरफ्तार

अररिया, (हि.स.)। जिले के सोनामनी गोदाम थाना पुलिस ने एसएसबी के साथ मिलकर 80 लीटर नेपाली शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया। पुलिस और एसएसबी की यह कार्रवाई मिली गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के दो अलग अलग स्थानों पर छापेमारी कर प्राप्त की।पहली कार्रवाई जहां सोनामनी गोदाम थाना पुलिस ने अकेले करते हुए 32.7 लीटर नेपाली देशी शराब बरामद किया।वहीं दूसरी कार्रवाई एसएसबी के साथ मिलकर बीती रात मिले गुप्त सूचना पर भारत नेपाल सीमा क्षेत्र के पास से संयुक्त कार्रवाई करते हुए 48 लीटर नेपाली देशी शराब और मोटरसाइकिल को जब्त किया।वहीं मोटरसाइकिल पर सवार दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया। दोनों मामले में अलग अलग प्राथमिकी दर्ज की गई है।जानकारी की पुष्टि एसपी अमित रंजन ने की है।दोनों तस्करों से पुलिस पूछताछ कर रही है और रविवार को गिरफ्तार तस्करों को न्यायिक हिरासत में जेल भेजने की बात कही।

प्रदेश के दक्षिण-पश्चिम भाग में हल्की बारिश और घने कोहरे के आसार

पटना, (हि.स.)। प्रदेश में मौसम में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। पटना में शनिवार देर रात हल्की बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने रविवार को भी प्रदेश के दक्षिण-पश्चिम भाग में हल्की वर्षा के साथ अगले तीन दिनों तक पूरे प्रदेश में घने कोहरे की संभावना जताई है। पटना स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, पश्चिमी भाग में पश्चिम विक्षोभ का दौर शुरू हो गया है। इसका असर अब बिहार पर पड़ने लगा है। यही कारण रहा कि शनिवार को पूरे प्रदेश में बादल छाए रहे। आज प्रदेश के दक्षिणी एवं पश्चिमी भाग में हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानियों ने कहा है कि एक जनवरी को एक पश्चिमी विक्षोभ के हिमालय से टकराने की उम्मीद है। इसके बाद फिर तीन जनवरी को भी दूसरा पश्चिमी विक्षोभ हिमालय से टकराएगा। इसका असर बिहार पर भी पड़ने की संभावना है। बिहार में समस्तीपुर जिले का पूसा शनिवार को सर्वाधिक ठंडा रहा। यहां पर न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। खगड़िया, राजगीर एवं किशनगंज राज्य का सर्वाधिक गर्म स्थान रहा। यहां पर अधिकतम तापमान 28.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट नजर आ रही है, लेकिन चांदी की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। सोना 150 से 160 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। सोने के भाव में आई कमजोरी की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,990 रुपये से लेकर 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,5000 रुपये से लेकर 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी की कीमत में 100 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

रतन टाटा : देश के प्रेरणास्त्रोत और व्यवसाय के महानायक, रतन टाटा की काबिलियत ने टाटा ग्रुप को बुलंदियों पर पहुंचाया

नई दिल्ली । रतन टाटा भारत के एक प्रमुख उद्यमी और विचारक, एक शख्सियत है जिसने देश और विश्व

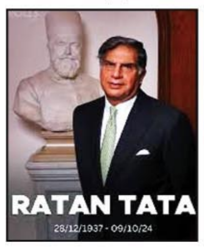

को अपनी साफ़, सजीव और प्रेरणास्त्रोत शक्ति से प्रेरित किया है। उनका कारोबारिक जीवन और नेतृत्व और काबिलियत ने टाटा ग्रुप को बुलंदियों पर पहुंचाया है और उन्हें एक सफल उद्यमपीठ के रूप में माना गया है। रतन टाटा ने हमेशा अपने कर्मचारियों को अपने परिवार के सदस्य की भावना से देखा है और उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए हमेशा तैयार रहे हैं। उनकी सादगी, सम्मानवादिता और व्यवहार का ताज और सच्चाई के साथ ही उन्हें सबके दिलों में एक अजेय स्थान दिलाया है। एक खास कहानी जिसने रतन टाटा की महानता को और भी उजागर किया, वह है फोर्ड मोटर्स के साथ की एक घटना। जब टाटा इंडिका कार बाजार में मना नहीं पा रही थी, तो रतन टाटा ने अपने पैसेंजर कार व्यावसाय को बेचने का फैसला किया। इसमें फोर्ड मोटर्स के चेयरमैन बिल फोर्ड के मजाक का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी अपने अपमान को भूला नहीं। रतन टाटा ने फोर्ड के जैगुआर और लैंड रोवर ब्रांड को खरीदा और उसके उतार चढ़ाव में सहायक बने, जिससे टाटा मोटर्स ने अपने आदर्श और समर्पण की यात्रा को विस्तारित किया। इस्तीफा देने के बजाय, रतन टाटा ने अपनी निर्णयकता और सहनशीलता से विश्वास दिखाया और एक महान उपलब्धिस्तर को हासिल किया। रतन टाटा के लिए काम करने का मतबल पूजा था। उनका कहना था कि काम तभी बेहतर होगा, जब आप उसकी इज्जत करेंगे। उनमें एक और खासियत ये थी कि वे हमेशा शांत और सौम्य रहते थे, अपनी कंपनी के छोटे से छोटे कर्मचारी तक से वे बड़े प्यार से मिलते थे, उनकी जरूरतों को समझते थे और उनकी हर संभव मदद करते थे।

सरकार ने 11 महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक की नीलामी रद्द की, पिछले चार दौर की नीलामी में बेच दिए गए थे 24 खनिज ब्लॉक

नई दिल्ली। सरकार ने कंपनियों की ओर से टंडी प्रतिक्रिया के कारण चौथे दौर में 11 महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की नीलामी रद्द कर दी है। इस निर्णय के बाद जिसमें 11 में से चार ब्लॉक के लिए कोई बोली नहीं मिली, कंपनियों को भारी नुकसान होने का सामना करना पड़ा है। बताया गया है कि टंगस्टन और ग्लोकोनाइट सहित चार ब्लॉक छत्तीसगढ़ और अरुणाचल प्रदेश में स्थित हैं और इन खनिजों का उत्पादन महत्वपूर्ण है स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिए। इसी तरह बाकी के सात खनिज ब्लॉकों के लिए भी तीन से कम तकनीकी रूप से पात्र बोलियां मिली हैं और इन भी ब्लॉकों की नीलामी प्रक्रिया रद्द कर दी गई है। नीति के अनुसार सरकार ने पहले भी ऐसे खनिज ब्लॉकों की नीलामी रद्द की थी, जिनके लिए उपयुक्त बोलियां नहीं मिली थी। खान मंत्रालय ने इस बारे में यह जानकारी दी कि पिछले चार दौर की नीलामी में 24 महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉक बेच दिए गए थे। इस अप्रत्याशित निर्णय की उपेक्षा करने के परिणाम स्वरूप कंपनियों और खनिज सेक्टर के लिए चुनौतीपूर्ण समय हो सकता है।

हिमाचल के ऊना में आलू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित होगाः मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला । मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण घोषणा की, जिसमें उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ऊना जिले में लगभग 20 करोड़ रुपये के निवेश से आलू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। इस संयंत्र की न्यूनतम प्रसंस्करण क्षमता होगी 500 किलोग्राम प्रति घंटा और यह आलू के गुच्छे के उत्पादन पर केंद्रित होगा। सुक्खू ने बताया कि राज्य में कुल सब्जी खेती में आलू का हिस्सा लगभग 20 प्रतिशत है। यह 16,960 हेक्टेयर से लगभग 2,38,317 टन उपज देता है। आलू प्रसंस्करण संयंत्र की स्थापना से किसानों को अधिक लाभकारी मूल्य मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि आलू को फ्लेक्स जैसे मूल्य-संवर्धित उत्पादों में प्रसंस्कृत करने से यह संयंत्र आलू बाजार को स्थिर करेगा और किसानों की संवेदनशीलता में कमी आएगी।

वैश्विक दबाव के बावजूद डीआईआई की खरीदारी से शेयर बाजार को मिली बढ़त

साप्ताहिक आधार पर निवेशकों को 1.40 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली

सोमवार 23 दिसंबर से लेकर शुक्रवार 27 दिसंबर तक के कारोबारी सप्ताह के दौरान घरेलू शेयर बाजार साप्ताहिक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। 25 दिसंबर को क्रिसमस की छुट्टी होने की वजह से इस सप्ताह सिर्फ चार दिन ही कारोबार हुआ। वैश्विक दबाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली के बावजूद घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स 657.48 अंक यानी 0.84 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी के साथ 78,699.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने 225.90 अंक यानी 0.95 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,813.40 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया।पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद एनएसई के ऑटोमोबाइल और फार्मास्यूटिकल इंडेक्स दो प्रतिशत से अधिक की मजबूती के साथ बंद हुए। इसी तरह एफएमसीजी इंडेक्स ने साप्ताहिक आधार पर 1.53 प्रतिशत की तेजी की दिखाई, जबकि बैंक और रियल्टी इंडेक्स 1 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, मीडिया इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान करीब 2 प्रतिशत लुढ़क गया। इसी तरह मेटल इंडेक्स भी 1 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। पूरे सप्ताह के कारोबार में शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 27 दिसंबर के कारोबार के बाद बढ़ कर 442.39 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी 20 दिसंबर को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 440.99 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को पिछले सप्ताह के कारोबार से करीब 1.40 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद बीएसई का लार्जकैप इंडेक्स 0.70 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से बजाज होल्डिंग्स एंड इन्वेस्टमेंट, इंटरग्लोब एवियशन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, ट्रेंट लिमिटेड, अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, एवेन्यू सुपरमार्ट्स और अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनामिक जोन टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, आईसीआईसीआई लोंबार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी, श्री सीमेंट्स, हिंदुस्तान जिंक, जोमैटो और सिमेंस लार्जकैप के टॉप लूजर्स में शामिल हुए। बीएससी का मिडकैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद 0.21 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ।

मिडकैप इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से वन 97 कम्युनिकेशंस (पेटीएम), जूबिलेंट फूडवर्क्स, बाइकॉन, फिनिक्स मिल्स, अडाणी विल्मर और अजंता फार्मास्यूटिकल के शेयर 5 से 13 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, थर्मैक्स, इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी, जनरल इंश्योरेंस कारपोरेशन ऑफ इंडिया, एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स (न्याका), ऐस्ट्रल और गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस के शेयर मिडकैप इंडेक्स के टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। इसी तरह बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद सपाट स्तर पर बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से पीटीसी इंडस्ट्रीज, इंटेलेक्ट डिजाइन अरेना, ग्रीव्स कॉटन सौराष्ट्र सीमेंट, अंबर एंटरप्राइजेज इंडिया, आरती फॉर्मालैब्स, कैपलिन प्वाइंट लैबोरेट्रीज, पीटीसी इंडिया फाइनेंशियल सर्विसेज, देवयानी इंटरनेशनल, त्रिवेदी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज, कैंपस एक्टिव वेयर और हिताची एनर्जी इंडिया के शेयर 10 से 24 प्रतिशत तक की तेजी के साथ टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, टीटागढ़ रेल सिस्टम, कीटेक्स गारमेंट्स, राजू इंजिनियर्स, हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी, केपीआर मिल्स, इंडो काउंट इंडस्टरीज, हेल्थकेयर ग्लोबल एंटरप्राइजेज, पाईशैलो डिजिटल और एनजीएल फाइन केम के शेयर 10 से 13 प्रतिशत की गिरावट के साथ स्मॉल कैप इंडेक्स के टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए।27 दिसंबर को खत्म हुए सप्ताह के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) भारतीय बाजार में शुद्ध बिकवाल बने रहे। पिछले सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार में 6,322.88 करोड़ रुपये की बिकवाली की। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने एफआईआई की बिकवाली का जवाब देते हुए 10,927.73 करोड़ रुपये की खरीदारी की। इस खरीदारी के कारण ही घरेलू शेयर बाजार विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा।

उतार चढ़ाव के बावजूद शेयर बाजार ने निवेशकों को कराया मुनाफा, लगातार 9वें साल मिला पॉजिटिव रिटर्न

नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार साल 2024 के कारोबार के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव का सामना करता रहा। इस साल के कारोबार में अब सिर्फ आने वाले 2 दिन सोमवार और मंगलवार यानी 30 और 31 दिसंबर का कारोबार होना बाकी है। इन दो दिनों के अलावा अभी तक हुए कारोबार के दौरान घरेलू बाजार ने कई बार ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाया। हालांकि, शेयर बाजार को बीच-बीच में बड़े नुकसान का भी सामना करना पड़ा। अगर पूरे साल के कारोबार की बात करें, तो ओवरऑल घरेलू शेयर बाजार ने अपने निवेशकों को 2024 के दौरान पॉजिटिव रिटर्न दिया। इस तरह लगातार नौवें साल घरेलू शेयर बाजार के निवेशक वार्षिक आधार पर मुनाफे में रहे।

साल 2024 के दौरान शेयर बाजार ने 65 दिनों के कारोबार में ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बना। इसमें आखिरी बार 27 सितंबर को सेंसेक्स 85,978.25 अंक के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचा, जबकि निफ्टी 26,277.35 अंक के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। इसके पहले 2023 के आखिरी कारोबारी दिन सेंसेक्स 72,240.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। इसी तरह निफ्टी ने 21,731.40 अंक के स्तर पर पिछले साल के कारोबार का अंत किया था।

इस तरह साल 2024 में 27 सितंबर तक सेंसेक्स में 13,737.99 यानी 19.02 प्रतिशत की तेजी आ गई थी। इसी तरह निफ्टी 27 सितंबर तक 4,545.95 अंक यानी 20.92 प्रतिशत उछल चुका था। हालांकि अक्टूबर और नवंबर में वैश्विक दबाव और विदेशी निवेशकों की चौतरफा बिकवाली के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक अपने रिकॉर्ड हाई से नीचे आ गए। 27 सितंबर के बाद से लेकर अभी तक के कारोबार में सेंसेक्स 7,279.18 अंक यानी 8.46 प्रतिशत और निफ्टी 2,463.95 अंक यानी 9.37 प्रतिशत टूट चुके हैं।

अगर 1 जनवरी से 27 दिसंबर तक के कारोबार की बात की जाए तो साल 2024 के दौरान शेयर बाजार में सेंसेक्स ओवरऑल 6,458.81 अंक यानी 8.94 प्रतिशत मजबूत हो चुका है। इसी तरह निफ्टी में इस साल अभी तक ओवरऑल 2,082 अंक यानी 9.58 प्रतिशत की तेजी आ चुकी है। घरेलू शेयर बाजार पर असर डालने वाले कारकों में इस साल इजरायल-ईरान संघर्ष और रूस और यूक्रेन के बीच पहले से ही जारी जंग का मुख्य रूप से उल्लेख किया जा सकता है। इन दोनों जगहों के जियो-पॉलिटिकल टेंशन का भारतीय शेयर बाजार पर काफी असर पड़ा। इसके साथ ही अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव ने भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शेयर बाजारों पर अपना असर दिखाया। इसके अलावा नवंबर के महीने में चीन द्वारा आर्थिक पैकेज का ऐलान करने से भी दुनिया भर के स्टॉक मार्केट पर असर पड़ा। चीन के आर्थिक पैकेज की वजह से बड़े विदेशी निवेशकों ने दुनिया के तमाम स्टॉक मार्केट में बिकवाली करके बड़े पैमाने पर अपने पैसे की निकासी की और उन्हें चीन के शेयर बाजार में इन्वेस्ट किया।

इसकी वजह से जहां चीनी स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 14 प्रतिशत तक उछल गया, वहीं दुनिया के ज्यादातर स्टॉक मार्केट दबाव में कारोबार करते नजर आए।

इस साल रुपया डॉलर के मुकाबले तीन प्रतिशत हुआ कमजोर

आने वाले वर्ष में रुपये की स्थिति में सुधार की उम्मीद

मुंबई

इस साल अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया तीन प्रतिशत कमजोर हुआ है। अर्थव्यवस्था में सुस्ती और वैश्विक बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से रुपया प्रभावित हुआ है। इसके बावजूद भारतीय रुपये में उतार-चढ़ाव कहीं कम रहा है। आने वाले वर्ष में रुपये की स्थिति में सुधार की उम्मीद की जा रही है। 2024 में रुपये की विनिमय दर ने प्रमुख मुद्राओं के साथ उतार-चढ़ाव देखा।

रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में संकट के साथ लाल सागर के जरिये व्यापार में अड़चनों के अलावा दुनिया के कई देशों में चुनावों ने रुपये की धारणा को प्रभावित किया। उभरते बाजारों में डॉलर में सुधार का असर पड़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के तत्कालीन गवर्नर ने दर्शाया कि भारतीय रुपये में कम अस्थिरता है, लेकिन सरकार रुपये-डॉलर की दर को स्थिर करने के लिए प्रयासरत है। विदेशी मुद्रा भंडार में गैर-अमेरिकी मुद्राओं की बढ़त या गिरावट का प्रभाव रुपये पर भी होता है। विदेशी मुद्रा भंडार में घटाव देखा गया है, जिसके कारण रुपया कमजोर हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका में बेहतर आर्थिक कारकों के कारण डॉलर में तेजी आई है। इसके अलावा अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में कटौती का संकेत दिया है, जिसके कारण डॉलर की मांग बढ़ी है। इस साल रुपया डॉलर के मुकाबले मजबूती दिखाने में पिछड़ा है, लेकिन उम्मीद है कि आगामी वर्ष में स्थिति में सुधार आएगा।

बीते सप्ताह तेल-तिलहनों की कीमतें मजबूती के साथ बंद

नई दिल्ली

पाम और पामोलीन तेल की कीमतें सर्दियों की मांग के कारण बढ़ गई हैं। बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों की कीमतें मजबूती के साथ बंद हुईं। पाम और पामोलीन तेल के दाम बढ़े हैं, जिसके कारण इसकी आम उपभोक्ता की पहुंच से दूर हो गई है। सूत्रों के अनुसार सोयाबीन और सरसों जैसे तिलहनों की मांग बढ़ने के कारण बाकी तेल-तिलहन की कीमतें भी सुधार रही हैं। पिछले सप्ताह सीपीओ का दाम मजबूती के साथ 1,240-1,245 डॉलर प्रति टन हो गया है।

एक साधारण उपभोक्ता के लिए पामोलीन तेल का आयात पहले की तुलना में लगभग 17 रुपये किलो महंगा हो गया है। मौजूदा महंगाई के चलते तेलों की कीमतें बढ़ी हैं, लेकिन तेलों का खपना मुमकिन नहीं है। केवल तेलों के दाम में ही बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। सूत्रों ने बताया कि सोयाबीन के डी-आयल्ड केक की स्थानीय मांग बढ़ रही है और इससे तेल-तिलहनों में सुधार हुआ है। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2020-21 में कपास की खेती का रकबा घटकर 112.60 लाख हेक्टेयर रह गया है।

सीपीओ का दाम मजबूती के साथ 1,240-1,245 डॉलर प्रति टन

किसानों के लिए बिनौला खल का दाम वायदा कारोबार में 2,660 रुपये क्विंटल रह गया है, जो मूंगफली किसानों की मुश्किलें बढ़ा रहा है। अब बिनौला तेल का दाम 12,100 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है। इसके अलावा सरसों और सोयाबीन तेलों की कीमतों में भी तेजी देखने को मिली है। मूंगफली तिलहन की कीमत 5,925-6,250 रुपये क्विंटल, और मूंगफली तेल 14,400 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है। यह महंगाई सामान्य जनता पर असर डाल रही है, जिससे उन्हें और भी महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। तेलों की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ उपभोक्ताओं का बजट बिगड़ रहा है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग व व्यापार समझौते के दो वर्ष पूरे

नई दिल्ली

भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (इंड-ऑस ईसीटीए) ने सफलता के दो वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह पारस्परिक विकास को बढ़ावा देता है और दोनों अर्थव्यवस्थाओं की पूरकता को दर्शाता है। इंड-ऑस ईसीटीए ने व्यापार संबंधों को बहुत आगे बढ़ाया है, दोनों देशों में एमएसएमई, व्यवसायों और रोजगार के लिए नए अवसर पैदा किए हैं और साथ ही उनकी आर्थिक साझेदारी की नींव को मजबूत किया है। अपने तीसरे वर्ष में केन्द्र सरकार भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के विज़न 2047 को साकार करने के लिए आपसी समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए मजबूत सहयोग और अभिनव पहलों के माध्यम से इस गति को बनाए रखने के लिए समर्पित है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार इस समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद से द्विपक्षीय व्यापार दोगुना से भी अधिक हो गया है। यह 2020-21 में 12.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2022-23 में 26 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है। हालांकि, कुल व्यापार वर्ष 2023-24 में घटकर 24 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया, जिसमें ऑस्ट्रेलिया को भारत का निर्यात 14 प्रतिशत बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष में भी मजबूती देखने को मिल रही है। अप्रैल-नवंबर 2024 तक कुल द्विपक्षीय व्यापार 16.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। दोनों देशों के बीच तरजीही आयात डेटा का आदान-प्रदान शुरू हो गया है जो 2023 में समझौते के प्रभावी कार्यान्वयन को इंगित करता है। डेटा से पता चलता है कि निर्यात उपयोग 79 प्रतिशत और आयात उपयोग 84 प्रतिशत है। कपड़ा, रसायन और कृषि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में पर्याप्त वृद्धि हुई है जबकि हीरे जड़े सोने और टर्बोजेट सहित नई लाइनों पर निर्यात समझौते द्वारा विविधता को दर्शाता है। धातु अयस्कों, कपास, लकड़ी और लकड़ी के उत्पादों जैसे आवश्यक कच्चे माल के आयात ने भारत के उद्योगों को बढ़ावा दिया है। यह साझेदारी में बराबरी को दर्शाता है। इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में वृद्धि की संभावना है। इस सफलता के आधार पर, भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (सीईसीए) में अब प्रगति हो रही है। इसमें अब तक 10 औपचारिक दौर और अंतर-सत्रीय चर्चाएँ हो चुकी हैं। सीईसीए, ईसीटीए द्वारा रखी गई नींव पर आधारित है। यह द्विपक्षीय व्यापार एजेंडे को और भी अधिक महत्वाकांक्षा के साथ आगे बढ़ाता है। भारत-ऑस्ट्रेलिया सीईसीए पर हाल ही में 4 से 6 दिसंबर 2024 तक नई दिल्ली में एक समीक्षा की गई। इसमें प्रगति का आकलन किया गया और आगे का रास्ता तय किया गया। दोनों पक्ष ईसीटीए द्वारा हुई प्रगति को आगे बढ़ाने, गहन आर्थिक एकीकरण को आगे बढ़ाने और भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 2030 तक 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक व्यापार के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया साथ मिलकर अपनी आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने, आपसी समृद्धि को बढ़ावा देने और अधिक लचीली और गतिशील वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान देने के लिए तैयार हैं।

शादी के साल भर बाद ही मां बन गई थी गोविंदा की पत्नी

नई दिल्ली (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर गोविंदा ने जब शादी रचाई थी, तब उनकी पत्नी सुनीता सिर्फ 18 साल की थीं। 19 साल की उम्र में सुनीता मां बन गई थीं और बेटी टीना को जन्म दिया था। यह खुलासा करते हुए सुनीता ने बताया कि जब उनकी बेटी टीना का जन्म हुआ था, तब वह खुद भी बच्ची ही थीं। टीना ने बताया कि उनके नाना शादी के खिलाफ थे और इसलिए उन्होंने शादी में हिस्सा नहीं लिया था। एक ताजा इंटरव्यू में सुनीता ने बताया कि शादी से पहले वह एक छोटे परिवार में रहती थीं, लेकिन जब उन्होंने गोविंदा से शादी की तो वह उनके जॉइंट फैमिला का हिस्सा बन गईं। उन्होंने कहा, जब मेरी शादी गोविंदा से हुई तो उनका परिवार बहुत बड़ा था। मेरी शादी तब हुई जब मैं सिर्फ 18 साल की थी। जब टीना का जन्म हुआ, तब मैं 19 साल की थी। उस वक्त मैं खुद भी एक बच्ची ही थी। सुनीता ने यह भी बताया कि गोविंदा ने पहले ही साफ कर दिया था कि उनकी मां हीं घर की मुखिया रहेंगी, जब तक वह जीवित हैं। घर में उनकी मां की चलेगी। उन्होंने कहा, उस समय मैं अपने पति के प्यार में थी। उन्होंने मुझे पहले ही बता दिया था कि जब तक मेरी सास जीवित हैं, घर की जिम्मेदारी उन्हीं के हाथ में रहेगी। उनके जाने के बाद तुम जो चाहो कर सकती हो। उस वक्त गोविंदा के कई भांजे-भांजिया उनके साथ रहते थे। सुनीता ने कहा, मुझे घर में दूसरे बच्चों (कृष्णा, विनय) के होने की आदत हो गई। वे सभी बहुत छोटे-छोटे थे और मुझे बच्चों से बहुत लगाव है। मेरा दिल ऐसा नहीं है कि गोविंदा की मां नहीं हैं तो मैं सबको बाहर निकाल दूं। मैंने सोचा कि अगर आप अच्छाई करेंगे करेंगे तो भगवान देखेंगे न, भले ही बच्चे न देखें। उन्होंने आगे कहा कि मैं अपने पति गोविंदा से बहुत प्यार करती थी, इसलिए, मैंने सब कुछ सहन किया। इसी इंटरव्यू में टीना ने बताया कि उनकी मां एक अलग दुनिया से आई थीं, जब उन्होंने पिता गोविंदा से शादी की थी। उन्होंने कहा, मेरी मां हॉट पैंट्स पहनती थीं, पाली हिल में रहती थीं और बहुत अमीर परिवार से थीं। मेरे पिता आर्थिक रूप से उतने मजबूत नहीं थे और वह स्ट्रगल कर रहे थे। मेरे नाना की स्थिति तुलनात्मक रूप से बहुत अच्छी थी। बता दें कि गोविंदा बॉलीवुड इंडस्ट्री के पॉपुलर स्टार्स में से एक हैं। उनकी प्रोफेशनल लाइफ ही नहीं, बल्कि पर्सनल लाइफ भी काफी चर्चा में रही है।

आज की यंग जेनरेशन हमसे कहीं ज्यादा स्मार्ट, कुशलता से करती है काम

-अभिनेता और लेखक अतुल ने की बंदिश बैंडिट्स के सीजन-2 पर बात

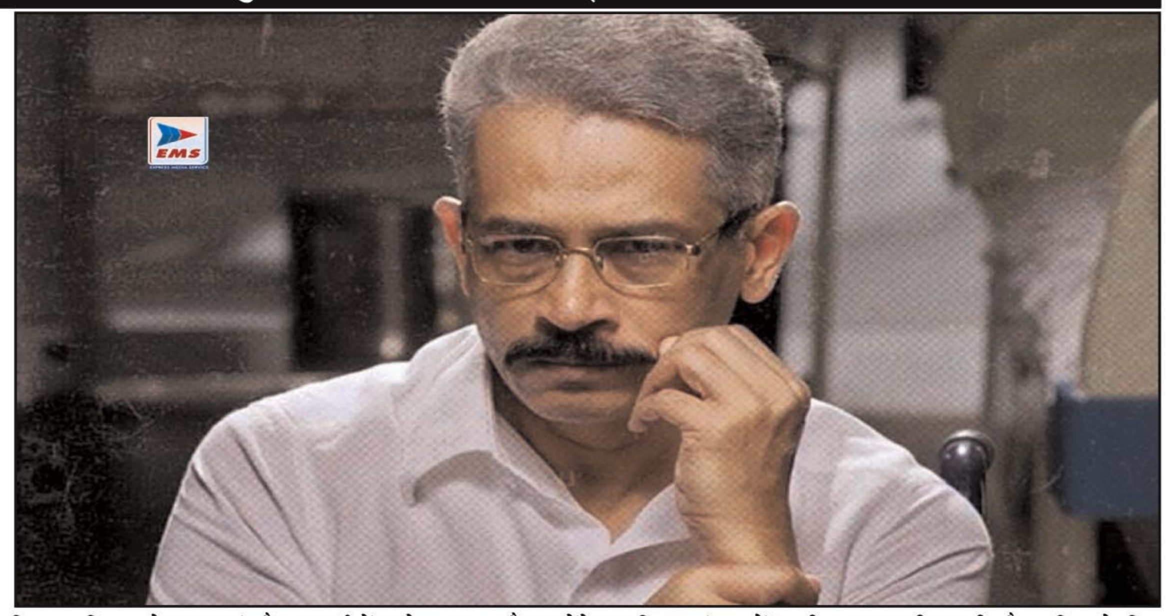

मुंबई,(ईएमएस)। अभिनेता और लेखक अतुल कुलकर्णी अपनी अदाकारी और मजबूत स्क्रिप्ट राइटिंग के लिए जाने जाते हैं, वह बंदिश बैंडिट्स के सीजन-2 में नजर अपनी अदाकारी दिखा रहे हैं। सीरीज में उनके साथ ऋत्विक भौमिक, तमन्ना शर्मा, यशस्विनी दयामा और रोहन गुरबक्सानी जैसे कलाकार भी काम कर रहे हैं। अतुल ने एक साक्षात्कार में नई पीढ़ी के कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव साझा किए और उनकी तारीफ भी की। उन्होंने बताया कि कैसे यंग एक्टर्स का आत्मविश्वास और तेज सोच आज के समय में इंडस्ट्री के लिए वरदान साबित हो रही है। अतुल ने कहा कि आज की यंग जेनरेशन हमसे कहीं ज्यादा स्मार्ट है। वे काम को जल्दी और कुशलता से कर लेते हैं, जो हमें पहले मुश्किल लगता था। हमारी जेनरेशन में एक इंफीरियॉरिटी कॉम्प्लेक्स था लेकिन यंग जेनरेशन में जो इक्वलिटी कॉम्प्लेक्स है, वो उन्हें खास बनाता है। वे अपनी सोच और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। अतुल ने बंदिश बैंडिट्स के पहले सीजन के अनुभव के बारे में बताया कि कोविड-19 महामारी के चलते सीजन-1 को ठीक से प्रमोट नहीं कर सकते थे, लेकिन अब सीजन-2 के प्रमोशन में काफी दिलचस्पी है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया मुझे बहुत पसंद है। यह दर्शकों को हमारी मेहनत और तैयारी के बारे में बताने का मौका देती है।

अतुल ने स्वीकार किया कि नई पीढ़ी से सीखने की जरूरत है। उन्होंने उनका आत्मविश्वास और काम करने का तरीका प्रेरणादायक है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि सच कहूं, मैं खुद को भी सलाह नहीं देता। यंग एक्टर्स के साथ काम करते हुए मैं ज्यादा सीखता हूं, लेकिन सेट पर ऋत्विक बहुत सलाह देता है, और उसकी सलाह सुन-सुनकर मैं थक चुका हूं। बंदिश बैंडिट्स का सीजन-1 अपनी कहानी और म्यूजिक के लिए काफी सराहा गया था। सीजन-2 के साथ, दर्शकों को नए ट्विस्ट, दमदार परफॉर्मेंस और म्यूजिकल ट्रीट का इंतजार है। अतुल कुलकर्णी और यंग कास्ट के बीच की केमिस्ट्री इस सीजन को और खास बना सकती है।

सलमान खान स्टारर फिल्म 'सिकंदर' का टीजर किया रिलीज

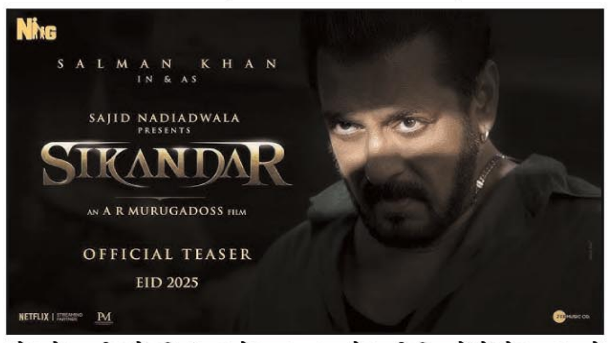

बॉलीवुड के मेगास्टार सलमान खान सिकंदर फिल्म के साथ बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म को उनके करीबी दोस्त और लंबे समय से साथी साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है। सिकंदर फिल्म का मच अवेटेड टीजर इंटरनेट पर तहलका मचा चुका है। इस टीजर में सलमान खान एक बिल्कुल नए अवतार में नजर आ रहे हैं, जो करिश्मा, ताकत और उनके स्वैग से भरा हुआ है। शानदार विजुअल्स और जबरदस्त एक्शन के साथ, सिकंदर फिल्म सिनेमा की भव्यता को एक नई परिभाषा देने का वादा करती है। सिकंदर फिल्म की एक्साइटमेंट को बढ़ाने में पॉपुलर डायरेक्टर ए.आर. मुरुगडोस का हाथ भी है, जो अपनी शानदार कहानी कहने और एक्शन से भरपूर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। इस टीजर को और भी खास बनाता है संतोष नारायणन द्वारा कंपोजड इलेक्ट्रीफाइंग बैकग्राउंड स्कोर, जो विजुअल्स की ताकत और भव्यता के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। उनकी धड़कते हुए बीट्स और दिल को छूने वाली धुनें, सिकंदर को एक और शानदार सिनेमेटिक एक्सपीरियंस बना देती हैं। फिल्म के मेकर्स ने टीजर को सिर्फ यूट्यूब पर ही रिलीज करने का फैसला किया है, ताकि दुनियाभर के दर्शकों को इस ग्रैंड फिल्म का बेहतरीन अनुभव मिल सके। यह फैसला फिल्म के विजुअल्स और प्रभाव पर फिल्ममेकर्स के गहरे विश्वास को दिखाता है, ताकि दर्शक अपने स्क्रीन से सिकंदर की भव्यता को पूरी तरह से एंजॉय कर सकें। सिकंदर अपनी दिलचस्प कहानी, बड़े एक्शन सीन्स और सलमान खान की मजबूत प्रेजेंस के साथ इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बनने वाली है। इसी वजह से फैंस सलमान खान की बड़े पर्दे पर शानदार वापसी को लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह फिल्म साजिद नाडियाडवाला और सलमान खान की सक्सेसफुल पार्टनरशिप में एक और माइलस्टोन साबित होने वाली है, इस जोड़ी की पिछली फिल्म, 'किक', 300 करोड़ की हिट साबित हुई थी। 'सिकंदर' इस पार्टनरशिप को नए मुकाम तक पहुंचाने का वादा करती है और 2025 के ईद पर सिनेमाघरों में रिलीज होने पर एक और बड़ी हिट बनने के लिए तैयार है।

गोविंदा की बेटी ने यह क्या कह दिया

गोविंदा की बेटी टीना आहूजा ने एक इंटरव्यू में मेंस्ट्रुअल क्रैम्प्स को लेकर अपनी राय साझा की। उन्होंने कहा, क्रैम्प्स का बड़ा हिस्सा साइकोलॉजिकल होता है। छोटे शहरों की महिलाओं को पीरियड्स या मेनोपॉज के दौरान ऐसी समस्याएं कम महसूस होती हैं। टीना ने अपनी देसी डाइट की सराहना करते हुए कहा, घी खाएं, फालतू डाइटिंग छोड़ें और पूरी नींद लें। इससे सब नॉर्मल हो जाएगा। उन्होंने दिल्ली-मुंबई की महिलाओं के अनुभवों की तुलना चंडीगढ़ की महिलाओं से की। इंटरव्यू में गोविंदा की पत्नी सुनीता ने कहा कि बिना डॉक्टरी सलाह के डाइट में बदलाव न करें। उन्होंने मजाक में कहा, बाद में यह मत कहिएगा कि गोविंदा की बीवी ने घी खाने को कहा और समस्या हो गई।

वरुण धवन की 'बेबी जॉन' का निराशाजनक प्रदर्शन

वरुण धवन की साल की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बेबी जॉन' फिलहाल 25 दिसंबर को क्रिसमस पर रिलीज हुई। लेकिन इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन बेहद निराशाजनक है। फिल्म की कमाई लगातार गिरती जा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या ये फिल्म बजट की कमाई कर पाएगी या नहीं। 'बेबी जॉन' थलापति विजय की तमिल फिल्म 'थेरी' का हिंदी रीमेक है। इस फिल्म का निर्देशन एटली कुमार ने किया है। फिल्म में वरुण धवन के साथ साउथ एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश मुख्य भूमिका में हैं। इसके साथ ही फिल्म में वामिका गब्बी और राजपाल यादव की भी अहम भूमिका है। इस फिल्म की कहानी सामाजिक मुद्दों पर टिप्पणी करती है। इसमें एक्शन, रोमांस और ड्रामा है लेकिन ये फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकामयाब रही। बेबी जॉन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन-फिल्म 'बेबी जॉन' ने पहले दिन अच्छी शुरूआत की। सैकनिल्क के रिपोर्ट मुताबिक, फिल्म ने क्रिसमस के दिन 11.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। लेकिन दूसरे दिन इसमें 57 फीसदी की गिरावट आ गई। दूसरे दिन फिल्म ने सिर्फ 4.75 करोड़ का बिजनेस किया। तीसरे दिन भी कलेक्शन में बड़ी गिरावट देखने को मिली। तीसरे दिन फिल्म ने 3.59 रुपये की कमाई की है। पहले दिन की तुलना में बाकी दो दिनों का कलेक्शन कम है। फिल्म ने तीन दिनों में 19.59 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर 'पुष्पा 2' सिनेमाघरों में धूम मचा रही है। फिल्म ने दुनियाभर में 1700 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस किया है। भारत में भी बड़े शहरों में इस फिल्म के शो हाउसफुल हैं। इसी बीच वरुण धवन की 'बेबी जॉन' रिलीज हुई। फिल्म की रिलीज के दिन छुट्टी थी तो भी कमाई नहीं कर पाई। लेकिन पिछले दो दिनों में देखा गया कि कमाई में गिरावट आई है। अब मेकर्स का ध्यान इस बात पर है कि फिल्म वीकेंड यानी शनिवार और रविवार को कैसा प्रदर्शन करती है। बेबी जॉन का बजट-'बेबी जॉन' के निर्माण के लिए निमार्ताओं ने काफी पैसा खर्च किया है। इस फिल्म का बजट करीब 180 करोड़ है। उसके मुकाबले तीन दिन की कमाई बहुत कम है। अगर वीकेंड पर फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिलता है तो कमाई का आंकड़ा बढ़ सकता है।

प्रीति जिंटा को देनी पड़ गई सफाई

प्रीति जिंटा ने सलमान खान को जन्मदिन की बधाई देते हुए सोशल मीडिया पर उनके साथ पुरानी तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों पर एक फैन ने पूछा, क्या आपने कभी सलमान को डेट किया है?

इस पर प्रीति ने स्पष्ट जवाब दिया, नहीं, बिल्कुल नहीं। वह मेरे परिवार जैसे हैं, मेरे क्लोज फ्रेंड और मेरे पति के भी दोस्त हैं। प्रीति ने सलमान के साथ काम करने को याद करते हुए लिखा, हमें और तस्वीरें चाहिए, नहीं तो मैं पुरानी ही शेयर करती रहूंगी। दोनों ने हर दिल जो प्यार करेगा, दिल ने जिसे अपना कहा, जान-ए-मन जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। प्रीति जल्द ही फिल्म लाहौर 1947 से कमबैक करेंगी, जिसमें सनी देओल और शबाना आजमी भी नजर आएंगे। फिल्म को राजकुमार हिरानी डायरेक्ट कर रहे हैं।

शानदार रहा 2024, नई प्रतिभाओं ने किया दमदार प्रदर्शन

साल 2024 बॉलीवुड के लिए शानदार रहा, जहां से दर्शकों का दिल जीत लिया। इन डेब्यू करने वाले कलाकारों ने न केवल अपनी काबिलियत साबित की, बल्कि इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान भी बनाई। आइए नजर डालते हैं उन छह नए सितारों पर, जिन्होंने अपने प्रभावशाली डेब्यू से लोगों को प्रभावित किया।

लिसा मिश्रा - कॉल मी बे

गायिका से अदाकारा बनीं लिसा मिश्रा ने अपनी वेब सीरीज कॉल मी बे से शानदार शुरूआत की। उन्होंने एक आधुनिक और स्वतंत्र महिला की जटिल ज़िंदगी और रिश्तों को बड़े ही संवेदनशील तरीके से पर्दे पर उतारा। अपनी सुरीली आवाज के लिए मशहूर लिसा ने अभिनय की दुनिया में कदम रखते ही दर्शकों को प्रभावित किया। उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और अभिनय ने क्रिटिक्स और दर्शकों को खूब सराहा। लिसा ने डळळ प्लेटफॉर्म पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

लक्ष्य लालवानी - किल

लक्ष्य लालवानी ने करण जौहर की एक्शन थ्रिलर किल से धमाकेदार शुरूआत की। फिल्म में उन्होंने एक निडर नायक का किरदार निभाया, जिसमें उनका शारीरिक कौशल और भावनात्मक गहराई दोनों ही देखने को मिले। उनकी फाइट सीक्वेंस और अभिनय ने उन्हें बॉलीवुड के उभरते एक्शन स्टार के रूप में स्थापित किया। क्रिटिक्स और दर्शक दोनों ही उनके प्रदर्शन की तारीफ करते नहीं थके।

नितांशी गोयल - लापता लेडीज

नितांशी गोयल ने लापता लेडीज में एक युवा दुल्हन का किरदार निभाया, जो ग्रामीण और पितृसत्तात्मक समाज में खो जाती है। किरण राव द्वारा निर्देशित और आमिर खान द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म में नितांशी ने मासूमियत और हिम्मत का बेहतरीन मिश्रण दिखाया। उनकी सहज और प्रभावशाली अदाकारी ने दर्शकों और समीक्षकों का दिल जीत लिया।

ऋषभ श्वाहने - फाइटर

जहां अधिकतर डेब्यू करने वाले कलाकार नायक की भूमिका चुनते हैं, वहीं ऋषभ श्वाहने ने फाइटर में एक विलेन का किरदार निभाकर साहसिक कदम उठाया। ऋषभ ने अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और गंभीर अभिनय से दर्शकों को चौंका दिया। उनकी परफॉर्मेंस को क्रिटिक्स ने खूब सराहा और इसे एक नई पीढ़ी के कलाकारों के लिए मिसाल बताया।

जानकी बोड़ीवाला - शैतान

गुजराती सिनेमा की स्टार जानकी बोड़ीवाला ने शैतान में अपने बोल्ड और दमदार किरदार से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस क्राइम थ्रिलर फिल्म में जानकी ने अपने किरदार की मजबूती और भावनात्मक पक्ष को बखूबी पेश किया।

वरुण धवन की बेटी की तस्वीर वायरल, फैंस हुए नाराज

वरुण धवन और नताशा दलाल को शनिवार को मुंबई एयरपोर्ट पर उनकी बेटी लारा के साथ स्पॉट किया गया। पैपराजी ने उनकी बेटी का चेहरा दिखाते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिससे फैंस ने नाराजगी जताई। फैंस ने पैपराजी की इस हरकत को गैर-जिम्मेदाराना बताते हुए कहा, बच्चों की प्राइवेसी का सम्मान करें। वरुण ने अब तक अपनी बेटी को लाइमलाइट से दूर रखा है और सोशल मीडिया पर उसका चेहरा नहीं दिखाया। वरुण की प्रोफेशनल लाइफ में हाल ही में उनकी फिल्म बेबी जॉन रिलीज हुई है, जिसे मिक्स रिव्यू मिले। आने वाले प्रोजेक्ट्स में वह नो एंट्री 2 और बॉर्डर 2 में नजर आएंगे।

मिया खलीफा से तुलना पर भड़कीं उर्फी जावेद

इंडियाज गॉट लेटेंट शो में उर्फी जावेद को एक कंटेस्टेंट की विवादास्पद टिप्पणियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने मिया खलीफा से तुलना करते हुए उर्फी को स्लट शेम किया और उनके निजी जीवन पर आपत्तिजनक बातें कहीं। इस घटना से आहत उर्फी ने शो बीच में ही छोड़ दिया। बाद में उर्फी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने लिखा, दो मिनट के फेम के लिए किसी को गाली देना और स्लट शेम करना कूल नहीं है। यह व्यवहार बेहद असभ्य और घिनौना है। उन्होंने बताया कि वह उस समय जवाब नहीं दे सकीं, लेकिन यह घटना उन्हें असहज कर गई। शो के होस्ट समय रैना, जिन्हें उर्फी ने पहले अपना बीएफएफ बताया था, ने अब तक इस विवाद पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

सूडोकु नवताल- 7018

★☆☆☆☆ सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7017 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7765

गं	रा	जें	द्र	कु	मा	य	वा	ज	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	रा
स	स	प	का	को	ह	रा	झे	ल	म	प
मि	त	स	व	वे	वा	ज	ध	रा	श	दु
श	आ	ल	ग	म	री	ना	तू	वी	झ	प
न	ल	ला	ज	दि	म	गो	ती	ना	घ	य
क	व	चि	ना	ब	प	दा	ज	ती	व	मु
श	एं	वा	ई	द	ब	व	डू	ए	श	ना
मी	ड	ल	फू	ल	औ	री	आ	ग	शी	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	व्या	स	री	द
वि	ज	अ	ब्र	म्ह	पु	त्र	त	ब	प	म

शब्दजाल में दस नदियों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

गंगा,यमुना,सतलज,रावी,झेलम,चिनाब, ब्रम्हपुत्र,कावेरी,गोदावरी,व्यास,

शब्दजाल - 7764 का हल

ग	क	ल	ड	व	ल	र्प	धी	ऊं	ल	ज
र	धा	ल	भैं	स	ति	ड्र	इं	ट	ट	वा
त	स	या	ल	बि	ल्ली	रा	रा	आ	ख	गा
ब	ज	ज	सु	पु	र	रा	प	ए	ली	य
म	क	दो	ग	ल्ला	लं	स	तू	उ	झ	म
स	क	री	प	ख	न	पू	ना	फ	घ	त
त्ते	अ	स	त	र	प	न	श	ज	ला	ट
पे	ता	दा	ई	गो	ब	कु	फ	रा	श	न
बं	बा	चे	न	श	जी	ई	ता	ल	प	रु
द	पा	ला	ल	न	क	दु	र	शा	स्त्री	ता
र	रा	जी	घो	ड़ा	धी	रा	इ	फ	ई	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6718

	3		1		2	5
3	32	6	36	2	30	1
	1		5		4	
5	33	1	29	4	30	
	6	5	4		3	2
2	30		32	3	31	7
1	2		7	5	6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6717 का हल

1	2	3	7	5	6	4
3	29	6	37	2	31	1
4	3	7	1	6	2	5
5	29	1	33	4	37	6
6	1	2	5	7	4	3
2	33	4	31	3	30	7
7	6	5	4	1	3	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

लीजेंड 90 लीग में दिल्ली रॉयल्स नवीनतम फ्रेंचाइजी के रूप में शामिल

नई दिल्ली

फरवरी 2025 में शुरू होने वाली बहुप्रतीक्षित लीजेंड 90 लीग में नवीनतम फ्रेंचाइजी के रूप में दिल्ली रॉयल्स का आधिकारिक तौर पर अनावरण किया गया। अनावरण के साथ ही टीम ने अपना लोगो भी लॉन्च किया है। कवच और ढाल से सजा दिल्ली रॉयल्स का आधिकारिक लोगो ताकत, दृढ़ संकल्प, लचीलेपन और वीरता का सटीक चित्रण करता है।

दिल्ली रॉयल्स फ्रेंचाइजी का अधिग्रहण उत्तर भारत के सबसे बड़े राजमार्ग ब्रांड मन्नत ग्रुप द्वारा किया गया है। मन्नत ग्रुप ने लीजेंड्स क्रिकेट लीग में दिल्ली रॉयल्स का अधिग्रहण करके खेल उद्योग में पहली बार कदम रखा है। अपने लग्जरी हाइवे रेस्तरां, रिसॉर्ट्स और क्विक सर्विस रेस्तरां (क्यूएसआर) के लिए जाना जाने वाला मन्नत अपने 11 आउटलेट्स पर प्रतिदिन 60,000 से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है। मन्नत ग्रुप जिस तरह से अपने व्यवसाय में अग्रणी है, ठीक उतना ही बड़ा नजरिया उसका खेलों को बढ़ावा देने को लेकर भी है।

फ्रेंचाइजी के लॉन्च पर मन्नत ग्रुप के प्रतिनिधि मंदीप मलिक ने कहा कि दिल्ली रॉयल्स राष्ट्रीय राजधानी के गौरव का प्रतीक है। हम एक ऐसी टीम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो दृढ़ संकल्प के साथ अपने खेल कौशल से सभी को प्रभावित कर सकें। लीजेंड 90 लीग क्रिकेट के दिग्गजों को मैदान पर एक साथ लाने का एक शानदार मंच है और हम इसका हिस्सा बनकर बहुत रोमांचित हैं।

मन्नत ग्रुप के चेयरमैन देवेंद्र कादयान ने कहा कि मन्नत ग्रुप में हम युवाओं को प्रेरित कर उनके करियर को आगे बढ़ाने वाले अवसरों के माध्यम से सशक्त बनाने में विश्वास रखते हैं। ठीक उसी तरह दिल्ली रॉयल्स भी हमारे लिए सिर्फ टीम नहीं, बल्कि हमारा परिवार ही है।

लीजेंड 90 लीग अपने अनूठे 90 गेंद प्रारूप के साथ प्रशंसकों के क्रिकेट अनुभव को परिभाषित करने को तैयार है। इसी महीने पूर्व भारतीय क्रिकेटर और स्पिनर हरभजन सिंह ने लीग के अनावरण कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई थी। वह लीजेंड 90 लीग के ब्रांड एंबेसडर भी हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

श्रेयंका साल की उभरती हुई महिला क्रिकेटर पुरस्कार के लिए नामांकित

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने युवा स्पिनर श्रेयंका पाटिल को शानदार प्रदर्शन करने के लिए साल की उभरती हुई महिला क्रिकेटर पुरस्कार के लिए नामांकित किया है। इस पुरस्कार के लिए नामांकितों की सूची में श्रेयंका के अलावा दक्षिण अफ्रीका की एनेरी डर्कसेन, स्कॉटलैंड की सास्किया हॉर्ले और आयरलैंड की फ्रेया सार्जेंट भी शामिल की गयी हैं। दिसंबर 2023 में पदार्पण करने के बाद से उन्होंने 13 टी20 मैच खेलकर 15 विकेट लिए हैं। टी20 एशिया कप और टी20 विश्व कप में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। इसके अलावा 2 एकदिवसीय मैचों में उनके नाम 4 विकेट हैं। इस साल श्रेयंका हर सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल रही हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीजों के महिला जैसे प्रमुख टूर्नामेंटों में भी हिस्सा लिया है। इसके अलावा वह महिला कैरेबियाई प्रीमियर लीग में भी खेलने वाली एकमात्र भारतीय हैं।

गावस्कर ने नितीश के पिता से कहा, आपके बलिदानों से देश मिला एक रत्न

मेलबर्न। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने रविवार को ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी के पिता से मुलाकात की और उनकी सराहना करते हुए कहा कि आपके बलिदानों से ही देश को 'क्रिकेट का एक रत्न मिला है। नितीश ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के तीसरे दिन शानदार शतक लगाकर भारतीय टीम को फॉलोऑन से बचाया था। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के 474 रन के जवाब में भारतीय टीम एक समय बेहद कठिन हालातों में थी। गावस्कर ने भावुक होकर कहा, ' नितीश के यहां क पहुंचने में आपने जो त्याग किये हैं उन्हें मैं जानता हूं। आपकी वजह से ही भारतीय क्रिकेट को एक बहुमूल्य रत्न मिला है। वहीं इस पर नितीश की मां ने गावस्कर से कहा कि उन्हें अब भी भरोसा नहीं हो रहा है कि उनका बेटा इतने बड़े मैदान पर खेल रहा है और इतनी 'बड़ी पारी खेली। नितीश के पिता भी उनके शतक बनाने के दौरान स्टेडिमय में मौजूद थे। उन्होंने सभी को धन्यवाद दिया और गावस्कर के पैर छुए। इससे पहले पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने भी कहा था कि नितीश की शानदार पारी देखकर उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए नितीश ने चौथे दिन सुबह के सत्र में 114 रन बनाकर आउट हुए थे। शास्त्री ने कहा, 'सबसे अहमबात यह है कि जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की उससे उनकी प्रतिभा और अनुशासन का अंदाजा होता है। उसकी पारी को देखने का अनुभव हमेशा याद रहेगा।

दूसरी बार विश्व रैपिड शतरंज खिताब जीतकर कोनेरू हम्पी ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने रविवार को न्यूयॉर्क में इतिहास रचते हुए विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप में जीत हासिल की। उन्होंने इंडोनेशिया की इरीन सुकंदर को हराकर दूसरी बार विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप खिताब जीता। ऐसा करने वाली वे पहली भारतीय महिला शतरंज खिलाड़ी हैं। 2019 में मॉस्को में जीत के बाद यह इस प्रारूप में उनकी दूसरी खिताबी जीत है। चीन की जू वेनजुन के बाद हम्पी महिला वर्ग में एक से अधिक बार खिताब जीतने वाली दूसरी शतरंज खिलाड़ी बन गई हैं। 37 वर्षीय हम्पी ने 11 में से 8.5 अंकों के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। यह भारतीय ग्रैंडमास्टर के लिए निर्णायक जीत थी। रूस के 18 वर्षीय वोलोदर मुर्जिन ने पुरुष वर्ग में यह खिताब जीता। हाल ही में सिंगापुर में क्लासिकल शतरंज विश्व चैंपियनशिप में डी गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को हराकर चैंपियन बने थे।

मेलबर्न टेस्ट

चौथे दिन का खेल खत्म, 333 रनों की हुई ऑस्ट्रेलिया की बढ़त

मेलबर्न

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मैच के चौथे दिन का खेल खत्म हो गया है। ऑस्ट्रेलिया टीम ने अपनी दूसरी पारी में 9 विकेट खोकर 228 रन बना लिए हैं। नाथन लियोन 41 रन और स्कॉट बोलैंड और 10 बनाकर नाबाद हैं। दोनों ने आखिरी विकेट के लिए अब तक 55 रन की साझेदारी कर ली है।

मेजबान टीम ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे। इसके बाद भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 369 रन बनाए। इससे पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया के पास 105 रन की बढ़त थी। ऐसे में अब उसकी कुल बढ़त 333 रन की हो चुकी है।

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी

ऑस्ट्रेलिया टीम की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 20 रन के स्कोर पर पहला झटका लगा। सलामी युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास को जसप्रीत बुमराह ने पवेलियन भेजा। कोंस्टास ने 8 रन बनाए। इसके बाद मोहम्मद सिराज ने उस्मान ख्वाजा को आउट कर दिया। ख्वाजा ने 21 रन बनाए। फिर सिराज ने स्टीव स्मिथ को अपना शिकार बनाया। वह 13 रन बना सके। इसके बाद बुमराह ने एक ही ओवर में पहले ट्रेविस हेड और मिचेल मार्श को चलता कर दिया। हेड केवल 1 रन बना सके, जबकि मिचेल मार्श खाता भी नहीं खोल सके। ऑस्ट्रेलिया का 91 के स्कोर पर छठा विकेट गिरा। बुमराह ने विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी को बोल्ड कर दिया। कैरी दो रन बना सके। हालांकि दूसरे छोर से मार्नस लाबुशेन ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट करियर का 23वां अर्धशतक पूरा किया। लाबुशेन को सिराज ने अपने जाल फंसाया और उन्हें एल्बीडब्ल्यू कर पलेवियन भेजा। लाबुशेन ने 139 गेंद में 70 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया का आठवां विकेट 156 के स्कोर पर गिरा। मिचेल स्टार्क 5 रन बनाकर रन आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया को 173 के स्कोर पर नौवां झटका लगा। कप्तान पैट कमिंस 90 गेंद में चार चौके की मदद से 41 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नाथन लियोन ने स्कॉट बोलैंड के साथ मिलकर 10वें विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया की बढ़त को 300 के पार पहुंचा दिया। दिन का खेल खत्म होने तक नाथन लियोन 41 रन और स्कॉट बोलैंड और 10 बनाकर नाबाद हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में अब तक 9 विकेट खोकर 228 रन बना लिए हैं और कुल बढ़त 333 रन की हो चुकी है। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने अब तक चार विकेट और मो. सिराज ने तीन विकेट लिए हैं। रवींद्र जडेजा को एक विकेट मिला है।

भारतीय टीम की पहली पारी 369 रन पर समाप्त

भारतीय टीम की पहली पारी 369 रन पर समाप्त हुई। टीम ने आज नौ विकेट पर 358 रन से आगे खेलना शुरू किया। नीतीश कुमार रेड्डी और मोहम्मद सिराज केवल 11 रन जोड़ सके। नीतीश आखिरी विकेट के रूप में आउट हुए। उन्होंने 189 गेंद में 11 चौके और एक छक्के की मदद से 114 रन की शानदारी पारी खेली। इससे पहले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 82 रन, कप्तान रोहित शर्मा 3 रन, केएल राहुल 24 रन, विराट कोहली 36 रन, ऋषभ पंत 28 रन, रवींद्र जडेजा 17 रन और वॉशिंगटन सुंदर 50 रन बनाकर आउट हुए थे। जसप्रीत बुमराह और आकाश दीप खाता नहीं खोल सके थे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस, स्कॉट बोलैंड और नाथन लियोन ने तीन-तीन विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 474 रन

इसके पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। स्मिथ के अलावा उस्मान ख्वाजा ने 57, मार्नस लाबुशेन ने 72 और सैम कोंस्टास ने 60 रन बनाए। इन चारों के अलावा पैट कमिंस (49) और एलेक्स कैरी (31) ने भी महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4, रवींद्र जडेजा ने 3, आकाशदीप ने 2 और वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया।

मांजरेकर ने रोहित पर निशाना साधा

मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि बॉक्सिंग डे टेस्ट में पारी की शुरुआत का रोहित शर्मा का फैसला गलत था। मांजरेकर ने कहा कि रोहित इस सीरीज में अब तक विफल रहे हैं। इसके बाद भी उनका सलामी बल्लेबाज के तौर पर आना गलत था। उन्होंने कहा कि इस सीरीज में रोहित के अलावा विराट कोहली और अन्य बड़े खिलाड़ी भी रन नहीं बना पा रहे जो टीम के लिए नुकसानदेह साबित हो रहा है।

ऐसे में इन खिलाड़ियों को फार्म हासिल करने के पूरे प्रयास करने चाहिये। उन्होंने कहा कि रोहित बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में अब तक तीन पारियों में केवल 19 रन ही बना पाए हैं। मांजरेकर ने कहा कि हमारे यहां परंपरा है कि हम अनुभवी बल्लेबाजों को लय हासिल करने के लिए ऊपर भेज देते हैं। हम प्रतिष्ठित खिलाड़ियों को सभी प्रकार के अवसर प्रदान करते हैं। वहीं इस सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे केएल राहुल को पारी की शुरुआत से हटाकर तीसरे नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने के लिए भेज देते हैं जिससे रोहित को फॉर्म हासिल करने का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि राहुल ने पहले तीन मैच में पारी की अच्छी शुरुआत की जबकि ऑस्ट्रेलिया में ओपनिंग करना आसान नहीं है। यशस्वी जयसवाल के साथ राहुल ने भारत के लिए रिकॉर्ड साझेदारी की थी पर रोहित को खिलाड़ी को सफल बनाने के लिए उस साझेदारी को तोड़ दिया दिया गया। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि यशस्वी और रोहित शीर्ष पर अच्छी साझेदारियां करते हैं । उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में जब आपको एक ऐसा सलामी बल्लेबाज मिला जो अपनी भूमिका ठीक से निभा रहा था, तो खराब फॉर्म से जूझ रहे कप्तान को पारी की शुरुआत के लिए भेजने के कारण उसे नंबर 3 पर भेजना सही नहीं है।

यूनाइटेड कप

पर्थ में यूनाइटेड कप टेनिस में खेलती हुई स्पेन की जेसिका बोजास।

बैडमिंटन स्पर्धा : आर्यन, आंजनेय शिवांश व आर्यन अगले दौर में

भोपाल/इन्दौर

बालक अंडर 19 में पहली वरीयता के आर्यन उपाध्याय, आंजनेय यादव, शिवांश मालवीय व आर्यन शर्मा ने अपने मुकाबले जीतकर यहाँ खेली जा रही विजय नामदेव स्मृति भोपाल जिला बैडमिन्टन प्रतियोगिता के स्पर्धा के अगले दौर में प्रवेश किया।

आज से प्रारंभ हुए बालक अंडर 19 वर्ग में शीर्ष वरीयता धारी आर्यन उपाध्याय ने अपने पहले दौर के मुकाबल में हर्षित कश्यप को सीधे गेमों में 15-9, 15-5 से हराया। इसी वर्ग में आंजनेय यादव ने सत्यम कुमार को 15-4, 15-13, शिवांश मालवीय ने अर्नव सूर्यवंशी को 15-10, 15-9 तथा आर्यन शर्मा ने सानिध्य को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 15-11, 15-10 से शिकस्त दी। अन्य परिणाम इस प्रकार रहे :-

बालक अंडर 9 : वेदांत विवि अद्रित पांडेय 15-14, 15-10 यर्थाथ वैष्णव विवि आर्यन गोयल 15-12, 15-1

बालक अंडर 11 : अभिनव आर्य विवि आदर्श पाठक 15-10, 15-8 अर्जुन राव विवि निपूर्ण 15-8, 15-4 आरव सोनी विवि गर्वित लालवानी 15-11, 15-4 युग भारती विवि मितांश जैन 15-8, 15-6

बालक अंडर 13 : प्रेरक पालीवाल विवि वैदिक बंसल 15-9, 11-15, 15-12 आदित्य रघुवंशी विवि शौर्यादित्य मिश्रा 6-15, 15-13, 15-7 वैभव द्विवेदी विवि मनन चंदनानी 15-6, 15-4

बालिका अंडर 13 : अन्वी गुप्ता विवि ओयस उपाध्याय 15-3,15-5 आराध्या गुप्ता विवि राधेश्री परिहार 15-12, 15-6 भूमि सिंह विवि तारा तिवारी 15-2,15-6 अदिति परमार विवि निया 15-7, 15-6 ।

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग ने पहले सीजन के लिए 12 टीमों की घोषणा की

मुम्बई

छह पुरुष और छह महिला टीमें शामिल गुरुग्राम, 29 दिसंबर (हि.स.)। ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) ने आधिकारिक तौर पर 12 फ्रेंचाइजी टीमों और लीग के लोगो का अनावरण किया है, जिससे इसके पहले सीजन के लिए उत्सुकता और बढ़ गई है। यह लीग, जिसमें पुरुषों और महिलाओं की प्रतियोगिताओं पर समान रूप से जोर दिया जा रहा है, अपने अभिनव प्रारूप और समावेशी दृष्टिकोण के साथ खेल में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है।

टीमों के नाम रणनीतिक रूप से उनकी क्षेत्रीय पहचान को दर्शाने के लिए रखे गए हैं। इनमें महिला टीमें मराठी फाल्कन्स, भोजपुरी लेपर्ड्स, तेलुगु चीता, तमिल लायनेस, पंजाबी टाइग्रेस और हरियाणवी ईगल्स हैं। पुरुषों की टीमें मराठी वल्चर्स, भोजपुरी लेपर्ड्स, तेलुगु पैंथर्स, तमिल लायंस, पंजाबी टाइगर्स और हरियाणवी शार्क्स शामिल हैं।

जीआई-पीकेएल ने अपनी टैगलाइन #कबड्डी की नई जंग भी जारी की, जो पुरुषों और महिलाओं को एक बैनर के तहत लाकर और समान शर्तों पर प्रतिस्पर्धा करके खेल को फिर से परिभाषित करने के लीग के मिशन का प्रतीक है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी के पास एक पुरुष और एक महिला टीम होगी। इस महीने की शुरुआत में, ग्लोबल प्रवासी कबड्डी लीग (जीपीकेएल) ने इंडियन प्रीमियर कबड्डी लीग (आईपीकेएल) के साथ अपने विलय की घोषणा की, जिससे जीआई-पीकेएल का गठन हुआ।

टीम की घोषणाओं के बारे में होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन (एचआइपीएसए) की अध्यक्ष कांथी डी. सुरेश ने एक बयान में कहा, जीआई-पीकेएल भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाता है। साथ ही कबड्डी को वैश्विक दर्शकों तक ले जाता है। एक बैनर के तहत पुरुष और महिला दोनों टीमों को पेश करके, हमारा उद्देश्य खेल में समानता, सशक्तीकरण और एकता को बढ़ावा देना है।

हमेशा से ही होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन कबड्डी के वैश्विक विकास को लेकर प्रतिबद्ध रहा है। 2023 में जीपीकेएल ने दुनिया भर में महिला कबड्डी को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा राज्य सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। इससे पहले, होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने सभी महाद्वीपों में खेल का विस्तार करने के लिए यूनाइटेड किंगडम स्थित विश्व कबड्डी निकाय के साथ भी 10 वर्ष के लिए करार किया था। यह प्रयास चार महाद्वीपों में पुरुषों के लिए कम से कम 75 देशों और महिलाओं के लिए 45 देशों में सक्रिय भागीदारी जैसे मानदंडों को पूरा करके ओलंपिक में कबड्डी को शामिल करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य पर आधारित है।

जीआई-पीकेएल की शुरुआत 12 टीमों के साथ होगी, जिसमें 6 पुरुष और 6 महिला टीमें शामिल होंगी। पहले सीजन में कुल 66 मैच खेले जाएंगे। लीग लगभग एक महीने तक चलेगी।

विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047
BTR GOV
बि टि आर सरकार
सत्यमेव जयते
BHM
BODOLAND
HAPPINESS MISSION
CEREMONIAL LAUNCH
শুভ উন্মোচন | फोर्बोंआरि जागायनाय
Mind Speaks:
Community Vision for BTR
COMMUNITY VISION DOCUMENT
An initiative of the Government of Bodoland Territorial Region (BTR)
বড়োলেণ্ড ক্ষেত্ৰীয় অঞ্চল (বি.টি.আৰ) চৰকাৰৰ উদ্যোগত
बड'लेण्ड हायुङारि ओनसोल (बि.टि.आर.) सोरखारनि मोनसे हाबाफारि
11:00 AM
30th December, 2024
Pragjyoti ITA Centre, Machkhowa, Guwahati
Chief Guest
Shri Lakshman Prasad Acharya
Governor, Assam
In the august presence of
Shri Pramod Boro
Chief Executive Member, BTR
and
Cabinet Ministers of Assam
& other dignitaries
WE ARE TOGETHER...
FOR YOUR FUTURE... TO MAKE IT BETTER!
IPR (BTC)/D/2024-25/39